राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

11

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 200 पटना (बिहार) गुरुवार,22 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

पैक्स में अनाज भंडारण क्षमता में होगी वृद्धि, बिहार सरकार ने नए गोदाम निर्माण को दी मंजूरी

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार सरकार ने पूरे बिहार में प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS) में अनाज भंडारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करने की योजना को मंजूरी दे दी है। समीक्षा बैठक में सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने नए गोदामों के निर्माण के प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी, जिसका लक्ष्य 1.12 लाख टन की कुल भंडारण क्षमता बनाना है। केंद्र सरकार की खाद्य भंडारण योजना के तहत 50 टन से लेकर 10,000 टन क्षमता वाले गोदाम बनाए जाएंगे। इस योजना का सीधा लाभ सहकारी समितियों को मिलेगा, जिसका शुरूआती लक्ष्य 75 PACS को सहायता प्रदान करना है। अब तक 31 ढअउर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, जिनमें औरंगाबाद में दो, नवादा में छह, पश्चिमी चंपारण में चार, समस्तीपुर में तीन, सहरसा में दो, सारण में दस, सीवान में चार और सुपौल में एक ढअउर शामिल हैं। 25 आवेदनों के तहत 99,000 टन की संयुक्त क्षमता वाले गोदामों के निर्माण के लिए 129.32 करोड़ रुपये की राशि के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। गोदामों के लिए लागत अनुमान क्षमता के आधार पर अलग-अलग हैं - 1,000 टन के गोदामों के लिए 1.30 करोड़ रुपये, 2,000 टन के लिए 2.76 करोड़ रुपये, 2,500 टन के लिए 3.33 करोड़ रुपये, 5,000 टन के लिए 6.17 करोड़ रुपये और 10,000 टन की सुविधाओं के लिए 13.34 करोड़ रुपये।

सहकारी समितियों को निर्माण लागत का केवल 10 प्रतिशत ही देना होगा, जबकि शेष 90 प्रतिशत ऋण के रूप में प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इस योजना के तहत PACS को 33 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। वर्तमान में, विभिन्न अन्य योजनाओं के तहत 200, 500 और 1,000 टन की क्षमता वाले गोदाम बनाए जा रहे हैं, जहाँ विभाग सहकारी समितियों को 50 प्रतिशत अनुदान और 50 प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करता है।

डेढ़ करोड़ रुपये का इनामी खूंखार नक्सली का शीर्ष नेता बसव राजू मारा गया

क्राइम संवाददाता द्वारा

नारायणपुर : नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में अब तक के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन में फोर्स को बड़ी सफलता मिली है। डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच करीब 50 घंटे से ज्यादा समय तक चली एनकाउंटर में डेढ़ करोड़ रुपये का इनामी खूंखार नक्सली नंबाला केशव राव उर्फ अलियास बसव राजू मारा गया। इस बात की पुष्टि खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ पुलिस ने की है। उसके मारे जाने से नक्सली संगठन की नींव हिल गई है। क्योंकि वह नक्सलियों के संगठन का शीर्ष लीडर था। नवंबर 2018 में नक्सल संगठन की संभाली कमान :इस खूंखार नक्सली की बात करें तो नवंबर 2018 में नक्सली गणपति के बाद बसव राजू को नक्सल संगठन की कमान सौंपी गई थी। वह नक्सल संगठन का महासचिव और पोलित ब्यूरो का सदस्य था। कई लेयर में उसकी सुरक्षा व्यवस्था रहती थी। उसकी सुरक्षा में आधुनिक हथियारों से लैस तीस से चालीस माओवादी हमेशा साथ में रहते थे। नक्सली गणपति के बाद वह नक्सल संगठन की कमान संभाल रहा था। उसे माओवादियों के मिलिट्री ऑपरेशन का प्रमुख भी बनाया गया था। बीटेक की पढ़ाई के बाद थामा नक्सली संगठन का साथ :साल 2017 से ही बसव राजू पूरे संगठन को मुलापल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति की जगह लीड कर रहा था। खुफिया एजेंसी को उसके बारे में सिर्फ ये पता था कि उसका जन्म आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम में जुलाई 1955 में हुआ था। पढ़ाई में मेधावी बसव राजू ने वारंगल रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की डिग्री ली थी। वह इंजीनियर के साथ ही स्पोर्ट्स मैन भी था। कॉलेज के दिनों में वह वॉलीबाल में आंध्रप्रदेश को नेशनल चैंपियनशिप में रिप्रजेंट किया था। बसवराजू ने बीटेक की पढ़ाई की थी। उसके बाद लेफ्ट पार्टी में सक्रिय हुआ। एबीवीपी के कुछ सदस्यों से टकराव के बाद उसे साल 1980 में गिरफ्तार किया गया था। बसवराजू की गिरफ्तारी का यही एक दस्तावेज है। इसके बाद उसने सीपीआई (एम) की पीपुल्सवार यूनिट को ज्वॉइन किया और तब यानी लगभग 35 साल से वह बस्तर में सक्रिय नक्सली बना

रहा। डेढ़ दशक पहले वह छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की सबसे बड़ी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीएसजेडसी) का चीफ कमांडर रहा। नक्सलियों के मिलिट्री डिवीजन का चीफ कमांडर रहा :फोर्स के पास बसव राजू को लेकर जो इंटेलिजेंस इनपुट हैं उसके मुताबिक, वह डेढ़ दशक पहले नक्सलियों के मिलिट्री डिवीजन का चीफ कमांडर था। तब गणपति नक्सलियों को लीड कर रहा था। बताया जाता है कि साल 2018 में नक्सली गणपति के बीमार होने पर बसव राजू ने पूरे संगठन की कमान संभाली थी। हालांकि नक्सलियों की ओर से इसकी अधिकृत घोषणा 10 नवंबर 2018 को जारी प्रेस रिलीज में की गई थी। बस्तर में डेढ़ दशक से नक्सल आतंक का पर्याय :बसव राजू पिछले करीब डेढ़ दशक से नक्सल आतंक का पर्याय बना हुआ था। वह ज्यादातर अबूझमाड़ में ही रहता था। उसके ऊपर अलग-अलग राज्यों में 2 करोड़ 2 लाख रुपए का इनाम था। उस पर फोर्स पर नृशंस हमला करने, एम्बुश लगवाने के लिये जाना जाता था। ताड़मेटला कांड और झीरम कांड की रणनीति बनाने में उसकी अहम भूमिका थी। ताड़मेटला कांड में सीआरपीएफ के 76 जवान वीरगति को प्राप्त हो गये थे। वहीं झीरम कांड में छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन का एक शीर्ष नेतृत्व ही पूरी तरह से खत्म हो गया था। जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, उदय मूदलियार, महेंद्र कर्मा, पूर्व गृहमंत्री नंदकुमार पटेल, योगेंद्र शर्मा समेत कई कांग्रेस नेता मारे गये थे। तलाश में थी 16 राज्यों की पुलिस :इसके अलावा बसव राजू नक्सली संगठन को हथियार सप्लाई कराने और नक्सल रणनीति बनाने में माहिर था। बताया जाता है कि उसकी तलाश में 16 राज्यों की पुलिस लगी हुई थी। उसे जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिये फोर्स लगातार सर्चिंग कर रही थी पर सफलता नहीं मिल रही थी। आखिरकार आज 21 मई 2025 को फोर्स को उसे मार गिराने में बड़ी कामयाबी मिली है।

सासाराम में सीबीआई की रेड, केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल 32 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

रोहतास : सीबीआई ने बुधवार को रोहतास जिले के सासाराम में केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल को 32,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया. प्रिंसिपल मयंक कुमार श्रीवास्तव ने शिकायतकर्ता प्रिंस कुमार से पैसे मांगे थे. प्रिंस कुमार एक निजी फर्म माही एंटरप्राइजेज के मालिक हैं. यह फर्म गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल के सप्लायर के रूप में पंजीकृत है. उन्होंने प्रिंस कुमार से 1.92 लाख रुपये का पुराने बिल जारी करने के लिए पैसे मांगे थे.बिल पास कराने के लिए मांगा रुपया : बता दें की केंद्रीय विद्यालय में सामग्री का सप्लाई देने वाले माही एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर प्रिंस कुमार ने सीबीआई से शिकायत की थी कि एक लाख 92 हजार रुपए के बिल के भुगतान की एवज में प्रिंसिपल मयंक श्रीवास्तव के द्वारा 32 हजार मांगा गया है. इसी शिकायत के आधार पर पहुंची सीबीआई की टीम ने प्रिंसिपल को

पहले अपने कब्जे में ले लिया और उसकेजांच शुरू की. विशेष अदालत में होगी पेशी : जानकारी के अनुसार, सीबीआई की एक टीम ने जाल बिछाया और श्रीवास्तव को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया. उनके आवासीय परिसर की तलाशी ली गई. उन्हें गुरुवार को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया जाएगा. एजेंसी के अधिकारी मामले की आगे की जांच के तहत उनसे पूछताछ कर रहे हैं. पटना लेकर गई उइक टीम : सीबीआई टीम के छापेमारी की खबर जंगल में लगी आग की तरह फैल गई. वहीं हड़कंप मचा रहा. रिश्वत लेने के आरोप में प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर सीबीआई की टीम उन्हें अपने साथ राजधानी पटना लेकर चली गई है. फिनोलफ्थलीन कैमिकल के जरिये धराया : बताया जाता है कि, सीबीआई की टीम ने फिनोलफ्थलीन कैमिकल युक्त करेंसी नोटों का इस्तेमाल किया. फिनोलफ्थलीन रंगहीन होता है, लेकिन पानी या हल्के अम्लीय घोल के संपर्क में आने पर गुलाबी या लाल-बैंगनी रंग का हो जाता है. तभी कहा जाता है कि अपराधी को रंगें हाथ पकड़ा गया

महागठबंधन में चल क्या रहा है? तेजस्वी के बाद कांग्रेस भी लेकर आ गई 'माई बहिन मान योजना

संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार में कांग्रेस और राजद एक साथ मिलकर इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुकी है. तेजस्वी यादव ने बिहार में सरकार बनने पर बिहार की महिलाओं के लिए 'माई बहिन मान योजना' के तहत 2500 देने की घोषणा की थी. अब कांग्रेस ने भी आज घोषणा कर दी कि बिहार में सरकार बनने पर माई-बहिन मान योजना के तहत 2500 रु प्रति महीने महिलाओं को देने का काम करेगी. बिहार के लिए कांग्रेस की योजना : कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और झारखंड में महिलाओं को सशक्त करने के बाद कांग्रेस ने अब आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए सूबे में भी महिलाओं को सशक्त करने के लिये कैंपेन लॉच किया है. प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम नें 'माई बहिन मान योजना' कैंपेन की औपचारिक शुरूआत की. इसका विधिवत पोस्टर भी आज जारी किया गया. "इस राज्य स्तरीय कैंपेन के तहत कांग्रेस राज्य की सभी महिलाओं से गारंटी फॉर्म भरवायेगी. बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद हर

जरूरतमंद महिला के खाते में हर महीने 2500 रुपये की सम्मान राशि सीधे भेजी जाएगी."- अलका लांबा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कॉल नंबर जारी : इस अभियान से जुड़ने के लिये कांग्रेस संगठन नें एक मिस्ड कॉल नंबर 8800023525 भी जारी किया है, जिसके तहत महिलाओं को पंजीकरण करना होगा. इस नंबर पर मिस्ड कॉल करके भी इस योजना से जुड़ा जा सकता है. एक अनुमान के मुताबिक बिहार में करीब 5.36 करोड़ महिलायें हैं, इसलिये कांग्रेस नेतृत्व को भरोसा है कि हर महिला को सशक्त बनाने की इस महत्वपूर्ण योजना को घर घर ले जाने से बड़ी संख्या में आधी आबादी कांग्रेस के साथ जुड़ेंगी. "कांग्रेस के कार्यकर्ता, पदाधिकारी इस योजना से महिलाओं को जोड़ने के साथ यह भी बतायेंगे कि बिहार की वर्तमान सरकार ने किस प्रकार महिलाओं को मूलभूत अवसरों और सुविधाओं से वंचित रखा है."- अलका लांबा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष हर महिला को जोड़ने का लक्ष्य : प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी राज्य के हर घर जाकर महिलाओं को इससे जोड़ेंगे और फॉर्म भरवायेंगे, सभी पंचायतों में इस योजना से महिलाओं को अवगत कराने के लिए महिला चौपाल का भी आयोजन किया जाएगा. "लगातार बिहार कांग्रेस महिलाओं, छात्रों, युवाओं और किसानों की हक के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रही है. इसलिए महिलाओं के लिए सम्मान राशि के लिए आवेदन की शुरूआत भी हमने आज किया है. इस योजना की शुरूआत महिला कांग्रेस के द्वारा जमीनी सर्वे के बाद महिलाओं की आशाओं को हकीकत में बदलने के लिए की जा रही है. इसके व्यापक प्रचार प्रसार के लिए कांग्रेस संगठन के एक-एक कार्यकताओं को जुटकर काम करने की जरूरत है."- राजेश राम, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष

जदयू -बीजेपी के कई दिग्गज बेटा को सेट करने में लगे, चिराग के 'हेलीकॉप्टर' से उड़ना चाहते हैं

संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से ही गुणा-गणित शुरू हो चुका है. वैसे तो सभी पार्टियों के नेता परिवारवाद पर वार करते हैं. पर सच्चाई यही है कि सभी नेताओं को अपना परिवार ही पसंद आता है. मतलब अपने बेटे-बेटियों को ही आगे बढ़ाना चाहते हैं. विधानसभा चुनाव के दौरान अगर आपको मंत्री, विधायक के बेटे मैदान में नजर आएं तो चौंकिएगा मत. दरअसल कई नेता अपने बेटों को सेट करने में लगे हुए हैं. अपनी पार्टी से बात बनी तो ठीक नहीं तो सभी को चिराग के 'हेलीकॉप्टर' से उड़ान भरवाएंगे. बीजेपी और जेडीयू के कई नेता-मंत्री के बेटे इस कतार में हैं. विरासत को आगे बढ़ाने की नेताओं की कोशिश : राजनीतिक विशेषज्ञ सुनील पांडे का कहना है कि इस बार विधानसभा चुनाव में परिवारवाद की खूब झलक दिखेगी. क्योंकि अपनी दूसरी पीढ़ी को कई नेता राजनीति में इस्टैबलिश्ड (स्थापित) करना चाहते हैं. मदन सहनी, अरुण सिन्हा, विनोद नारायण झा, राम कृपाल यादव, दिनेश सिंह, अवधेश नारायण सिंह एनडीए में कई ऐसे नेता हैं जो अपने पुत्र या पुत्री को विधानसभा चुनाव के माध्यम से राजनीति में इस्टैबलिश्ड करना चाहते हैं. "यदि अपने दल से

टिकट नहीं मिला तो सहयोगी दल से भी टिकट दिलाने की जुगाड़ में नेता लगे हैं. उनके लिए चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सबसे बेहतर विकल्प है, क्योंकि लोजपा रामविलास में उम्मीदवार तब तय होता है जब सीट का बंटवारा हो जाता है. इसलिए संभावना काफी अधिक है. इसकी वजह एक यह भी है कि चिराग पासवान के पास अभी एक भी विधायक नहीं है तो सभी सीटों पर नए उम्मीदवार ही खड़े होंगे."- सुनील पांडे, राजनीतिक विशेषज्ञ 'छखढफ से टिकट मिलने का मतलब जीत की गारंटी' : लोजपा रामविलास के प्रवक्ता प्रोफेसर विनीत सिंह का कहना है कि एनडीए के घटक दल के नेता हों या महागठबंधन के, सभी लोजपा रामविलास का टिकट इसलिए चाहते हैं क्योंकि यहां जीत की गारंटी है. "लोकसभा का चुनाव हो या फिर उससे पहले झारखंड विधानसभा का चुनाव, हमारी पार्टी का 100% स्ट्राइक रेट रहा है. वैसे टिकट किसको मिलेगा यह हमारा संसदीय बोर्ड तय करेगा, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष तय करेंगे, लेकिन यह सत्य है कि लोजपा रामविलास मतलब जीत पक्की."- विनीत सिंह, प्रवक्ता, एलजेपीआर मंत्री मदन सहनी चाहते हैं कि उनका बेटा सेट हो जाए. मदन सहनी का बेटा एकलव्य मिथिलांचल से ही चुनाव लड़ना चाहता है. मदन सहनी पिछले दिनों चिराग पासवान से भी मिल चुके हैं. नेता की सहमति मिलने के बाद जल्द ही मदन सहनी अपने बेटा को लोजपा रामविलास में शामिल करवा सकते हैं. मदन सहनी पिछले दिनों चिराग पासवान से मुलाकात कर चुके हैं. हालांकि अपने बेटा को राजनीति में सेट करने की बात से मना कर रहे हैं. वैसे यह भी जरूर कह रहे हैं कि "यदि राजनीति में आता है तो अपने बलबूते जगह बनाएगा. हम ना तो विरोध करेंगे और ना ही किसी को टिकट देने के लिए कहेंगे." बीजेपी के विधायक विनोद नारायण झा के पुत्र वैभय झा पहले ही चिराग पासवान की पार्टी में शामिल हो चुके हैं. मिथिलांचल से चाहते हैं चुनाव लड़ें, कोशिश मधुबनी के किसी विधानसभा सीट से है. जदयू के विधान पार्षद दिनेश कुमार सिंह की पुत्री कोमल सिंह चिराग पासवान की पार्टी में पहले से है. इस बार भी विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहती हैं. कोमल की मां वीणा सिंह लोजपा रामविलास की वैशाली से सांसद हैं. बीजेपी के पूर्व सांसद रामकृपाल यादव भी अपने बेटे को राजनीति में सेट करना चाहते हैं. रामकृपाल यादव के पुत्र अभिमन्यु यादव वैसे तो बीजेपी से ही टिकट लेने की कोशिश में हैं, अगर नहीं मिला तो चिराग पासवान की पार्टी से टिकट मिले इसकी भी तैयारी में लगे हैं. महेश्वर हजारी विधानसभा चुनाव में अपने बेटे सन्नी को एनडीए के घटक दल बीजेपी से टिकट दिलाना चाहते हैं. महेश्वर हजारी नीतीश कुमार से मिल चुके हैं. यह जानकारी मिल रही है कि महेश्वर हजारी अपने बेटे को जल्द ही जदयू या भाजपा में शामिल कराएंगे. बीजेपी से टिकट नहीं मिला तो अपनी पार्टी जदयू में ही शामिल कराएंगे. बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह भी अपने बेटे को सेट करने की कोशिश में लगे हैं. बीजेपी से ही चुनाव लड़ाने की कोशिश है. मतलब साफ है कि बीजेपी और जदयू में सीटों को लेकर मारामारी है, इसलिए एनडीए के दो बड़े घटक दल भाजपा और जदयू के नेताओं के लिए चिराग पासवान की पार्टी लोजपा रामविलास से सबसे ज्यादा उम्मीद है. नेता पुत्रों की लंबी फेहरिस्त : राजनीति में दावेदारी करने वाले नेता पुत्रों की लंबी फेहरिस्त है. जदयू के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह का बेटा सोनू भी शाहाबाद से चुनाव लड़ना चाहता है. विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का बेटा भी पटना सिटी से चुनाव लड़ना चाहता है. भाजपा विधायक अरुण सिन्हा का बेटा भी चुनाव लड़ना चाहता है. नालंदा के हरनौत के विधायक हरिनारायण सिंह भी अपने बेटा को चुनाव लड़ना चाहते हैं. "कोई भी बात है तो नेता के सामने उन्हें रखनी चाहिए. ऐसे तो मुख्यमंत्री परिवारवाद के खिलाफ रहे हैं, लेकिन यदि मुख्यमंत्री फैसला ले लेते हैं तो पूरी पार्टी और हमलोग उसे जिताने में ताकत लगाएंगे. मुख्यमंत्री दूसरे दल से टिकट लेने पर भी खिलाफ रहे हैं."- संजय गांधी, जेडीयू नेता

पटना में घूसखोर एएसआई गिरफ्तार, निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार की राजधानी पटना में घूसखोर एएसआई गिरफ्तार हुआ है. भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शास्त्री नगर थाने में पदस्थापित एएसआई अजीत कुमार सिंह को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है. महुआ बाग स्थित शिव मंदिर के पास से उसे पकड़ा गया है.

राजा बाजार की रहने वाली महिला ने की शिकायतः निगरानी विभाग के मुताबिक एएसआई अजीत कुमार सिंह ने पटना के राजा बाजार की रहने वाली नूरजहां से किसी मामले में 50 हजार की रिश्वत की मांग की थी. आरोपी एएसआई ने उसे साफ-साफ कहा कि अगर यह रकम नहीं दी गई तो वह उसकी कोई मदद नहीं करेंगे. इसके बाद महिला ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग से की, जिसके बाद विभाग ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की. निगरानी टीम ने इस तरह बिछाई जालः निगरानी टीम ने पहले इस शिकायत की पुष्टि की और फिर एक सुनियोजित ऑपरेशन के तहत एएसआई अजीत कुमार को फंसाने की योजना बनाई. टीम ने महिला को

एक डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर और नकली नोटों के साथ तैयार किया, ताकि पकड़े जाने पर सबूत मौजूद रहें. रंगे हाथों एएसआई गिरफ्तारः जैसे ही एएसआई अजीत कुमार सादे कपड़ों में थाने के बाहर पहुंचे और महिला से पैसे लेने लगे, उस समय निगरानी टीम ने उसे घेर लिया. उसके हाथ में रिश्वत के पैसे होने के सबूत मिलने के बाद टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी के बाद निगरानी विभाग के कार्यालय ले जाया गया, जहां पूछताछ की जा रही है. रिश्वत के खिलाफ निगरानी का एक्शनः इस पूरे ऑपरेशन की कमान निगरानी विभाग के डीएसपी पवन कुमार के हाथ में थी. उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ एक स्पष्ट संदेश देती है कि कोई भी अधिकारी चाहे कितने भी बड़े पद पर क्यों न हो, अगर वह गलत काम करता है, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा. पटना के शास्त्रीनगर थाने में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक अजीत कुमार सिंह को 50,000 रुपये रिश्वत लेते महुआ बाग से गिरफ्तार किया गया है. नूरजहां नामक महिला से उसके बेटे का नाम हटाने के लिए रिश्वत की मांग की जा रही थी. आरोपी एएसआई से पूछताछ की जा रही है.- पवन कुमार, डीएसपी, बिहार निगरानी अन्वेषण ब्यूरो

क्या एक और तख्तापलट की ओर बढ़ रहा है पाकिस्तान

अंजन कुमार

> असीम मुनीर ने जब से पाकिस्तानी फौज की कमान संभाली है, उनकी मुस्लिम कट्टरता और हिंदू विरोध वाली मानसिकता देखते हुए ऐसा माना जाता रहा है कि वह मुल्क के कुछ गिने-चुने लेकिन, सबसे ताकतवर नेताओं में खुद का नाम शुमार करना चाहते हैं। इनमें भारत के बंटवारे और लाखों लोगों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार मोहम्मद अली जिन्ना, जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज मुशर्रफ जैसे कुख्यात पाकिस्तानी शख्सियतें शामिल हैं। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनने के बाद जनरल मुनीर को एक नई ताकत मिली है। इससे सेना में उनका दबदबा और बढ़ सकता है। फौज में उनके जो विरोधी हैं, उन्हें कुछ समय के लिए जोर का झटका लगा है और फिलहाल के लिए वह पीछे हटने को मजूबर हुए हैं। मुनीर पहले से ही खुद को राष्ट्रवादी दिखाने के लिए धार्मिक उन्माद फैलाने वाली बातें कर रहे हैं। जिस समय पाकिस्तान की आर्थिक हालत बेहद खराब है, कर्ज न मिले तो आटा जुटाने में आफत है, फिर भी वे कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की दांव लगा रहे हैं। उन्होंने कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए तुर्की, अमेरिका और चीन से भी समर्थन मांगा है। पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से जिस तरह से मंगलवार को अचानक मुनीर के प्रमोशन की बड़ी खबर आई, उसको लेकर कुछ विश्लेषकों को तो यहां तक लग रहा है कि फील्ड मार्शल बनाए जाने का मतलब है कि उन्हें संभावित कोर्ट मार्शल की स्थिति से सुरक्षित कर दिया गया।

नई दिल्ली : पाकिस्तान में एक बार फिर से सैन्य तख्तापलट की आहट नजर आ रही है। जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी फौज बेवजह कूदी और फिर मात खाकर दुनिया भर में फजीहत करवाया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर का प्रमोशन इसी आशंका की ओर इशारा कर रहा है। पाकिस्तान की ओर से भारत के साथ जबरदस्ती शुरू किए गए संघर्ष में खुद की पिटाई की बात पाकिस्तानी फौज खुद कबूल चुकी है। पाकिस्तान के सत्ताधारी नेताओं के बहके बोल भी साबित कर चुके हैं कि भारतीय सशस्त्र सेना ने जवाबी कार्रवाई में वहां किस तरह से कहर बरपाया है, उसके बावजूद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने जिस तरह से जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोशन देकर सम्मानित किया है, उससे लगता है कि वह पूरी तरह से पाकिस्तानी सेना के कब्जे में हैं। अगर ढाई दशक पहले मुड़कर देखें तो इन्हीं हालातों में एक दिन उनके भाई और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सरकार की भी तख्तापलट किया जा चुका है।

'फील्ड मार्शल बनाने का मकसद हार को छिपाना है' : विश्लेषकों की मानें तो जनरल असीम मुनीर को तरक्की देने की बाध्यता के पीछे पाकिस्तानी सेना की 'हार को छिपाने' की एक कोशिश लग रही है। क्योंकि, भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर में जिस तरह से पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए हैं, उससे मुल्ला मुनीर की छवि को बहुत ज्यादा बट्टा लगा है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रण कौशल सभी सवालों के घेरे में हैं। माना जा रहा है कि यह पदोन्नति मुनीर ने खुद ही अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए ले ली है। पाकिस्तान मामलों के जानकार तिलक देवशर ने एळ से कहा है, फील्ड मार्शल का पद आमतौर पर सैन्य विजय के बाद दिया जाता है। ऐसा लगता है कि यह पहली बार है, जब इसे हार के बाद दिया गया है, ऐसा लगता है कि इसका मकसद हार को छिपाना है।

मुनीर का फील्ड मार्शल बनना उनके लिए क्यों अहम है : असीम मुनीर ने जब से पाकिस्तानी फौज की कमान संभाली है, उनकी मुस्लिम कट्टरता और हिंदू विरोध वाली मानसिकता देखते हुए ऐसा माना जाता रहा है कि वह मुल्क के कुछ गिने-चुने लेकिन, सबसे ताकतवर नेताओं में खुद का नाम शुमार करना चाहते हैं। इनमें भारत के बंटवारे और लाखों लोगों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार मोहम्मद अली जिन्ना, जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज मुशर्रफ जैसे कुख्यात पाकिस्तानी शख्सियतें शामिल हैं। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनने के बाद जनरल मुनीर को एक नई ताकत मिली है। इससे सेना में उनका दबदबा और बढ़ सकता है। फौज में उनके जो विरोधी हैं, उन्हें कुछ समय के लिए जोर का झटका लगा है और फिलहाल के लिए वह पीछे हटने को मजूबर हुए हैं। मुनीर पहले से ही खुद को राष्ट्रवादी दिखाने के लिए धार्मिक उन्माद फैलाने वाली बातें कर रहे हैं। जिस समय पाकिस्तान की आर्थिक हालत बेहद खराब है, कर्ज न मिले तो आटा जुटाने में आफत है, फिर भी वे कश्मीर मुद्दे

को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की दांव लगा रहे हैं। उन्होंने कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए तुर्की, अमेरिका और चीन से भी समर्थन मांगा है।

जनरल मुनीर से पहले पाकिस्तान में कौन बना फील्ड मार्शल : पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से जिस तरह से मंगलवार को अचानक मुनीर के प्रमोशन की बड़ी खबर आई, उसको लेकर कुछ विश्लेषकों को तो यहां तक लग रहा है कि फील्ड मार्शल बनाए जाने का मतलब है कि उन्हें संभावित कोर्ट मार्शल की स्थिति से सुरक्षित कर दिया गया। क्योंकि, भारत के साथ हालिया संघर्ष में कहीं न कहीं सेना के अंदर भी उनकी स्थिति डंवाडोल होने की आशंका पैदा हो रही थी। मुनीर से पहले आजतक सिर्फ एक ही पाकिस्तानी जनरल अयूब खान को फील्ड मार्शल का दर्जा दिया गया था और बाद में वह भी तख्तापलट के माध्यम से पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह बन गए।

क्या एक और तख्तापलट की ओर बढ़ रहा है पाकिस्तान : कुछ समय पहले पाकिस्तान के पूर्व पीएम मियां नवाज शरीफ भी यह बात कबूल कर चुके हैं कि 1999 में हुआ करगिल युद्ध ही तत्कालीन जनरल पाकिस्तानी जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा उनकी सरकार के तख्तापलट का कारण बना। करगिल युद्ध की साजिश जनरल परवेज मुशर्रफ ने लगभग उसी तरह से रची थी, जिस तरह से पहलगाम आतंकी हमले का ताना-बाना बुनने का संदेह जनरल असीम मुनीर पर जताया जा रहा है। मुनीर और पाकिस्तानी सरकार लगातार इन आरोपों से कन्नी काट रहे हैं। करगिल युद्ध के दौरान परवेज मुशर्रफ ने भी यही किया था। लेकिन, 2006 में अपनी किताब 'इन द लाइन ऑफ फायर'फायर में उसने खुद मान लिया कि करगिल युद्ध के पीछे पाकिस्तानी फौज का हाथ था। जबकि, पहले पाकिस्तान भारतीय चौकियों पर चोरी-छिपे कब्जे की अपनी करतूतों से पल्ला झाड़ रहा था। लेकिन, जब भारतीय सेना ने इस युद्ध में पाकिस्तान को बुरी तरह से धूल चटा दिया और जनरल मुशर्रफ पाकिस्तानी जनता और फौज के बीच कमजोर पड़ने लगे तो कुछ ही महीने बाद 1999 के अक्टूबर में नवाज शरीफ सरकार का तख्तापलट कर दिया और पाकिस्तान में मार्शल लॉ लागू कर दिया। असीम मुनीर की करतूतें बता रही हैं कि वह अपने गुरु के ही नक्शे कदम पर चलने की कोशिश कर रहे हैं और इसबार नवाज के भाई शहबाज उनके लिए बलि का बकरा बन सकते हैं।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर के कुटिल इरादे : पिछले साल सितंबर में जनरल मुनीर ने भी सार्वजनिक तौर पर मान लिया था कि करगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना शामिल थी। मुशर्रफ ने जब यह कबूल किया था, तब वह कुछ भी नहीं रह गए थे। लेकिन, मुनीर ने जनरल रहते हुए यह बात मानी है। यह कबूलनामा भी पाकिस्तानी रक्षा और शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आया था। करगिल युद्ध के दौरान भी लगभग वही हालात बन गए थे, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बने। पाकिस्तान अपनी सेना का चेहरा बचाने के लिए खुद मान चुका है कि अमेरिका ने उसपर करगिल की चोटियों से पीछे हटने का दबाव बनाया था। जबकि, शुरू में पाकिस्तानी फौज ने करगिल में लड़ने वालों को निजी 'स्वतंत्रता सेनानी'बताने की कोशिश की थी। इस कार्यक्रम में मुनीर ने जो कुछ कहा था, वह लगभग उसी तरह का था, जो पाकिस्तान के पूर्व सैन्य तानाशाहों में देखने को मिला है। इसमें उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक बहादुर देश है। यहां के लोग आजादी का महत्त्व समझते हैं। वे इसे किसी भी कीमत पर बचाने के लिए तैयार रहते हैं। 1948, 1965, 1971 के भारत-पाक युद्ध हुए। करगिल और सियाचिन में भी लड़ाई हुई। हजारों शहीदों ने देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए शहादतें दीं।

पाकिस्तानी सेना ने मुल्क में कब-कब किया तख्तापलट : क्या पाकिस्तान में सब ठीक है? ये सवाल इसलिए उठ रहा है, क्योंकि देश में पहले भी तीन बार सेना ने तख्तापलट किया है। जनरल अयूब खान ने 1958 में, जनरल जिया-उल-हक ने 1977 में और जनरल परवेज मुशर्रफ ने 1999 में हुकूमत पर कब्जा किया था। अब क्या जनरल मुनीर भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं? जनरल अयूब खान ने राष्ट्रपति इस्कंदर अली मिर्जा हथियारों के दम पर सत्ता छीन ली। इसके बाद 1977 में जनरल जिया-उल-हक ने वही किया। फिर 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की सरकार को तब सत्ता से बेदखल कर दिया, जब वे विदेश दौरे पर श्रीलंका गए हुए थे। इन तख्तापलटों की वजह से पाकिस्तान वर्षों तक मिलिट्री रूल के अधीन रहा है। संयोग से अभी ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान हारा है और पाकिस्तान की सरकार की कमान नवाज के भाई शहबाज शरीफ के हाथों में है!

केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची स्टालिन सरकार

वन पांडेय

तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। यह याचिका समग्र शिक्षा योजना के तहत ?2000 करोड़ से ज्यादा फंड रोके जाने को लेकर है। राज्य सरकार का आरोप है कि उसने नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू नहीं किया, इसलिए केंद्र ने फंड जारी नहीं किया।

याचिका में क्या कहा गया है? : मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि केंद्र सरकार को ?2000 करोड़ से ज्यादा की बकाया राशि तत्काल जारी करने का आदेश दिया जाए। इस रकम पर छह फीसदी सालाना ब्याज के साथ भुगतान किया जाए। केंद्र की तरफ से एनईपी लागू करने के बहाने फंड रोकने की कार्रवाई को 'असंवैधानिक, अवैध, मनमानी और गैर-जिम्मेदाराना' घोषित किया जाए।

एनईपी और पीएम श्री स्कूल योजना बाध्यकारी नहीं- तमिलनाडु : तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ तौर पर कहा है कि एनईपी 2020 और प्रधानमंत्री श्री स्कूल योजना तमिलनाडु पर बाध्यकारी (बाइंडिंग) नहीं हो सकती। केंद्र को 'मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2010' (राइट टू एजुकेशन एक्ट) के तहत अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए हर शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले 60% खर्च की राशि समय पर देनी चाहिए।

हिंदी थोपने का लगाया आरोप : राज्य सरकार ने यह भी आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के जरिए हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से तीन-भाषा फॉर्मूला का विरोध करती रही है और दो टूक कहती रही है कि राज्य में हिंदी नहीं थोपी जा सकती।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का पुराना फैसला? : कुछ समय पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका खारिज की थी, जिसमें तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में तीन-भाषा फॉर्मूला लागू करने की मांग की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि, 'कोई अदालत सीधे किसी राज्य को नई शिक्षा नीति जैसे किसी नीति को लागू करने का आदेश नहीं दे सकती।'कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर किसी राज्य की कार्रवाई से मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा हो, तभी हस्तक्षेप किया जा सकता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वह दिल्ली में रहता है और उसका सीधे कोई लेना-देना इस मुद्दे से नहीं है। नई शिक्षा नीति 2020 केंद्र सरकार द्वारा लाई गई थी जिसमें कई बड़े बदलावों का प्रस्ताव था, जैसे कि 5+3+3+4 शिक्षा ढांचा, मातृभाषा में पढ़ाई को बढ़ावा, तीन-भाषा फॉर्मूला, उच्च शिक्षा में व्यापक सुधार।

क्या तुर्की में कांग्रेस दफ्तर है, अमित मालवीय व अर्नब गोस्वामी पर केस, गोस्वामी ने माफी मांगी

ब्यूरो

कांग्रेस ने बीजेपी के अमित मालवीय और रिपब्लिक टेलीविजन के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन पर कांग्रेस के तुर्की में कार्यालय होने की दुर्भावनापूर्ण गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया गया है। उनके पोस्ट में "विपक्ष के नेता" राहुल गांधी के संवैधानिक पद की मानहानि का भी उल्लेख किया गया। हालांकि कांग्रेस ने जैसे ही पुलिस में शिकायत की, अर्नब गोस्वामी ने माफी मांगकर विवाद से पीछा छुड़ाया। यह शख्स पहले भी विवादों में फंसने पर माफी मांग चुका है। कांग्रेस लीगल सेल ने कहा कि यह पार्टी को बदनाम करने, अशांति भड़काने, राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और लोकतंत्र पर सीधा हमला करने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास था। हम चुप नहीं रहेंगे। सने एक पोस्ट में कहा- यह एक स्पष्ट संदेश हैः हमारी पार्टी या इसके नेतृत्व के खिलाफ फर्जी खबरें फैलाने की किसी भी कोशिश का कड़ा कानूनी और राजनीतिक जवाब दिया जाएगा। अपनी शिकायत में, कांग्रेस ने कहा कि मालवीय और गोस्वामी ने एक फर्जी दावा फैलाया कि तुर्की के इस्तांबुल कांग्रेस सेंटर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कार्यालय है। यह कृत्य स्पष्ट और निर्विवाद रूप से आपराधिक इरादे के साथ किया गया था ताकि भारतीय जनता को धोखा दिया जाए। एक प्रमुख राजनीतिक संस्थान की मानहानि की जाए, राष्ट्रवादी भावनाओं में हेरफेर किया जाए, जन अशांति भड़काई जाए, और राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक अखंडता को कमजोर किया जाए। उन पर जानबूझकर और आपराधिक रूप से प्रेरित अभियान का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से गलत जानकारी फैलाई गई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तुर्की के समर्थन के बाद से देश में जनता का मूड तुर्की के खिलाफ वैसे भी बहुत खिलाफ चल रहा है। इन दोनों माहौल को भुनाने और उसका रुख कांग्रेस की ओर मोड़ने की खतरनाक कोशिश की। एक पत्रकार पर सत्य बताने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन अर्नब गोस्वामी तो सफेद झूठ फैला रहे थे। तुर्की में दूर-दूर तक कांग्रेस दफ्तर नहीं और वहां भारत की प्रमुख विपक्षी पार्टी का दफ्तर बताकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। तुर्की के खिलाफ भारत में ऐसा माहौल है कि वहां घूमने जाने वालों ने अपनी बुकिंग रद्द की है। देश के तमाम विश्वविद्यालयों ने तुर्की के शिक्षण संस्थानों के साथ कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। भारत में काम कर रही तुर्की की फर्मों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। सेलेबी के 2700 कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि यह सुनियोजित अभियान केवल एक नैतिक चूक नहीं है, बल्कि एक जानबूझकर किया गया आपराधिक षड्यंत्र है, जिसे जनता को नुकसान पहुंचाने, राष्ट्र को अस्थिर करने और पक्षपातपूर्ण एजेंडों को बढ़ावा देने के लिए पूर्व नियोजित रूप से अंजाम दिया गया। आरोपियों ने अपनी प्रभावशाली स्थिति का दुरुपयोग किया है। मालवीय ने एक प्रमुख राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में और गोस्वामी ने एक प्रमुख मीडिया हस्ती के रूप में-सत्य, जन सुरक्षा और राष्ट्रीय हित पर गंभीर हमला किया है। अमित मालवीय और अर्नब गोस्वामी का यह नया कारनामा नहीं है। दोनों पर कांग्रेस पार्टी ने पहले भी झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। अर्नब गोस्वामी के चैनल पर तो बॉलीवुड को लेकर भी तमाम झूठ फैलाए गए।

हिमंत-आईएसआई के निमंत्रण पर पाक गए थे गोगोई कांग्रेस नेता - '500 रुपये के बीजेपी ट्रोल जैसे'

ब्यूरो

> गौरव गोगोई ने सरमा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'बी ग्रेड फिल्म की स्क्रिप्ट से भी बदतर' बताया। उन्होंने कहा कि सरमा उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही उन पर झूठे और निराधार आरोप लगा रहे हैं। गोगोई ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'आप एक मुख्यमंत्री हैं। आपके और 500 रुपये के बीजेपी ट्रोल में कुछ तो अंतर होना चाहिए। जो बातें सोशल मीडिया पर सस्ते ट्रोल फैलाते हैं, वही बातें आप कह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'सरमा के 99% दावे झूठे, हास्यास्पद और बकवास हैं। गोगोई ने यह भी सवाल उठाया कि यदि सरमा के पास कोई ठोस सबूत हैं तो वे उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, 'सरमा इसे सार्वजनिक नहीं करना चाहते और इसके पीछे एक कारण है। कारण यह है कि उनके सभी दावे झूठे हैं।

असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच फिर से तकरार बढ़ गई है। हिमंत सरमा ने गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि गोगोई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर वहां गए थे और वहां प्रशिक्षण लिया था। सरमा के आरोपों को गौरव गोगोई ने निराधार, हास्यास्पद और बकवास करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने सरमा की तुलना '500 रुपये के बीजेपी ट्रोल' से की। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत सरमा ने हरियाणा के उस यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का जिक्र किया जिसे कथित तौर पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'ज्योति मल्होत्रा और अन्य लोगों का अपराध इसके सामने कुछ भी नहीं है। अगर यह जासूसी नहीं है, तो फिर क्या है? फिर वह (गौरव गोगोई) वापस लौटे और राफेल डील का विरोध किया। असम सीएम ने एक सार्वजनिक बयान में दावा किया कि जोरहाट से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने 15 दिनों तक पाकिस्तान की यात्रा की थी। सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि गोगोई ने वहां आईएसआई के साथ संबंध स्थापित किए और उनकी पत्नी एलिजाबेथ के भी इन तथाकथित गतिविधियों से संबंध हैं। सरमा ने कहा, 'श्री गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे और लौटकर उन्होंने राफेल खरीद का विरोध किया था। अगर मेरा एक भी शब्द ग़लत साबित हो जाए तो मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। इसके अलावा सरमा ने यह भी कहा कि फ़रवरी में गठित एक विशेष जाँच दल यानी एसआईटी इन कथित 'आईएसआई संबंधों' की जाँच कर रहा है और इसके निष्कर्ष 10 सितंबर को सार्वजनिक किए जाएंगे। हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले भी गोगोई पर आरोप लगाया था कि उन्होंने संसद में ऐसे सवाल उठाए जो 'पाकिस्तानी सेना की मदद' करने वाले थे।

गोगोई का तीखा पलटवार : गौरव गोगोई ने सरमा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'बी ग्रेड फिल्म की स्क्रिप्ट से भी बदतर' बताया। उन्होंने कहा कि सरमा उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही उन पर झूठे और निराधार आरोप लगा रहे हैं। गोगोई ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'आप एक मुख्यमंत्री हैं। आपके और 500 रुपये के बीजेपी ट्रोल में कुछ तो अंतर होना चाहिए। जो बातें सोशल मीडिया पर सस्ते ट्रोल फैलाते हैं, वही बातें आप कह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'सरमा के 99% दावे झूठे, हास्यास्पद और बकवास हैं। गोगोई ने यह भी सवाल उठाया कि यदि सरमा के पास कोई ठोस सबूत हैं तो वे उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, 'सरमा इसे सार्वजनिक नहीं करना चाहते और इसके पीछे एक कारण है। कारण यह

है कि उनके सभी दावे झूठे हैं। गोगोई ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि वह और उनकी पत्नी निर्दोष हैं और इन आरोपों का कोई आधार नहीं है। सरमा और गोगोई के बीच लंबे समय से व्यक्तिगत और राजनीतिक तनातनी है। पहले कांग्रेस में रहे हिमंत बिस्वा सरमा 2015 में बीजेपी में शामिल हो गए थे। असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई फिलहाल जोरहाट से सांसद हैं और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में से एक हैं। दोनों नेताओं के बीच पहले भी कई बार तीखी बयानबाजी हो चुकी है। इससे पहले सरमा ने गोगोई पर आरोप लगाया था कि उन्होंने राफेल डील का विरोध करके और संसद में कुछ सवाल उठाकर राष्ट्रीय हितों के ख़िलाफ़ काम किया है। गोगोई ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सरमा का मक़सद केवल उनकी छवि को धूमिल करना और राजनीतिक लाभ लेना है। इस ताज़ा विवाद ने असम की राजनीति में हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर तीखी बहस छिड़ गई है। कुछ यूजरों ने सरमा के दावों का समर्थन करते हुए गोगोई पर देशद्रोही होने का आरोप लगाया, जबकि अन्य ने गोगोई का पक्ष लेते हुए सरमा पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में गोगोई का समर्थन किया है और सरमा के बयानों की निंदा की है। पार्टी के प्रवक्ताओं ने इसे बीजेपी की विभाजनकारी रणनीति बताया है जिसका उद्देश्य असम में कांग्रेस के प्रभाव को कम करना है। इस विवाद ने भारत-पाकिस्तान के बीच संवेदनशील मुद्दों को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। सरमा द्वारा गठित एसआईटी की जांच के निष्कर्ष सितंबर में सामने आने की संभावना है। जाँच के ये निष्कर्ष इस मामले में निर्णायक हो सकते हैं। हालाँकि गोगोई ने साफ़ कर दिया है कि वह इन आरोपों का क़ानूनी और राजनीतिक रूप से जवाब देंगे। माना जा रहा है कि यह विवाद असम की राजनीति में और गहरा प्रभाव डाल सकता है। ऐसा इसलिए भी कि 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनाव में इस विवाद को भुनाए जाने के आसार हैं। यह भी संभावना है कि यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बने, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक जवाबदेही जैसे मुद्दों को छूता है। हिमंत बिस्वा सरमा और गौरव गोगोई के बीच यह ताज़ा विवाद न केवल व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित है, बल्कि यह भारत की क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति में काफ़ी ज़्यादा असर डाल सकता है। जहाँ सरमा अपने दावों को साबित करने के लिए जाँच के निष्कर्षों का इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं गोगोई ने इसे बीजेपी की 'गंदी राजनीति' बताकर खारिज कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. अम्बेडकर पुस्तकालय में सिविल सेवा परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए विशेष कक्षा का आयोजन किया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

[देवघर]: सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए Udaan IAS Academy, Ranchi द्वारा एक विशेष कक्षा का आयोजन डॉ. अम्बेडकर पुस्तकालय,देवघर में किया गया। इस विशेष सत्र में संस्थान के शिक्षक अभिषेक झा द्वारा सिविल सेवा प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा की रणनीति, उत्तर लेखन कौशल और समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की गई। छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें अभ्यर्थियों ने सिविल सेवा के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रश्न किया। उड़ान ias academy के शिक्षक ने बताया, इस पहल का उद्देश्य योग्य छात्रों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, ताकि वे देश की सर्वोच्च सेवाओं में स्थान प्राप्त कर सकें। इस कक्षा के दौरान संस्थान के निदेशक और झारखण्ड के प्रसिद्ध शिक्षक अरुण अग्रवाल ने भी अभ्यर्थियों से फोन पर बात की और बहुत जल्द पुस्तकालय आने की बात की, और सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसार पर डॉ अम्बेडकर पुस्तकालय के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कन्हैया राम जी, सैकड़ो की संख्या में प्रतियोगिता परीक्षाओं कि तैयारी वाले अभ्यर्थी एवं पुस्तकालय के सभी सहायक उपस्थित रहे ।

मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन परिषर में अतिक्रमण के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया

मंडरो: साहिबगंज रेलवे प्रशासन ने मिजाचौकी स्टेशन प्रबंधक अनिल वर्मा के उपस्थिति में मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन की जमीन को करवाया अतिक्रमण मुक्त। एक नंबर प्लेटफार्म के फूट ओभर ब्रिज के निकट बसा था अवैध रूप से एक परिवार। वही घर से परिजनों को भगाया और घर को जमींदोज किया।तीन नम्बर रेलवे लाइन के किनारे संचालित चाय पानी सहित मिठाई और नाई की दुकान को पीछे करवाया। रेलवे फाटक पर सियाराम चौधरी की पान की दुकान को हटवाया। वही बताया गया की तीन नंबर रेलवे लाइन किनारे नया टोला गांव में रेलवे की जमीन की कि आंकलन।जल्द ही नया टोला गांव में अतिक्रमण मुक्त को लेकर प्रशासन का चलेगा डंडा । स्थानीय लोगों के द्वारा रेलवे की जमीन पर बनवाया गया है घर को, प्रशासन द्वारा तुड़वाने की कवायद होगी जल्द शुरू।

स्व दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर विधायक ने किया माल्यार्पण, दी श्रद्धांजलि

मंडरो: झारखंड को बिहार से अलग राज्य बनाने के संघर्ष में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले स्व दुर्गा सोरेन की 15वी पुण्यतिथि मंडरो में बोरियो विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन के नेतृत्व में जेएमएम सदस्यों के साथ श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। बोरियो विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन, जेएमएम जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा समेत अन्य जेएमएम सदस्यों ने स्व दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। वही बोरियो विधानसभा विधायक धनंजय सोरेन ने कहा की दादा दुर्गा सोरेन का जीवन हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। झारखंड राज्य आंदोलन के महान योद्धा समाजसेवी और क्रांतिकारी स्वर्गीय दुर्गा सोरेन को उनकी पुण्यतिथि पर शत-शत नमन ।उनके जीवन संघर्ष समर्पण और सेवा की मिसाल रहा है ।वह सदैव गरीबों वंचितों आदिवासियों और शोषितों की आवाज बन रहे। झारखंड राज्य की स्थापना में उनका योगदान अमिट है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी विचारधारा और सिद्धांत आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा है। मौके पर सुबोध सोरेन, हीरा यादव, राजकुमार मिश्रा उर्फ संटी मिश्रा समेत अन्य जेएमएम सदस्य मौजूद थे।

साथी अभियान : एक भी बच्चा न छूटे, कानूनी पहचान की ओर कदम कार्यक्रम का आयोजन

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर साहेबगंज जिले में ह्यसाथीह्न अभियान की तैयारियाँ जोरों पर हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन और सचिव विश्वनाथ भगत के नेतृत्व में यह पहल निराश्रित एवं असहाय बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शुरू की गई है।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली द्वारा प्रारंभ इस अभियान के तहत 26 मई से 26 जून 2025 तक एक माह का सघन पहचान अभियान चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य ऐसे बच्चों की पहचान कर उनका आधार पंजीकरण कराना और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ना है।इस अभियान के समन्वित क्रियान्वयन हेतु 'साथी जिला समिति' का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता विश्वनाथ भगत कर रहे हैं। समिति में महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधार पंजीकरण पदाधिकारी, बालगृहों के प्रतिनिधि, अधिवक्तागण और पीएलवी सदस्य शामिल हैं। हाल ही में आयोजित एक बैठक में पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार कुश्वाहा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी के प्रतिनिधि संजय कुमार तिवारी, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि एस.एस.सी. हांसदा सहित पैनल अधिवक्ता एवं पीएलवी ने भाग लिया। बैठक में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें समिति के सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि अभियान का प्रचार-प्रसार प्रखंड और तालुका स्तर तक किया जाएगा ताकि कोई भी पात्र बच्चा इससे वंचित न रहे।ह्यसाथीह्न अभियान बच्चों को न सिर्फ कानूनी पहचान दिलाने का माध्यम है, बल्कि उनके सुरक्षित, सशक्त और गरिमामय भविष्य की नींव भी है।

देवघर जिला कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीयव्यापी अभियान कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली का किया गया आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर जिला कांग्रेस द्वारा राष्ट्रव्यापी अभियान कार्यक्रम तहत जिला स्तरीय ॠसंविधान बचाओ रैलीॠ का आयोजन देवघर शहर के आर.एन. बोस लाइब्रेरी परिसर में किया गया। इस रैली में पार्टी के कई शीर्ष नेताओं ने भाग लिया और केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार पर संविधान से छेड़छाड़ करने तथा उसे बदलने का प्रयास का गंभीर आरोप लगाया। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने संबोधन में कहा कि कांग्रेस ने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी,लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम करने के लिए संविधान दिया,आज उस संविधान के पन्नों के साथ केंद्र की मोदी सरकार द्वारा छेड़छाड़ किया जा रहा है, उसे नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसा कांग्रेस कदापि होने नहीं देगी। संविधान हमें मौलिक अधिकार के साथ स्वतंत्रता एवं न्याय का अधिकार देता है,हर व्यक्ति को समानता का अधिकार मिला है। ऐसे में संविधान की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। इस देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में पूज्य बापू, पंडित नेहरू,सुभाष चंद्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महापुरुषों की संघर्ष का परिणाम है। देश की आजादी में रस एवं भारतीय जनता पार्टी के किसी भी सदस्य ने एक बूंद खून नहीं बही नहीं इस आंदोलन में कभी हिस्सा लिया बदले अंग्रेजों की चाटुकारिता करते रहे उनके मुख विधि करते रहे। 58 वर्षों तक अपने कार्यालय में कभी तिरंगा नहीं लहराया। जिन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को जिन्होंने देश में अमन चैन और आजादी की नींद हमें दी उन्हें भी नाथूराम गोडसे के द्वारा हत्या कराया गया। आजादी के बाद संविधान निर्माण में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं मसौदा समिति के सभापति डॉ भीमराव अंबेडकर बने। संविधान निर्माण में झारखंड के कई महापुरुषों के साथ इस देवघर की माटी के लाल पंडित विनोदानंद झा जी का भी योगदान रहा है,आज मैं उनका भी नमन करता हूँ । लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि राज्यसभा में देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हमारे संविधान रचयिता डॉ भीमराव अंबेडकर पर बेहद अपमानजनक एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किया जाता है। आज केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संविधान में छेड़छाड़ करने के साथ संवैधानिक संस्थाओं को भी कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। इलेक्शन कमीशन,प्रवर्तन निदेशालय, इनकम टैक्स जैसे संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करते हुए उसका दुरुपयोग भी कर रही है। इसलिए आज देशवासियों को यह संदेश घर-घर तक पहुंचाने का काम है कि हमारे लोकतंत्र को जीवित रखने एवं अपने अधिकार बरकरार रखने के लिए, संविधान की रक्षा करने की जरूरत है। आज राहुल गांधी सड़क से सदन तक संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संविधान के अधिकार के तहत आज संथाल परगना में एस.पी.टी. एक्ट का अधिकार मिला है। इस अधिकार के साथ एससी,एसटी,अल्पसंख्यक, पिछड़ों गरीबों का आरक्षण को भी यह सरकार छिनने का प्रयास कर रही है। कर्नाटक के बेलगांव में कांग्रेस के विस्तारित बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के द्वारा दो अहम निर्णय लिए गए थे, पहला 2025 का वर्ष संगठन सृजन का होगा,वहीं दूसरा संविधान एवं देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए जय बापू,जय भीम,जय भीम कार्यक्रम आंदोलन के रूप में चलाया जाएगा,जो राज्य स्तर पर,जिला स्तर पर, विधानसभा स्तर पर रैलियां निकाली जाएगी तत्पश्चात हर घर एवं हर व्यक्ति तक यह संदेश घर-घर तक पहुंचाया जाएगा कि आज हमारे संविधानको बदलने का प्रयास किया जा रहा है, उसके साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। इसकी रक्षा करने के लिए तमाम देशवासियों को आगे बढ़ना होगा। वहीं उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को एससी,एसटी, अल्पसंख्यक,पिछड़ा एवं गरीबों की आरक्षण के लिए तथा आदिवासी भाई बहनों के सरना धर्म कोड जैसे मांगों को लेकर राजभवन का घेराव

किया जाएगा। जिसमें भारी संख्या में हर जिले से पार्टी के नेता, कार्यकर्ता एवं समर्थक भारी संख्या में इकट्ठा होंगें । उसके बाद यह कार्यक्रम निरंतर चलता रहेगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं झारखंड के सह प्रभारी सिरिबेला प्रसाद ने कहा कि आज हमारे जननायक राहुल गांधी ने वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के 12 वर्ष के शासनकाल में देखा कि केंद्र सरकार निरंतर अपने हित के लिए संविधान में आम लोगों के लिए दिए गए हक एवं अधिकार को समाप्त करने का काम कर रही है।इसके लिए भारतीय संविधान के मूल्यों को नष्ट किया जा रहा है। ऐसे में हमें पार्टी द्वारा निर्देशित सारे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हुए संविधान की रक्षा की लड़ाई में देश के हर एक घर एवं परिवार के लोगों को संदेश पहुंचाते हुए इस मुहिम में शामिल कराना है। जब संविधान बचेगा तभी देश बचेगा। उसके लिए सभी पार्टी के नेता एवं कार्यकताओं को कड़ी संघर्ष करनी पड़ेगी। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि वर्तमान में केंद्र की मोदी सरकार अपने चंद पूंजीपतियों मित्रों के लिए नित नए नियम बनाकर गरीबों के हक एवं अधिकार को हड़पने का प्रयास कर रही है। आज अडानी को कोयले के खदान दिए जा रहे हैं गरीब मजदूरों की जमीन को ओने-पोने भाव में उन्हें अपना व्यापार बढ़ाने के लिए दिया जा रहा है। गोड्डा में अडानी पावर प्लांट में किसानों की जमीन ली गई। यहां के कोयले खदान दिए गए और सारी बिजली बांग्लादेश को दिया जाता है। एक छटाक झारखंड को बिजली नहीं मिलता है। इसकी लड़ाई हम लड़ रहे हैं। हमारे नेता राहुल गांधी की हर बात आज सच साबित हो रही है और उनके संघर्ष बेहतर रंग ला रहे हैं। संविधान में दिए गए सभी जाति वर्गों के आरक्षण की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनके जाति जनगणना कराने के आंदोलन के सामने केंद्र सरकार को झुकना पड़ा और जाति जनगणना की स्वीकृति देनी पड़ी। गत दिनों देश के पहलगाम में आतंकी घटना घटी ,हमारे नेता राहुल गांधी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे जी के साथ पूरा विपक्ष ने सरकार को एक मत समर्थन दिया ताकि आतंकवाद का खत्मा हो सके। लेकिन दुख की बात है कि हमारे सेना का पराक्रम से आतंकवादियों पर की जा रही कार्यवाही को रोकने का निर्देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा मिलता है। ऐसी स्थिति में पूरा देश फिर से कांग्रेस को याद कर रहा है, इंदिरा गांधी को याद कर रहा है। आगे प्रदीप यादव ने कहा कि संविधान से छेड़छाड़ लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है और कांग्रेस इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी मैं संबोधन में कहा कि हमारे देश की रक्षा,संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा कांग्रेस और राहुल गांधी के अलावा कोई नहीं कर सकता है। देश की आजादी कांग्रेस ने दिलाई,संविधान कांग्रेस ने दिया और इसकी रक्षा भी कांग्रेस करेगी। इसके लिए हमारे कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता मर मिटने को तैयार है। आगे उन्होंने अपने स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए बेहतर कार्यों को गिनाया और उन्होंने बताया कि देवघर जिला के पुराने सदर अस्पताल को ट्रामा सेंटर बनाने का आदेश दिया गया।ये यहां की लंबी मांग थी, देवघर विधायक सुरेश पासवान ने भी प्रस्ताव दिया है। देवघर में एक सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के साथ बहुत जल्द मेडिकल कॉलेज दिया जाएगा और स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। आगामी श्रावणी मेला में स्वास्थ्य विभाग का बेहतर व्यवस्था रहेगी। कांवरिया बंधु के स्वास्थ्य संबंधी हर खर्च स्वास्थ्य विवाह उठाएगी। प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने भी इस संविधान की सुरक्षा के लिए कांग्रेस के हर सिपाही को आगे बढ़ने और इसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इनके अलावे पूर्व सांसद फुरकान अंसारी,पूर्व सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बालमुचू,पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख,जिला के पर्यवेक्षक अजय दुबे ने भी मुख्य रूप से संबोधित किया एवं कार्यकताओं में जोश भरे। सभी नेताओं ने अपने संबोधन में रैली को सफल बताते हुए जिला कांग्रेस कमेटी को बधाई दी।नेताओं ने एक स्वर में कहा कि केंद्र की मोदी सरकार संविधान को कमजोर करने और बदलने की साजिश रच रही है। *रैली में भाग लेने के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, सह प्रभारी सिरिबेला प्रसाद, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की एवं पूर्व सांसद प्रदीप बालमुचू ने अंबेडकर चौक स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी,टावर चौक स्थित राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। तदुपरांत कार्यक्रम परिसर में स्थित स्वामी विवेकानंद एवं सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि, साथ ही कार्यक्रम स्थल पर पहूंचते ही देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी के शहादत दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान एवं बलिदान को याद किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक भारत के निमार्ता, सूचना एवं प्रौद्योगिकी तंत्र के जनक,पंचायती राज व्यवस्था के संस्थापक एवं युवाओं के प्रेरणा स्रोत राजीव गांधी को हम याद कर उन्हें शत-शत नमन करते हैं।* रैली में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश,बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष डॉ.मुन्नम संजय, मणिशंकर ,जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल,अवधेश प्रजापति,शबाना खातून, नागेश्वर सिंह, फैयाज केशर,राजेंद्र दास, कुमार राज,मीणा तुरी, नित्यानंद सेवक, मो बैलालुद्दीन,उपेंद्र राय रवि वर्मा,नगर अध्यक्ष रवि केसरी,ओम प्रकाश यादव, अमित पांडेय, सुधीर देव,रवि गुप्ता,मकसूद आलम, धर्मेंद्र सिंह, मो नसीम, प्रियांशु, अटल मिश्रा, गुलाब यादव, हेमंत चौधरी,प्रदीप नटराज,सुभाष मंडल,डॉ सिराज अंसारी,गोल्डी खान,मो श्याम,राजीव कुमार, नरेश यादव,संजीव चौधरी,पारस यादव,जयशंकर शरण,अमेरिका यादव, नजाबुल अंसारी,कृष्णा पास्वान, सौरभ दास,रामाकांत कुमार,राजा, अनुपलाल, चंदन, प्रीतम भारद्वाज,आदर्श केसरी, राजा साहिल,राजन,शैफ दानिश, नूनू खान,सिराज अंसारी, सूरज सिंह आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम की सफलता पर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय एवं जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने देवघर जिला कांग्रेस कमिटी के सभी सम्मानित नेताओं, पदाधिकारियों,सदस्यों, कार्यकताओं,सभी प्रखंड,नगर, मंडल,पंचायत अध्यक्षों, सभी अग्रणी मोर्चा संगठन के जिला अध्यक्षों के साथ तमाम कार्यकताओं और समर्थकों को कार्यक्रम की सफलता पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सभी के अथक प्रयास एवं सहयोग से बहुत ही कम समय में यह कार्यक्रम सफल कराया। आपकी उपस्थिति जोरदार रही इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

चित्रांजलि कला समर कैंप: रचनात्मकता और रंगों से सजा बच्चों का सफर का आयोजन देवघर मे

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर:-गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मकता और रंगों से भरपूर बनाने के उद्देश्य से चित्रांजलि ग्रुप द्वारा ह्यकला समर कैंपह्न का आयोजन आर.एन. बोस लाइब्रेरी में किया गया। यह तीन दिवसीय शिविर 21 से 23 मई तक आयोजित किया जा रहा है। इस कैंप का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुधा पांडेय,मार्कण्डेय जजवाड़े,पिनाकी चक्रवर्ती और रजत मुखर्जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिथियों ने बच्चों की कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिलता है। कला न केवल बच्चों की रचनात्मकता को विकसित करती है,बल्कि उनमें आत्मविश्वास,अनुशासन और सोचने की क्षमता को भी बढ़ावा

देती है। चित्रांजलि ग्रुप का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अंदर छिपी कलात्मक प्रतिभा को उजागर करना और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपनी कल्पनाओं को स्वतंत्रता के साथ रंगों और रेखाओं के माध्यम से व्यक्त कर सकें। इस शिविर में बच्चों को चित्रकला,रंग संयोजन,हस्तकला,और रचनात्मक अभिव्यक्ति जैसे विषयों में मार्गदर्शन दिया जा रहा है।चित्रांजलि ग्रुप में मधुमिता दासगुप्ता,प्रेम कुमार,माधव शर्मा,सुंदरम दे,प्राची प्रिया,आस्था, राजवीर,सत्यम,अमर,काजल और वैष्णवी राज जैसे समर्पित कलाकार शामिल हैं,जो इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह समर कैंप न केवल बच्चों के लिए एक प्रेरणादायक अनुभव है, बल्कि कला और संस्कृति को समाज में बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास भी है।

तेज आंधी ने किसान का घर किया क्षतिग्रस्त, हुआ बेघर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत रामूडीह पंचायत के कपसिया गांव में एक किसान का घर से तेज आंधीझतूफान के कारण पूरे घर का अल्बेस्ट्स उड़ा दिया। जानकारी हो कि कपसिया निवासी रंजीत मरिक का मिट्टी व ईंट का दिवाल और अल्बेस्ट्स का छावनी एक कमरा और एक बरामदा था। जिसे तेज आंधीझतूफान आने से उड़ा दिया। जिससे घर काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके कारण आंधी के बाद हुई मूसलाधार बारिश का पानी घर में घुस गया। जिसके कारण घर

में रखा अनाज, कपड़ा आदि बर्बाद हो गया। अब उसके पास रहने का कोई घर नहीं है और किसी तरह अस्थाई छावनी बनाकर गुजरझबसर कर रहे हैं। इस बाबत अंचलाधिकारी खोपलाल राम ने बताया कि अंचल कार्यालय में पीड़ित का आवेदन प्राप्ति के पश्चात जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला भेजा जाएगा। ताकि उस पीड़ित को सरकारी लाभ दिलाया जा सके।

निदेशक, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की अध्यक्षता में हुई बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ समाहरणालय स्थित सभागार में निदेशक, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार श्री देव शंकर की अध्यक्षता में आधारभूत दूरसंचार संरचना के विकास के हेतु संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सुदूर दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या एवं मोबाइल टावर लगाने को लेकर चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि बीते विधानसभा चुनाव में शैडो एरिया की मैपिंग में 3 स्थान चिन्हित किए गए थे। वही निदेशक दूरसंचार विभाग ने कहा कि पाकुड़ जिले में पांच स्थान ऐसे हैं जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं है। निदेशक श्री देव शंकर ने समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग एवं आपूर्ति विभाग के पदाधिकारी को शैडो एरिया के संबंध में समेकित सूची समर्पित करने का निर्देश दिया गया ताकि किसी स्थान को लेकर दोहराव नहीं हो तथा शैडो एरिया की वास्तविक पहचान हो सके। निदेशक, दूरसंचार विभाग ने कहा कि पाकुड़ जिला आकांक्षी जिला के रूप में चिन्हित है तथा भारत सरकार आकांक्षी जिले में आधारभूत दूरसंचार संरचना के सतत विकास को लेकर प्रयासरत है। उन्होने बीएसएनएल एवं निजी कंपनी के प्रतिनिधियों को शैडो एरिया में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को दूर करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि दूरसंचार सुविधा मुहैया कराने के लिए विभाग हर संभव मदद देने के लिए तत्पर है, जरूरत है कि समस्याओं को चिन्हित कर सकारात्मक कार्रवाई किया जाय। तत्पश्चात लाभुकों के बीच परिसम्पतियों का वितरण किया गया जिसमें बच्चों का अन्नप्राशन, सेविकाओं को मोबाइल वितरण एवं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) के लाभुकों के बीच चाभी देकर शुभ गृह प्रवेश, मनरेगा जॉब कार्ड वितरण, कालाजार से ठीक हुए लाभुकों के बीच कालाजार कीट का वितरण किया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, एडीजी विशाल साह,परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल एवं विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रशासक नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी एवं डीपीओ यूआईडी रितेश कुमार, पीएमयू के सदस्य उपस्थित रहे।

डीपीआरओ के द्वारा 15 वें वित्त आयोग से संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 15 वें वित्त आयोग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में जिला परिषद सदस्य, सभी प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया गण, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंताओं के साथ बैठक की गई जिसमें अपूर्ण योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया एवं गुणवत्ता में ध्यान देने की बात कही गई। सभी कनीय अभियंता को जिले के सभी स्कूल में जाकर शौचालय का जांच कर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध करने हेतु निर्देश दिया गया ताकि शौचालयों की मरम्मत्ती की जा सके। साथ ही सरकारी योजनाओं/ परिसंपत्तियों के संरक्षण करने हेतु लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया गया।

खनन नियमों के धजिया उड़ाकर सीसीएल कर रही उत्खनन व कोल ढुलाई

कोल वाहन से कुचले गये युवक की हुई घटनास्थल में हीं दर्दनाक मौत

दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो, कुन्दन पासवान

टंडवा प्रखंड क्षेत्र में कोल वाहनों से हो रहे वीभत्स सड़क हादसे लोगों को झकझोर कर रख दिया है। बुधवार को टंडवा - सिमरिया मुख्य सड़क किनारे स्थित बिंगलात में पेट्रोल पंप के ठीक सामने आम्रपाली कोल परियोजना से लेकर राजधार साइडिंग जा रही अडानी कोल कंपनी से कार्य कर रहे समृद्धि एंटरप्राइजेज कोल कंपनी की कोयला लदे तेज रफ्तार हायवा जेएच 02 बीपी 8402 ने मोटरसाइकिल पर दो सवारों को बुरी तरह से रौंद दिया जिससे आम्रपाली परियोजना क्षेत्र के कुमडांग कला निवासी 28 वर्षीय गणेश प्रजापति पिता स्व जगन्नाथ प्रजापति की मौके पर हीं दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कुमडांग कला के 24 वर्षीय दीपक उर्फ छोटू ओझा पिता रामप्रवेश उर्फ दुःखन ओझा को परिजनों द्वारा गंभीरावस्था में रांची ले जाया गया जहां रामप्यारी अस्पताल में इलाज हो रहा है। बताया गया कि उक्त घटना दिन में लगभग 12 बजे ड्यूटी के बाद मृतक दोस्त के अपने साथ घर जा रहा था। घटना की जानकारी मिलते हीं परिजनों के करुण चित्कार से मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। बताया गया कि मृतक गणेश की शादी पांच वर्ष पूर्व हुई थी जिससे ढाई साल का एक बेटा है एवं उसकी पत्नी आठ माह की गर्भवती भी है। जानकारी के अनुसार मृत युवक पीएनएम कंपनी में डीजल टैंकर चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण किया करता था। आसपास के सैंकड़ों ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुवे कोल वाहनों का परिचालन ठप कर दिया जो समाचार लिखे जाने तक जारी था।

मांग का सिंदूर छीनने वालों पर हो अब ठोस कार्रवाई

पिछले लगभग एक दशक से जिस तरह कोयलांचल की सड़क कोल वाहनों से लहूलुहान होता रहा है उसे देखकर लगता है की शीघ्र हीं लोगों के सब्र का बांध अब टूट जायेगा। सांसद, विधायक समेत तमाम प्रशासनिक अधिकारियों से आतंक और दहशत पर विराम लगाने की अपील की जा रही है।

मृतक के आश्रितों को 25 लाख मुआवजा दे ट्रांसपोर्टर: विधायक उज्जवल दास

सिमरिया विधायक उज्जवल दास ने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुवे ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों से अविलंब 25 लाख रुपए व घायल व्यक्ति के समुचित इलाज कराने की मांग की है। बहरहाल, देर शाम तक बूंदाबांदी बारिश में भी भीगकर ग्रामीण रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर बैठे हुवे थे।

ग्रामीणों ने जबाबदेह लोगों पर लगाया संवेदनहीनता का आरोप

कुमरांग खुर्द निवासी राजेंद्र प्रसाद ने परियोजना प्रबंधन, प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधियों पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुवे कहा कि क्या वजह है कि कोल वाहन से अबतक हजारों लोगों का सड़क हादसे में वीभत्स मौत होने के बावजूद भी सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तरी क्षेत्र जिला परिषद सदस्य देवंती देवी ने बताई कि आम्रपाली कोल परियोजना में उत्खनन कार्य कर रही कंपनी व सीसीएल की आदेश पर नियमों को तक में रखते हुए कोल खनन कार्य की जा रही है, राजधानी रांची पब्लिक सड़क टंडवा अंचल स्थित जो चतरा जिला मुख्यालय जोड़ती है जो पब्लिक सड़क समीप कोल उत्खनन तथा पब्लिक सड़कों में ट्रांसपोर्टिंग की जा रही है। जिसकी शिकायत स्थानीय व्यक्तियों के द्वारा खनन विभाग एवंम् खान सुरक्षा विभाग रांची तथा संबंधित अन्य विभाग को शिकायत कर जांच की मांग की गई थी परंतु जांच सिर्फ पेरो में सिमट कर रह गया है। वहीं गोपाल ओझा ने मौत के बाद शर्मनाक तरीके से मोलभाव कर असमान मुआवजा वितरण किये जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। घटनास्थल पर टंडवा अंचल विजय कुमार दास व टंडवा पुलिस मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने बुझाने में लगे हैं। मौके पर घटनास्थल में मुखिया पति गोपाल महतो ने कोल ट्रांसपोर्टिंग अनिश्चितकालीन बंद करने के लिये आमलोगों का आह्वान किया है। इस मौके पर धीरेन्द्र प्रजापति,जीवन सिंह, महेंद्र साव, विक्रम ठाकुर, रामाशीष प्रजापति,नरेश प्रजापति, रंजीत प्रजापति समेत कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ शहर वासियो को इस गर्मी में बड़ी राहत, सभी वाटर एटीएम दुरुस्त

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

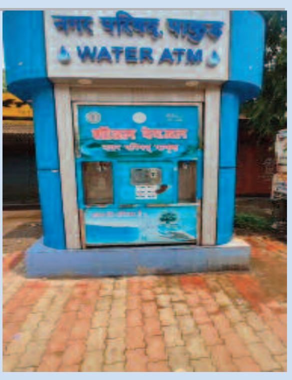

पाकुड़ःपाकुड़ शहर में संचालित सभी वाटर एटीएम को जिला प्रशासन के प्रयास से ठीक करा लिया गया है। वर्तमान में सभी वाटर एटीएम सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं क जिसका उपयोग आमजन द्वारा किया जा हैं। एड नगर परिषद ने कहा कि इसमें सभी जन प्रतिनिधियों एवम प्रिंट सह एलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथियों का भरपूर सहयोग रहा है ! साथ ही नालियों की साफ सफाई, रेगुलर फोगिंग जिससे मच्छर ना पनपे, शहरी रंग रोगन, रोड इत्यादि की मैंटेनांस, स्कूल परिसर के आसपास साफ सफाई निरंतर कराई जा रही

50 किसानों का दल भ्रमण व प्रशिक्षण के लिए सबौर रवाना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःआत्मा पाकुड़ से पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह परिभ्रमण हेतु 50 किसान बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर रवाना हुआ। दिनांक 21 मई से 25 मई 2025 तक पाकुड़ जिला के किसान मिलेटस (मोटे अनाज) समेकित कृषि प्रणाली एवं कृषि से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आज बुधवार को जिला संयुक्त कृषि भवन परिसर से जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा के श्री मृत्युंजय कुमार के द्वारा सभी किसानों को बसों से रवाना किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने कहा कि आज 50 किसानों के दल को बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर भागलपुर रवाना किया गया। जिसमें वे मिलेटस संबंधित फसलों की कृषि तकनीकी, शोध उपलब्धियों, कृषि यंत्रों, उर्वरकों के संतुलित प्रयोग, कृषि विविधीकरण, मिलेट्स फसलों की उत्पादन, मिलेटस के विभिन्न उत्पाद, उनका पोषण में महत्व एवं उनके उपभोग की विस्तृत जानकारी व प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिससे वे खेती के क्षेत्र में नया आयाम प्राप्त कर सकें।

बीडीओ ने पीडीएस डीलरों के साथ की बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःअमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता ने सभी पीडीएस डीलरों के साथ बैठक की। बीडीओ ने कहा कि सभी जन वितरण प्रणाली के लाभुकों को जून, जुलाई व अगस्त माह का खाद्यान्न जून माह के अंत तक उपलब्ध कराना है। जून व जुलाई माह का खाद्यान्न 1 से 15 जून तक और अगस्त माह के खाद्यान्न का वितरण 16 से 30 जून तक किया जाना है। खाद्यान्न रखने के लिए भंडारण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। सभी डीलर जून माह तक सभी लाभुकों का ई-केवाइसी कराना सुनिश्चित करें।

कांग्रेस के अमरापड़ा प्रखंड अध्यक्ष बने पप्पू कांग्रेस जिला अध्यक्ष की माला पहनकर दी बधाई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के द्वारा अनुशंसा और प्रदेश अध्यक्ष द्वारा निकाली गई पत्र के आलोक में रिक्त पड़े अमरापड़ा प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में मो पप्पू को प्रखंड अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया जिला अध्यक्ष श्री कुमार सरकार ने मो पप्पू को पत्र देते हुए माला पहनाकर बधाई दिया और संगठन के कार्यों को प्रखंड कमेटी बनाकर जल्द जिला को देने का निर्देश दिया गया, जिला अध्यक्ष ने शुभकामना देते हुए कहा की भविष्य में प्रखंड में संगठन को मजबूत बनाए ये यह हम सभी की शुभकामनाएं है वही मो पप्पू ने प्रखंड अध्यक्ष बनने पर सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और विधायक निसात आलम, जिला प्रभारी तनवीर आलम एवं जिला अध्यक्ष श्री कुमार सरकार का आभार प्रकट करते हुए कहा की जिस उम्मीद से मुझे जिम्मेदारी दी गई है उसे मैं ईमानदारी पूर्वक निर्वाहन करूंगा हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम ने कहा की विधानसभा क्षेत्र में एक प्रखंड में कमेटी रिक्त था वो पूरा हो गया इसके लिए जिला अध्यक्ष और हमारे नेता तनवीर आलम साहब का शुक्रिया अदा करते है और पप्पू जी को बधाई देते है उम्मीद करते है संगठन को मजबूती मिलेगा.

विश्व उच्च रक्त चाप दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन सभागार में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

डॉ युगल किशोर चौधरी, सिविल सर्जन देवघर के अध्यक्षता में डॉ मनोज कुमार गुप्ता, जिला नोडल पदाधिकारी, एन० सी० डी० कोषांग,देवघर, डॉ अभय कुमार यादव ,जिला भीबीडी पदाधिकारी देवघर, डॉ संचयन जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, देवघर, डॉ राजीव कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,NOHP,के उपस्थिथि में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर 17 मई से 16 जून चलने वाले कार्यक्रम हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सिविल सर्जन के सभागार में किया गया । आयोजित कार्यशाला में सभी CHOs को Diabetic एवं Hypertension के Screening से संबंधित protocol के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया साथ ही डॉ मनोज कुमार गुप्ता के द्वारा यह बताया गया की हाइपरटेंशन, जिसे आमतौर पर उच्च रक्तचाप के रूप में जाना जाता है, एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपकी धमनियों की दीवारों के खिलाफ रक्त का बल लगातार बहुत अधिक होता है। यह कई वर्षों तक बिना किसी स्पष्ट लक्षण के हो सकता है, यही वजह है कि इसे अक्सर मौन स्थिति के रूप में जाना जाता है। रक्तचाप को पारे के मिलीमीटर (mmHg) में मापा जाता है और इसे दो संख्याओं के साथ दर्ज किया जाता है: सिस्टोलिक दबाव (उच्च संख्या, हृदय के धड़कने के दौरान दबाव को मापती है) और डायस्टोलिक

दबाव (निम्न संख्या, धड़कनों के बीच हृदय के आराम करने के दौरान दबाव को मापती है) सामान्य रक्तचाप आमतौर पर 120/80 लॅ के आसपास होता है। यदि आपका रक्तचाप लगातार 140/90 mmHg से अधिक है, तो इसे उच्च माना जाता है। उच्च रक्तचाप का आमतौर पर समय के साथ कई रीडिंग के बाद निदान किया जाता है, क्योंकि एक उच्च रीडिंग तनाव या शारीरिक गतिविधि जैसे अस्थायी कारकों के कारण हो सकती है। डॉ संचयन के द्वारा उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह से सम्बंधित प्रोटोकॉल को IEC के माध्यम से विस्तृत से समझाया गया एवं सभी CHOs से बारी-बारी कर सवाल जवाब भी किया गया तथा यह भी बताया गया की उच्च रक्तचाप को अक्सर खामोश स्थिति कहा जाता है क्योंकि यह आमतौर पर अपने शुरूआती चरणों में ध्यान देने योग्य लक्षण पैदा नहीं करता है। कई लोग बिना जाने ही सालों तक उच्च रक्तचाप के साथ रह सकते हैं, यही कारण है कि नियमित निगरानी महत्वपूर्ण है। समय के साथ, अगर अनियंत्रित छोड़ दिया जाए, तो उच्च रक्तचाप शरीर के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित करना शुरू कर सकता है और चेतावनी के संकेत दे सकता है, खासकर जब यह गंभीर हो जाता है या जटिलताओं का कारण बनता है। रक्तचाप के खतरनाक रूप से उच्च स्तर पर पहुंचने पर दिखाई देने वाले कुछ लक्षणों में शामिल हैं: बार-बार सिरदर्द - ये सुस्त या धड़कते हुए हो सकते हैं और अक्सर सिर के पीछे या आंखों के पीछे महसूस होते हैं। चक्कर आना या बेहोशी महसूस होना - यह कम रक्त प्रवाह या मस्तिष्क के भीतर दबाव में बदलाव के कारण हो सकता है। धुंधला या दोहरी दृष्टि - उच्च रक्तचाप आंखों में रक्त वाहिकाओं को प्रभावित कर सकता है, जिससे दृष्टि संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। सीने में दर्द या जकड़न - यह संकेत दे सकता है कि हृदय तनाव में है, खासकर शारीरिक गतिविधि या तनाव के दौरान। सांस की तकलीफ - बढ़ा हुआ दबाव हृदय और फेफड़ों के एक साथ काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। नाक से खून आना - ये असामान्य है, लेकिन रक्तचाप अचानक बढ़ जाने या बहुत अधिक स्तर पर पहुँच जाने पर हो सकता है। थकान या भ्रम - ये तब विकसित हो सकते हैं जब प्रतिबंधित रक्त प्रवाह के कारण मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती है। वहीं उपस्थित डॉ राजीव कुमार के द्वारा उच्च रक्तचाप में शराब एवं तम्बाकू पदार्थो के सेवन से पड़ने वाले असर तो बताया गया । एवं साथ ही डॉ युगल किशोर चौधरी, सिविल सर्जन देवघर , डॉ मनोज कुमार गुप्ता, जिला नोडल पदाधिकारी, एन० सी० डी० कोषांग,देवघर, डॉ अभय कुमार यादव ,जिला भीबीडी पदाधिकारी देवघर, डॉ संचयन जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, देवघर, डॉ राजीव कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,NOHP के द्वारा 5 5 Laptop, Printer, Laptop Bag को CHOs को प्रदान करते हुए 72 CHOs को LÔptop, Laptop, Printer, Laptop Bag एवं सभी CHOs को NCD से संबंधित IEC का भी वितरण करने का निर्देश दिया गया । उक्त कार्यशाला जिला एन० सी० डी० कोषांग द्वारा आयोजित किया गया जिसमे मुख्य सहयोग समरेश सिंह ,जिला कार्यक्रम प्रबंधक , रवि कुमार सिन्हा , अभिमन्यु कुमार दांगी, रवि चन्द्र मुर्मू , अभिषेक लाल का रहा ।

सहज के स्टेट हेड के द्वारा पाकुड़ जिले का किया गया दौरा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः सहज के स्टेट हेड के द्वारा पाकुड़ का दौरा किया गया। स्टेट हेड द्वारा बताया गया ₹सहज केंद्र₹ शब्द का अर्थ ₹सहज जन सेवा केंद्र₹, जो एक ऑनलाइन सेवा केंद्र है जो विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी सेवाएं प्रदान करता है। जन सेवा केंद्र के माध्यम से लोग कई प्रकार की सरकारी और गैरसरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं, जैसे कि मोबाइल रिचार्ज, डीटीएच रिचार्ज, बिल भुगतान, मनी ट्रांसफर, जन सेवा केंद्र एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो आवश्यक सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करता है, जो नागरिकों के लिए बिल भुगतान, दस्तावेज आवेदन, वित्तीय लेनदेन इसके अलावा आप 1 ही पोर्टल से 10 बैंकों का नया खाता खोल सकते है, मनी ट्रांसफर, पैसा जमा करना, पैसा निकालना आदि जैसी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एक केंद्रीकृत केंद्र के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा सहज जन सेवा केंद्र के माध्यम से आप जियो का डिस्ट्रीब्यूटरशिप, करियर सर्विस को लेकर अपना आमदनी बढ़ा सकते है।

धर्म जागरण परिवार ने श्रद्धालुओं को सम्मानित करते हुए तीर्थ यात्रा के लिए किया रवाना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ धर्म जागरण परिवार ओर से बुधवार को हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, काशी विश्वनाथ के तीर्थ यात्रा पर जाने वाले 9 श्रद्धालुओं को माला पहनाकर और बोलबम स्मारिका देकर उन्हें रवाना किया गया। साथ ही तीर्थ यात्रियों को नाश्ता, पानी भी दी गयी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में धर्म जागरण परिवार पाकुड़ के सचिव विश्वनाथ भगत, सुनील तोला कोषाध्यक्ष ललन भगत, सीताराम पटवा, कन्हैया रजक, साधन रजक, नीलू चटर्जी, संजय चौबे, हरीश कुमार, तन्मय मंडल प्रवीण यादव, जय सिंहा, मेघदूत घोष सुभाष गुप्ता, विशुदेव और संजीत मुखर्जी सहित अन्य सदस्यों की मौजूदगी में सभी श्रद्धालुओं को विदा किया गया।

पुराना विधान सभा सभागार धुर्वा मे 25 मई 2025 को विश्वकर्मा लोहार समाज,झारखंड प्रदेश की होगी एक महत्वपूर्ण बैठक

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - अपने अस्तित्व और पहचान के लिए पूरे झारखंड के लोहार एक मंच पर आएंगे। विदित हो झारखंड राज्य के कोने-कोने मे पूरे क्षेत्र के लोहार जाति अपनी पुस्तैनी लोहे का काम करते हुए अपना जीवन यापन कर रहे हैं।वर्तमान समय में अपने आप को विश्वकर्मा के वंशज मानते हुए लोहे को विभिन्न प्रकार के आकार देकर घरेलू उपयोग में आने वाले सामग्री का निर्माण करते हैं। लोहार जाति भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजाति में दर्ज है लेकिन झारखंड सरकार लोहार जाति को लोहार और लोहारा में बांटकर लोहार जाति को अनुसूचित जनजाति की सुविधा से वंचित कर रखा है। चूंकि लोहार झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में गांव के लोगों को कृषि के औजार उपलब्ध कराते हैं इसलिए झारखंड में लोहारों की स्थिति राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से काफी पिछड़ते जा रहे हैं। केंद्र सरकार विश्वकर्मा कौशल योजना तो चला रही है लेकिन इस योजना का लाभ लोहारों को पूर्णरूप से नहीं मिल पा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में लोहारों की स्थिति अत्यंत दयनीय है साथ ही राजनीतिक के क्षेत्र में इसकी सहभागिता भी काफी कम है। इन सभी मुद्दों को लेकर झारखंड के लोहार भाई 25 मई 2025 को झारखंड विधानसभा के पुराने सभागार में विश्वकर्मा लोहार समाज झारखंड प्रदेश के बैनर तले एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया है जिसमें झारखंड राज्य के सभी जिले से लोहार भाई अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे और बैठक को सफल बनाएंगे। यह जानकारी समाजसेवी शिव किशोर शर्मा ने दी है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर धुर्वा में दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि, डॉ. रामेश्वर उरांव ने गिनाई पूर्व प्रधानमंत्री की दूरदर्शी उपलब्धियां

रांची राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन रांची के धुर्वा में राजीव गांधी वरिष्ठ नागरिक उद्यान में किया गया। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं ने भाग लिया और राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. रामेश्वर उरांव ने राजीव गांधी की दूरदर्शिता और उनके द्वारा युवाओं को लोकतंत्र में भागीदारी का अधिकार देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने 21वीं सदी की दिशा में भारत को अग्रसर किया और 'डिजिटल इंडिया' की नींव रखी। उनके विचार और विजन आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं।आलोक कुमार दूबे ने राजीव गांधी के तकनीकी दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर भारत के सपने की चर्चा की, जबकि डॉ. राजेश गुप्ता ने कंप्यूटर और संचार तकनीक के क्षेत्र में उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर

पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे, डॉ. राजेश गुप्ता, कांग्रेस नेता फिरोज रिजवी मुन्ना, कुमुद रंजन, हैदर आलम,संजीत यादव,मेंहुल दूबे एवं वरिष्ठ नागरिक उद्यान समिति के सदस्य एस.के.झा,सत्यनारायण पाठक,अनिकेत कुमार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ढाब थाना क्षेत्र में अवैध शराब से भरा हाईवा गढे में गिरा, 3773 बोतल शराब बरामद

कोडरमा विजय यादव

ढाब थाना क्षेत्र के चोराघाटी के पास अवैध शराब तस्करी की सूचना पर पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाया। डोमचांच-सतगावां मार्ग पर एक हाईवा वाहन ने चेकिंग से बचने के प्रयास में यू-टर्न लिया और अनियंत्रित होकर गढे में गिर गया। जांच में वाहन से विभिन्न कंपनियों की 3773 पीस अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने ढाब थाना कांड संख्या 03/25 दिनांक 20.05.2025 के तहत संबंधित धाराओं और उत्पाद अधिनियम में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मिले मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से। मौलाना अबुल कलाम आजाद

दिव्य संवाददाता

चान्हो - चान्हो पशुपालन कृषि मंत्री मांडर विधानसभा के विधायक से मंत्री बनने के बाद अबुल कलाम आजाद की पहली मुलाकात, गुलदस्ता देकर बधाई दी, क्षेत्र के बारे में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को अवगत कराया, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गांव के गरीब गुरबा और हर तरह के समस्याओं को निपटारा करने के लिए तैयार है, और मौलाना मुफ्ती गाजी सलाहुद्दीन ने भी अपने क्षेत्र के बारे में बात रखी उन को भी भरोसा दिलाया के निश्चित तौर पर जिस तरह का भी काम हो हम जरुर करेंगे, शिल्पी नेहा तिर्की ने यह कही कि वह क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध हैं। जल्द ही क्षेत्र में विकास की योजनाएं धरातल पर दिखेंगी। चुनाव के समय से ही वे कहते आ रहे हैं कि सिंचाई, सड़क व पेयजल उनकी प्राथमिकता में शामिल है। इसके अलावा निर्धन, गरीबों व असहाय के लिए वृद्धावस्था पेंशन व इन्दिरा आवास दिलाने के लिए प्रयासरत हैं।

मांडर. कार की चपेट में आकर सवा साल की बच्ची की मौत के मामले में गिरफ्तार चालक को पुलिस ने भेजा जेल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - थाना क्षेत्र के महुआ जाड़ी गांव में मंगलवार की शाम को कार की चपेट में आकर सवा साल की एक बच्ची अयांशी तिग्गा की मौत के मामले में गिरफ्तार कार चालक अबुल हसन को मांडर पुलिस ने बुधवार को जेल भेज दिया. पुलिस के अनुसार वह कूड़ु के ककरगढ़ गांव का रहने वाला है. हादसे के बाद चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था!

लखीसराय में नई नवेली दुल्हन का कारनामा, प्रेमी के साथ दो लाख नगदी सहित 70 ग्राम सोना लेकर हई फरार

13 दिन पहले हुई थी शादी, ससुराल वालों ने चार लोगों के विरुद्ध दर्ज कराई प्राथमिकी

पुलिस जांच में जुटी, जल्द होगी आरोपियों की गिरफ्तारी : थानाध्यक्ष

रंजीत विद्यार्थी

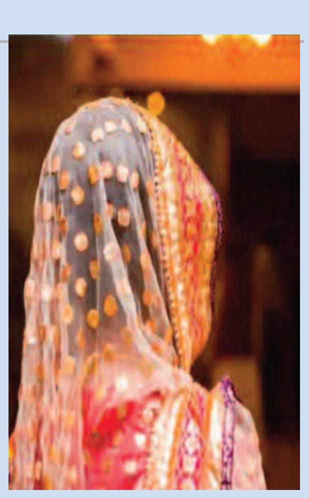

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय जिला के रामचंद्रपुर गांव में एक नवविवाहिता अपने प्रेमी के साथ दो लाख रुपये और 70 ग्राम सोने के गहने लेकर फरार हो गई। जयराम सिंह ने इस सिलसिले में चार लोगों के खिलाफ पिपरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है. जिसमें दुल्हन के मामा और मौसा भी शामिल हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बताते चले की लखीसराय जिले के पिपरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रामचंद्रपुर गांव की एक नववधू अपने प्रेमी के साथ 70 ग्राम सोने की जेवरात और दो लाख रुपये नकद लेकर ससुराल से फरार हो गई है। जयराम सिंह ने इस घटना के संबंध में कुल चार लोगों के खिलाफ पिपरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष उज्ज्वल कुमार ने बताया कि रामचंद्रपुर गांव के जयराम सिंह के पुत्र भोला कुमार उर्फ बादल की शादी बेगूसराय जिले के मटिहानी थाना क्षेत्र अंतर्गत जिला गांव के चमरू राय उर्फ पंकज राय की बेटी पूजा कुमारी के साथ गत सात मई को हुई।

मामा-मौसा पर भी दर्ज हुई केस

शादी के बाद दुल्हन ससुराल आ गई। यहां आने के बाद वह अपने मायके के प्रेमी चाक पुनर्वास गांव के पिंटू कुमार पुत्र पारो ठाकुर के साथ 70 ग्राम सोने की जेवरात एवं दो लाख नकद रुपये लेकर चंपत हो गई है। जयराम सिंह ने इस घटना के संबंध में वधू के मामा बेगूसराय के नावकोठी निवासी संतोष कुमार, मौसा रामचंद्रपुर निवासी दीपक कुमार, उनकी पत्नी प्रियंका कुमारी एवं प्रेमी पिंटू कुमार के खिलाफ पिपरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

बोले थानाध्यक्ष

थानाध्यक्ष उज्ज्वल कुमार ने बताया कि जयराम सिंह के बयान पर नामजद केस दर्ज कर लिया गया है।

शहीद को श्रद्धांजलि, बुजुर्गों का आशीर्वाद : रूडी

प्रतिनिधिमंडल में विदेश दौरे से पूर्व सांसद रुडी का गरखा में शहीद के परिजनों से मुलाकात

दौरे से पूर्व बीएसएफ के शहीद सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के घर पहुंचे रुडी, बिहार सरकार के मंत्री सह अमनौर विधायक श्री कृष्ण कुमार मंटू भी मौजूद।,शहीद के घर जाकर परिजनों को दी सांत्वना, बुजुर्गों से लिया आशीर्वाद, रुडी ने कहा, शहीदों के सम्मान से मिली ऊर्जा के साथ विदेश यात्रा पर होंगे रवाना,

ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत सांसद रूडी सरकार के प्रतिनिधि के रूप में विदेश दौरे पर, भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को वैश्विक मंच पर रखने की ऐतिहासिक पहल है प्रतिनिधिमंडल का दौरा, राष्ट्रीय एकता और सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृढ़ रुख का संदेश लेकर प्रतिनिधिमंडल होगा रवाना

गरखा । ऑपरेशन सिंदूरह्न के तहत भारत सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में मिस्र, कतर, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर रवाना होने से पहले, सारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने आज गरखा प्रखंड के जलाल बसंत पंचायत स्थित नारायणपुर गांव का दौरा किया और सीमा सुरक्षा बल के शहीद सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के परिजनों से मुलाकात की। शहीद के परिवार को ढांढस बंधाते हुए श्री रूडी ने कहा कि देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर सपूतों का योगदान युगों तक स्मरणीय रहेगा। इस दौरान सांसद के साथ बिहार सरकार के मंत्री सह अमनौर विधायक कृष्ण कुमार मंटू, पूर्व विधायक मुनेश्वर चौधरी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद मांझी, जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ राजू, वैद्यनाथ प्रसाद विकल, जिला उपाध्यक्ष श्यामसुंदर प्रसाद, जिला प्रवक्ता संजय सिंह, पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरेंद्र सिंह, महामंत्री निरंजन शर्मा भी मौजूद रहे। सांसद ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बुजुर्गों से आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि शहीद मोहम्मद इम्तियाज के प्रति यह श्रद्धांजलि न केवल एक सैनिक के सम्मान में है, बल्कि उन सभी परिवारों के प्रति आदर है, जिन्होंने अपने लाल देश के लिए समर्पित किए हैं। सांसद रूडी ने कहा कि शहीदों के सम्मान और उनके परिवारों की सेवा ही राष्ट्र सेवा का सर्वोच्च रूप है। मैं इस पुण्य कार्य से ऊर्जा लेकर ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के विदेश दौरे पर जा रहा हूँ, जहाँ भारत की आवाज को वैश्विक मंच पर और सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार शहीदों और उनके परिवारों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि विदेश यात्रा से पहले ऐसे पुण्य स्थल पर आकर मुझे नई ऊर्जा मिली है, जिसे लेकर मैं भारत की आवाज को और मजबूती से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रख सकूंगा। रुडी ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल का विदेश दौरा भारत की एकजुटता, राष्ट्रीय संप्रभुता और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ प्रतिबद्धता को साझा करने का अवसर है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भारत की सोच, संकल्प और नीति को स्पष्ट संदेश के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखेंगे। मालूम हो कि प्रतिनिधिमंडल के इस दौरे का उद्देश्य भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को वैश्विक मंचों पर स्पष्ट रूप से रखना है। यह यात्रा हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध भारत की निरंतर लड़ाई का प्रतीक है।

मांडर विधानसभा कांग्रेस कमेटी की बैठक में संगठन सृजन-2025 और सरना धर्म कोड की मांग को लेकर रणनीति तय

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, 26 मई को राजभवन के समक्ष कांग्रेस का होगा धरना प्रदर्शन

मांडर- मांडर विधानसभा कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को मांडर में संपन्न हुई, जिसमें ह्लसंगठन सृजन-2025ह्व अभियान और अलग सरना धर्म कोड की मांग को लेकर आगामी 26 मई को राजभवन के समक्ष आयोजित होने वाले कांग्रेस पार्टी के धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सह उप प्रमुख मुदस्सिर हक उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मुदस्सिर हक ने कहा कि ह्लसंगठन सृजन-2025 अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर पुनर्गठित कर, कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार करना है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाएं और संगठन को मजबूती प्रदान करें। उन्होंने यह भी बताया कि 26 मई 2025 को पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और अलग सरना धर्म कोड की मांग को लेकर राजभवन के समक्ष जोरदार धरना प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत माननीय श्री बंधु तिर्की के निदेर्शानुसार दिनांक 26 मई को प्रातः 10:00 बजे मोराबादी स्थित उनके सरकारी आवास से लेकर राजभवन तक पैदल मार्च आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में मांडर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मंगा उरांव, बंधु टोप्पो, विनोद भगत, चमरा उरांव, नसीमा, अफसाना खातून, इरफान, समीम अख्तर, विकटोरिया टोप्पो, मनीष कच्छप, फूलमानी, सुरेश उरांव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में मुदस्सिर हक ने ग्रामीणों और कार्यकताओं से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

रुडी ने गरखा में बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के नये कार्यालय का उद्घाटन किया

मंत्री कृष्ण कुमार मंटू, में पूर्व विधायक मुनेश्वर चौधरी, ज्ञानचंद मांझी उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और राजनीतिक दलों की व्यापक भागीदारी

बीस सूत्री कार्यक्रमों के बेहतर संचालन हेतु कार्यालय अहम कदम

गरखा,। गरखा प्रखंड मुख्यालय में आज बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के नव-निर्मित कार्यालय का उद्घाटन एक गरिमामय समारोह के माध्यम ~~से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का~~ उद्घाटन सारण सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी और बिहार सरकार में मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्थानीय नेता एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मुनेश्वर चौधरी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद मांझी, जदयू जिलाध्यक्ष अल्ताफ राजू, लोजपा जिलाध्यक्ष दीपक सिंह, डॉ. संतोष प्रियदर्शी, हरेंद्र सिंह, श्री संजय सिंह, अजय मांझी, राहुल पासवान, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष नजरे इमाम, प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष सर्वेश्वर सिंह, उपाध्यक्ष अजय सिंह, धनंजय सिंह, अजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन सुचारू और सशक्त प्रशासनिक समन्वय को ध्यान में रखते हुए किया गया, जिससे बीस सूत्री कार्यक्रमों की योजनाओं और कल्याणकारी नीतियों का स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके।

ऐतिहासिक रेल कारखाना में वर्कलोड बढ़ाने तथा कारखाना के विकास को लेकर राजद केंद्रीय रेल मंत्री के समक्ष रखेगी मांग

जमालपुर। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के संभावित जमालपुर आगमन पर राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बुधवार को दौलतपुर दुर्गास्थान परिसर में एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश रमण उर्फ राजू यादव एवं संचालन छात्र प्रखंड अध्यक्ष विमल यादव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जमालपुर कारखाना और रेल से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। राजद बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राजेश रमण ने कहा कि एशिया का प्रथम रेल कारखाना जमालपुर, जो विकास की गति से बहुत नीचे चला गया है उसको गति देकर आगे बढ़ाना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ मिलकर हम लोग अपनी बात को रखेंगे। जिसमें मुख्य रूप से एक्ट अप्रेंटिस छात्र को सीधे तौर पर रेलवे में नियुक्ति, जमालपुर कारखाना को निर्माण कारखाना घोषित करते हुए वर्कलोड को बढ़ाने, डीजल शेड को पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक शेड में परिणत करने, जमालपुर में जल्द से जल्द रेल विश्वविद्यालय के निर्माण, मुख्य अस्पताल जमालपुर को सुपर स्पेशलिटी का दर्जा दिया जाने, जमालपुर जुबली वेल से रेलवे 6 नंबर गेट की सड़कों का चौड़ीकरण करने, जमालपुर रेलवे स्टेशन में प्रवेश के लिए ईस्ट कॉलोनी के तरफ एवं जुबली वेल की तरफ प्रवेश द्वारा दिए जाने, सभी रेल कॉलोनी की चारदीवारी करते हुए क्वार्टर का मरम्मत कराया जाने एवं खाली पड़े जमीन पर स्टाल बनाकर बेरोजगार युवकों को भाड़े पर दिया जाने, दौलतपुर वाई-लेग पर न्यू जमालपुर हॉल्ट एवं सफियाबाद हाल्ट का निर्माण कराई जाने की मांग शामिल है। मौके पर उपस्थित बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के मंतोष कुमार, शनिचर मंडल, राम मंडल उर्फ गुड्ढ, मंटू तांती, अनिल कुमार, अरुण तांती, निर्मल कुमार तांती, राहुल कुमार उर्फ करेली, चंदन चौहान, राहुल सिंह, श्याम कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

निर्माण कारखाना एलएचबी कोच, मेट्रो एवं मेमू की सौगात लेकर आए रेल मंत्री - संघर्ष मोर्चा

वार्ता के लिए समय निर्धारित करे प्रशासन अन्यथा सड़कों पर उतरेंगे मोर्चा के नेता

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

जमालपुर। आगामी शुक्रवार को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के आगमन के सुगबुगाहट के बीच रेल के सवालों को लेकर बरसों से संघर्षरत जमालपुर रेल निर्माण कारखाना संघर्ष मोर्चा में शामिल विभिन्न राजनीतिक तथा सामाजिक संगठनों के नेताओं की एक अति आवश्यक बैठक सीपीआई जिला सचिव संजीवन सिंह की अध्यक्षता में पूर्वी क्षेत्र नयागांव में आयोजित की गई। जिसमें रेल मंत्री के आगमन पर मोर्चा ने अपनी रणनीति तय की। और रेल मंत्री से निर्माण कारखाना, एलएचबी कोच, मेट्रो, मेमू एवं वाई-लेग की सौगात देने की मांग की। बैठक को संबोधित करते हुए बसपा के जिला प्रभारी कृष्णानंद राऊत, जाप के निवर्तमान जिला अध्यक्ष पप्पी उर्फ पप्पू यादव, लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा, विकास मंच के जिला अध्यक्ष सुबोध तांती ने कहा कि जमालपुर रेल कारखाना सदैव से सरकार के कोप विभाजन का शिकार होता रहा है। एशिया महादेश के इस प्रथम कारखाना का जो विकास होना चाहिए, वह क्षेत्रीयतावाद की भेंट चढ़ गई। इस ऐतिहासिक रेल कारखाना को समाप्त करने की साजिश होने लगी। जिसे लेकर संघर्ष मोर्चा निरंतर संघर्षरत है। बावजूद, हमारी मांगों को दरकिनार किया जाता रहा है। इस बार रेलमंत्री के आगमन पर फिर मोर्चा की उम्मीद जगी है और मोर्चा रेलमंत्री को ज्ञापन सौंप अपने मांगों के तरफ अपना ध्यान आकर्षण कराएगी। वहीं, संघर्ष मोर्चा के संयोजक सह सपा जिलाध्यक्ष पप्पू यादव एवं मोर्चा के सह संयोजक जदयू के वरिष्ठ नेता कन्हैया सिंह ने कहा कि रेलमंत्री के आगमन को मोर्चा अपनी उपलब्धि मानती है और उम्मीद करती है कि रेलमंत्री जमालपुर कारखाना को निर्माण का दर्जा, कारखाना में एलएचबी कोच का निर्माण, जमालपुर रेल कारखाना एवं डीजल शेड को पूर्व मध्य रेलवे में शामिल करने के साथ ही वाई-लेग, मेट्रो व मेमू की सौगात देगी। अन्यथा विकास के नाम पर विधवा विलाप करने वाली केन्द्र सरकार की जनता के सामने पोल खुलना तय है। बैठक के अंत में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जिला व रेलवे प्रशासन मोर्चा के नेताओं की ज्ञापन व वार्ता के लिए समय निर्धारित नहीं करती है तो मोर्चा घेराव के अपने पूर्व निर्णय पर अटल रहेगी। मौके पर सपा सह मोर्चा के मिडिया प्रभारी मनोज क्रांति, एनसीपी के उपाध्यक्ष दीपक साहू, प्रवक्ता नौशाद उस्मानी, युवा कांग्रेस नेता अभिताभ कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

समाहरणालय परिसर में मनाया गया आतंकवाद विरोधी दिवस

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- गृह विभाग (विशेष शाखा) के निदेर्शानुसार एवं जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री के मार्गदर्शन में समाहरणालय परिसर, औरंगाबाद में आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर समाहरणालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई कि वे भारत की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में अटूट विश्वास रखते हुए सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का दृढ़ता से विरोध करेंगे। साथ ही, वे समाज के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव और आपसी समझ बनाए रखने तथा मानव मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। कार्यक्रम में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री सच्चिदानंद सुमन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री इफ्तेखार अहमद, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री मोहम्मद गजाली, सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संथारा : 3 साल की बच्ची की मौत लंबे समय तक क्यों सालती रहेगी?

विचार

> मनोवैज्ञानिकों ने तब इस मामले पर विस्तार से चर्चा की थी और इस बात को रेखांकित किया था कि माता-पिता द्वारा डाला जाने वाला अप्रत्यक्ष दबाव किस तरह से बच्चे को मनोवैज्ञानिक रूप से कमज़ोर या लाचार बना सकता है। जब धर्म इसमें शामिल हो जाता है, तो उसके साथ अपराध बोध भी जुड़ जाता है, जो उन्हें बताता है कि अगर वे ऐसा-ऐसा नहीं करेंगे, तो परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। तब वह यह मानने लगता है कि बच्चा जो कुछ भी कर रहा है, वह परिवार की भलाई के लिए ही है और उसे मूल रूप से अपने स्वास्थ्य का थोड़ा त्याग करना होगा।

सुभाष गाताडे

मनुष्य कभी भी बुराई का खुशी से पालन नहीं करता, जब तक कि वह धार्मिक विश्वास से प्रेरित न हो।" -- ब्लेज़ पास्कल (1623-1662), फ्रांसीसी गणितज्ञ, भौतिक विज्ञानी, आविष्कारक, दार्शनिक और कैथोलिक लेखक।

इंदौर के आईटी प्रोफेशनल की तीन वर्षीया बेटी नम्रता (बदला हुआ नाम) की मौत हो गई है। उसे ब्रेन ट्यूमर था, जिसका जनवरी में मुंबई में सफल ऑपरेशन किया गया था, लेकिन मार्च में यह फिर से उभर आया और एक सप्ताह से भी कम समय में उसने दम तोड़ दिया। उसकी कहानी में कुछ भी गलत नहीं लगता। बच्ची को सबसे अच्छा इलाज मिला और जैन समुदाय से ताल्लुक रखने वाले उसके माता-पिता के पास पैसे की कमी नहीं थी। इन सभी प्रासंगिक विवरणों के बावजूद, उसके जीवन के पिछले कुछ घंटों को भूलना या भुलाना मुश्किल है। जब वह जीवित थी और जिस तरह से उसे 'अपने अगले जन्म को बेहतर बनाने' के लिए कुछ अनुष्ठान करने पड़े थे - जैसा कि उसके माता-पिता को उनके आध्यात्मिक गुरु ने बताया था - वह बहुत दर्द में रही होगी। हमें पता चला कि अस्पताल के बिस्तर के बजाय, जहां उसे उपचारात्मक देखभाल दी जानी चाहिए थी, बच्ची को एक जैन साधु महाराज के आश्रम में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसने अपने भोले-भाले शिष्यों (उस बच्ची के माता-पिता) को "उसकी पीड़ा कम करने और उसके अगले जन्म को बेहतर बनाने के लिए" संथारा का विकल्प चुनने के लिए राजी कर लिया था। और इन युवा आईटी पेशेवरों को, जो मुश्किल से 30 वर्ष के होंगे, अपनी मरती हुई बेटी को आश्रम में स्थानांतरित करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई, जबकि वे अच्छी तरह जानते थे कि वह बहुत पीड़ा में थी और कोई भी ऐसा कार्य, जो उसके जीवन के लिए अप्रत्याशित हो, उसे मृत्यु की ओर और नजदीक ले जायेगा। संथारा या सल्लेखना, जैसा कि आम तौर पर जाना जाता है, एक जैन प्रथा है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से मरने के इरादे से भोजन और पानी त्याग देता है। मोटे अनुमान के अनुसार, हर साल लगभग 200 लोग इस प्रकार की सल्लेखना का विकल्प चुनते हैं। इस तथ्य को देखते हुए कि यह प्रथा आत्महत्या के समान है, राजस्थान उच्च न्यायालय ने इस प्रथा को अनुच्छेद 309 के तहत अवैध और अपराध घोषित किया था और कहा था कि इसे धर्म के आवश्यक अभ्यास का हिस्सा नहीं माना जा सकता है और इसलिए इसे अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित नहीं किया जा सकता है। यह अनुच्छेद'आत्महत्या के प्रयास' से संबंधित है। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के इस फैसले पर रोक लगा दी है, लेकिन यह कहना गलत होगा कि आत्म-क्षति की इस परंपरा को स्वीकृति दे दी गई है। फिलहाल, इस प्रथा के बारे में किसी भी असहमति को दरकिनार किया जा सकता है, लेकिन कम से कम इस बात पर तो सहमति हो ही सकती है कि केवल एक वयस्क ही यह निर्णय ले सकता है कि उसे स्वेच्छा से मृत्यु का विकल्प चुनना है या नहीं। अगर हमारा संविधान किसी किशोर को वोट देने या ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की अनुमति नहीं देता है, तो उससे यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह जीवन के बजाय मृत्यु का विकल्प चुनने की स्थिति में होगा। और एक बच्ची के लिए तो, जो बमुश्किल 3 साल की है, अपने आप ऐसा निर्णय लेना असंभव होगा। अगर वह इस प्रथा का पालन करती है, तो इसका केवल यही अर्थ लगाया जा सकता है कि उस पर यह प्रथा जबरन लादी गई है। रिपोर्ट्स में आगे बताया गया है कि सल्लेखना अनुष्ठान शुरू होने के चार घंटे के भीतर ही नम्रता की मौत हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि इस खबर को सार्वजनिक होने में डेढ़ महीने से भी ज़्यादा का समय लग गया, और वह भी तब जब अमेरिका स्थित संगठन गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने स्वीकार किया कि नम्रता "धार्मिक अनुष्ठान संथारा" करने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति थीं।

नम्रता की दर्दनाक मौत कई सवाल खड़े करती है, जैसे -

1. कैसे उसके विद्वान माता-पिता की अजीब धार्मिक मान्यताओं ने उसे उसके अंतिम समय में एक तरह की यातना सहने के लिए मजबूर किया, जब वह गहरी पीड़ा में थी।
2. कैसे उन महत्वपूर्ण क्षणों में जब बच्ची को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता थी -- शायद दर्द कम करने के लिए कुछ इंजेक्शन और अपने करीबी लोगों की संगति की जरूरत थी -- उसे एक अज्ञात स्थान पर ऐसे अज्ञात लोगों के बीच स्थानांतरित कर दिया गया, जिन्होंने उसे ऐसे अनुष्ठानों में शामिल किया, जिससे उसका दर्द और बढ़ गया।
3. यह सारा अत्याचार कथित तौर पर मूल रूप से 'उसके अगले जन्म को बेहतर बनाने' और उसे "संथारा लेने वाली सबसे कम उम्र की महिला" बनाने के लिए किया गया था।

आप इसे किसी भी तरह से कहने की कोशिश करें, आध्यात्मिक गुरु ने उस बच्ची के माता-पिता के साथ मिलकर न केवल बच्ची के दर्द को बढ़ाया, बल्कि उसकी मृत्यु को भी और निकट ला दिया। हमारा संविधान मानव जीवन की पवित्रता को अच्छी तरह से मान्यता देता है और प्रत्येक व्यक्ति के पास ऐसे अविभाज्य अधिकार हैं, जिन्हें तब तक नहीं छीना जा सकता, जब तक कि कानून स्वयं ऐसा करने का आदेश न दे। तब फिर उस बच्ची के माता-पिता और उनके आध्यात्मिक गुरु पर इस बुनियादी अवधारणा के अतिक्रमण के लिए मुकदमा क्यों नहीं चलाया जा सकता? क्या न्याय की मांग यह नहीं है कि पूरे मामले के कानूनी पहलुओं पर तुरंत गौर किया जाए और तीनों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए? क्या यह समय नहीं है कि बाल अधिकार आयोग आगे आए और पुलिस पर दबाव डाले कि वह बच्चे की मौत में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त आरोप लगाए। क्या यह सही समय नहीं है कि हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां कानून के ऐसे सभी उल्लंघनकर्ताओं को एक कड़ा संदेश भेजें, जो आस्था और धार्मिक अधिकारों की आड़ में ऐसे कई कृत्यों में लिप्त हैं, जो मूलतः मानव जीवन की पवित्रता का उल्लंघन करते हैं और इस प्रकार हमारे संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। यह ध्यान में रखना होगा कि जब तक इस तरह के जबरिया बलिदानों के महिमामंडन पर सवाल नहीं उठाया जाता और उन्हें चुनौती नहीं दी जाती, तब तक लोगों को इसी तरह के कदम उठाने के लिए प्रोत्साहन मिलता रहेगा। क्या यह कहा जा सकता है कि नम्रता के माता-पिता को यह अनुष्ठान करने के लिए 'प्रेरित' किया गया था, क्योंकि उन्होंने अपने समुदाय में सिकंदराबाद की 13 वर्षीय लड़की की इसी तरह की 'संथारा' मृत्यु का महिमामंडन सुना था, और इस घटना के गवाह किसी भी करीबी रिश्तेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी? तथ्य यह है कि अपने माता-पिता की धार्मिक मान्यताओं के कारण नम्रता की अचानक मृत्यु कोई अलग-थलग मामला नहीं है। कुछ साल पहले, हमने एक और 13 वर्षीया लड़की की भी इसी तरह की 'संथारा मृत्यु' देखी थी, जो एक बहुत ही अमीर जैन परिवार, जो आभूषण का व्यवसाय करता था, से संबंधित थी। दोनों मामलों में अंतर केवल इतना था कि यह लड़की 13 वर्ष की थी, जो 8वीं कक्षा में पढ़ती थी। यह लड़की भी कानूनी तौर पर वह वयस्क नहीं थी, इसलिए वह वोट देने या अपनी मर्जी से विवाह करने की स्थिति में नहीं थी और इसलिए अपने कल्याण के लिए अपने माता-पिता पर निर्भर थी। किसी भी समझदार और संवेदनशील व्यक्ति के लिए यह समझ से परे होगा कि उसने दो महीने से अधिक समय तक - सटीक रूप से 68 दिन - उपवास किया और उपवास समाप्त करने के दो दिन के भीतर ही हृदयाघात के कारण उसकी मृत्यु हो गई। उसे इतने लंबे समय तक उपवास करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया होगा? मनोवैज्ञानिकों ने तब इस मामले पर विस्तार से चर्चा की थी और इस बात को रेखांकित किया था कि माता-पिता द्वारा डाला जाने वाला अप्रत्यक्ष दबाव किस तरह से बच्चे को मनोवैज्ञानिक रूप से कमज़ोर या लाचार बना सकता है। जब धर्म इसमें शामिल हो जाता है, तो उसके साथ अपराध बोध भी जुड़ जाता है, जो उन्हें बताता है कि अगर वे ऐसा-ऐसा नहीं करेंगे, तो परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। तब वह यह मानने लगता है कि बच्चा जो कुछ भी कर रहा है, वह परिवार की भलाई के लिए ही है और उसे मूल रूप से अपने स्वास्थ्य का थोड़ा त्याग करना होगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि माता-पिता और यहां तक कि अन्य करीबी लोगों को भी उसे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने और ऐसी हरकतें न करने के लिए प्रेरित करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ होगा। बल्कि घर का माहौल ऐसा रहा होगा कि परिवार में ही ऐसी हरकतों को बढ़ावा मिला होगा। पीछे मुड़कर देखें तो, उस समय जिस तरह से बच्ची के उपवास का प्रचार किया गया था, जिस तरह से समुदाय के लोग और यहां तक कि राजनीतिक नेता भी उपवास के दौरान उससे मिलने आए थे, वह सब हैरान करने वाला है। उपवास पूरा करने के दो दिन बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हृदयाघात से उसकी मौत हो गई। यह अविश्वसनीय लगता है कि आराधना के अंतिम संस्कार में कम से कम 600 लोग शामिल हुए और उसे 'बाल तपस्वी' बताया गया। अंतिम संस्कार जुलूस को 'शोभा यात्रा' कहा गया, जो उत्सव का प्रतीक था। अनशन और बाद में उसकी मौत का महिमामंडन करने के पूरे प्रकरण ने बाल अधिकार कार्यकर्ताओं को नाराज कर दिया, जिन्होंने उसके माता-पिता के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया था। उसके माता-पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (2) (हत्या के लिए दोषी नहीं, गैर इरादतन हत्या) के अलावा किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत विधिवत एफआईआर दर्ज की गई थी। पता चला कि पुलिस ने 'सबूतों के अभाव में' पांच महीने के भीतर ही मामले को बंद करने का निर्णय ले लिया, जिसके कारण बाल अधिकार कार्यकर्ताओं की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई, जिन्होंने दावा किया कि पुलिस ने समुदाय के बुजुर्गों के साथ मिलकर मामले को कमजोर कर दिया और 'उचित जांच के बिना ही इसे बंद कर दिया। नम्रता की मृत्यु, जो उसके माता-पिता और उनके आध्यात्मिक गुरु द्वारा उस पर थोपी गई, तथा उसके पहले आराधना की मृत्यु, को अलग-थलग करके नहीं देखा जा सकता। स्वतंत्रता-पूर्व भारत ही नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पश्चात भारत भी ऐसे अनेक मानव-विरोधी व्यवहारों का साक्षी है, जो यहाँ मौजूद हर धर्म में प्रचलित हैं। वास्तव में, समय की मांग है कि ऐसी सभी मानव-विरोधी प्रथाओं के विरुद्ध आवाज़ उठाई जाए, जो मानवीय गरिमा को नकारने का महिमामंडन करती हैं। अब समय आ गया है कि हम यह घोषणा करें या संकल्प लें कि मेड स्नान जैसी प्रथाएं, या फिर युवा बेटियों को महिमा मंडित करना और उन्हें 'समर्पित' करना, ताकि वे औपचारिक रूप से अपना शेष जीवन 'भगवान की साथी' के रूप में जी सकें, -- लेकिन वास्तव में उन्हें यौन गुलामी का जीवन जीने के लिए अभिशप्त किया जाता है -- - देवदासी प्रथा आदि-आदि, इतिहास का हिस्सा बन जाएं। और आखिरकार किसी भी तरह के प्रतिक्रियावादी तत्वों, आस्था या प्रबंध के साथ कोई संबंध नहीं रखा जाए। शायद यही सबसे अच्छा तरीका है नम्रता को याद करने का, जो तीन साल की बच्ची थी और जिसे जबरिया मौत के हवाले कर दिया गया।

(लेखक एक वरिष्ठ और स्वतंत्र पत्रकार हैं!अनुवाद : संजय पराते)

संपादकीय

प्रोफेसर की गिरफ्तारी

एक ज्यादती भरी कार्रवाई में, रविवार को अशोक यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ सोनीपत में दो अलग-अलग प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की गयी थीं। ये एफआईआर 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में उनकी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर की गयीं। पहली पोस्ट में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के रणनीतिक कारणों को विश्लेषित किया गया, चूंकि उसे सेना के नेतृत्व वाले पाकिस्तानी शासन से निपटना था जिसने भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देते हुए गैर-राज्य कर्ताओं की आड़ में छिपने की कोशिश की है। इसमें यह भी जिक्रकिया गया कि कैसे भारत की प्रेस वार्ताओं में मुस्लिम सैन्य अधिकारियों को शामिल किये जाने से देश की बहुलवादी दृष्टि प्रदर्शित हुई, भले ही यह उस सांप्रदायिक वास्तविकता के विपरीत हो जिसका सामना हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमान कर रहे हैं। दूसरी पोस्ट में संघर्षविराम के बाद कुछ नेटिजेन्स की "युद्ध के लिए अंध रक्तपिपासा" की निंदा की गयी और साथ ही दलील दी गयी कि युद्ध से सिर्फ दुनिया के सैन्य-औद्योगिक संकुल को लाभ होता है तथा हिंदू व इस्लामी, दोनों धर्मग्रंथों में इस बात पर जोर दिया गया है कि संघर्ष में धीरज व संयम ही सद्गुण हैं। उनकी पोस्टों में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। ये एक समावेशी भारत के लिए सीधे-सादे और देशभक्तिपूर्ण आह्वान थे तथा इस समझ को जाहिर करते थे कि भारत आतंकवादियों और पाकिस्तानी सैन्य शासन द्वारा समर्थित बृहत आतंकी बुनियादी ढांचे के बीच फर्क मिटाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मजबूर हुआ है। हरियाणा पुलिस का कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की उन शिकायतों पर आधारित था जिनमें कहा गया कि ये पोस्ट वर्दीधारी महिलाओं के लिए अपमानकारी तथा भारत सरकार के लिए बुरी मंशा वाली थीं। यह सरासर झूठ है और अगर हरियाणा पुलिस ने इन पोस्टों को पढ़ने और उनके भीतर के एक ज्यादती भरी कार्रवाई में, रविवार को अशोक यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ सोनीपत में दो अलग-अलग प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की गयी थीं। ये एफआईआर 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में उनकी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर की गयीं। पहली पोस्ट में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के रणनीतिक कारणों को विश्लेषित किया गया, चूंकि उसे सेना के नेतृत्व वाले पाकिस्तानी शासन से निपटना था जिसने भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देते हुए गैर-राज्य कर्ताओं की आड़ में छिपने की कोशिश की है। इसमें यह भी जिक्रकिया गया कि कैसे भारत की प्रेस वार्ताओं में मुस्लिम सैन्य अधिकारियों को शामिल किये जाने से देश की बहुलवादी दृष्टि प्रदर्शित हुई, भले ही यह उस सांप्रदायिक वास्तविकता के विपरीत हो जिसका सामना हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमान कर रहे हैं। दूसरी पोस्ट में संघर्षविराम के बाद कुछ नेटिजेन्स की "युद्ध के लिए अंध रक्तपिपासा" की निंदा की गयी और साथ ही दलील दी गयी कि युद्ध से सिर्फ दुनिया के सैन्य-औद्योगिक संकुल को लाभ होता है तथा हिंदू व इस्लामी, दोनों धर्मग्रंथों में इस बात पर जोर दिया गया है कि संघर्ष में धीरज व संयम ही सद्गुण हैं। उनकी पोस्टों में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। ये एक समावेशी भारत के लिए सीधे-सादे और देशभक्तिपूर्ण आह्वान थे तथा इस समझ को जाहिर करते थे कि भारत आतंकवादियों और पाकिस्तानी सैन्य शासन द्वारा समर्थित बृहत आतंकी बुनियादी ढांचे के बीच फर्क मिटाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मजबूर हुआ है। हरियाणा पुलिस का कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की उन शिकायतों पर आधारित था जिनमें कहा गया कि ये पोस्ट वर्दीधारी महिलाओं के लिए अपमानकारी तथा भारत सरकार के लिए बुरी मंशा वाली थीं। यह सरासर झूठ है और अगर हरियाणा पुलिस ने इन पोस्टों को पढ़ने और उनके भीतर के स्पष्ट संदेशों को समझने की जहमत उठायी होती, तो इन शिकायतों पर कार्रवाई के लिए उसे कुछ खास आधार नहीं मिलता। यह भी चिंताजनक है कि ये गिरफ्तारियां जिन आरोपों पर की जा रही हैं वे देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने, और विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से संबंधित हैं झ यह हालिया अतीत में आलोचकों के खिलाफ लगाये जाने वाले राजद्रोह के आरोपों जैसे ही हैं। बार-बार, और बहुत गलत तरीके से, कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे भारत में असहमति को कुचलने के लिए राजद्रोह के आरोप का इस्तेमाल किया है और प्रोफेसर की तकलीफें हाल के वर्षों में, खासकर भाजपा शासित राज्यों में, इसी हानिकारक प्रवृत्ति का लक्षण हैं। उनकी गिरफ्तारी अकादमिक स्वतंत्रता की खराब होती अवस्था का भी प्रतिबिंब है, जहां उच्च शिक्षा के संस्थानों में राज्य और सरकारों की नीतियों व कार्रवाइयों पर समालोचनात्मक समझ-बूझ और चिंतन को नापसंद किया जाता है और कुछ मामले में इसे आपराधिक तक बना दिया जाता है। सोमवार को भारत का सुप्रीम कोर्ट प्रोफेसर की गिरफ्तारी के खिलाफ उनका मामला फौरन सुनने के लिए राजी हुआ। सुप्रीम कोर्ट को अभिव्यक्ति की आजादी के महत्व को दोहराना चाहिए और उन कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिए जो तुच्छ आधार पर राजद्रोह से संबंधित गंभीर आरोप जड़ने के लिए शक्तियों का दुरुपयोग करती हैं।

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

देश-दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं। बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप-वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है। बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन-छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड-19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड-19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। लगता नहीं कि ऐसी उहापोह वाली स्थितियों से कोविड को लेकर फिर पहले जैसा भ्रम फैलेगा? भारत में फिर से कोरोना वायरस के मामले धीरे-धीरे बढ़ने लगे हैं। हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि चीन में श्वास संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर तेज भी हो सकती है। साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कोविड के पुष्ट मामलों की मौजूदा संख्या 257 है। देश की आबादी के दृष्टिगत यह बहुत कम है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख हुए है। देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा-सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं।

दूरवर्ती तारे के निकट बर्फ की खोज

विजय गर्ग

खगोलविद वर्षों से सौरमंडल के बाहर पानी की बर्फ की खोज कर रहे हैं। उन्हें मालूम है कि यह बृहस्पति, शनि और उसके आसपास के चंद्रमाओं और बौने ग्रहों पर मौजूद है, लेकिन अभी तक वे अन्य तारों के आसपास इसकी मौजूदगी की पुष्टि नहीं कर पाए थे। अब जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने उनका काम आसान कर दिया है। शोधकर्ताओं ने इस टेलीस्कोप के नियर - इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोग्राफ उपकरण को 'एचडी 181327' पर लक्षित किया, जो 155 प्रकाश वर्ष दूर सूर्य जैसा एक तारा है। उन्होंने पाया कि तारे के चारों ओर धूल भरे मलबे की डिस्क में पानी की बर्फ के क्रिस्टल घूम रहे थे। यह बर्फ हमारे सौरमंडल के काइपर बेल्ट के बर्फीले पिंडों और शनि के छल्लों जैसे स्थानों पर भी पाई जाती है । खगोलविदों को काफी लंबे समय से दूरवर्ती तारों की डिस्क में पानी की बर्फ होने का संदेह है। स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप ने 2008 में ही इस बात का संकेत दिया था, लेकिन इसके उपकरण इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त रूप से संवेदनशील नहीं थे। यहीं पर वेब टेलीस्कोप तारों के आस-पास के मलबे के डिस्क को स्कैन करने के लिए सुसज्जित है। यह टेलीस्कोप बर्फ, धूल और चट्टान के सबसे हल्के निशानों का भी पता लगा सकता है। इसके उपकरण उन छोटे कणों को पकड़ सकते हैं जिन्हें दूसरे टेलीस्कोप नहीं पकड़ पाते हैं। विज्ञानियों का कहना है कि जल बर्फ की उपस्थिति ग्रह निर्माण को सुविधाजनक बनाने में मदद करती है। बर्फीले पदार्थ अंततः स्थलीय ग्रहों पर भी पहुंच सकते हैं। एचडी 181327 एक युवा तारा है। यह सिर्फ 2.3 करोड़ वर्ष पुराना है। इसकी तुलना में हमारा सूर्य 4.6 अरब वर्ष पुराना है। यह तारा सूर्य से ज्यादा गर्म और अधिक विशाल है और इसका सिस्टम अव्यवस्थित है। धूल चट्टान और बर्फीले पिंड आपस में टकराते हैं और बिखर जाते हैं, जिससे एक अव्यवस्थित मलबे की डिस्क बन जाती है। एचडी 181327 एक बहुत ही सक्रिय सिस्टम है। इसके मलबे की डिस्क में नियमित रूप से टकराव होते रहते हैं। जब ये बर्फीले पिंड आपस में टकराते हैं, तो वे धूल भरे पानी के छोटे-छोटे कण छोड़ते हैं। वेब टेलीस्कोप इन कणों को देख सकता है। ये कण आपस में चिपक सकते हैं, जिससे नए ग्रहों के बीज बन सकते हैं। लाखों वर्षों में, बर्फीले मलबे चट्टानी दुनिया में पानी और अन्य महत्वपूर्ण यौगिक पहुंचा सकते हैं। शोधकर्ताओं को लगता है कि इसी तरह से पृथ्वी को पानी मिला जब बर्फीले धूमकेतु और क्षुद्रग्रह युवाकाल में उससे टकराए थे। खगोलविदों के समक्ष एक बड़ा सवाल यह है कि क्या बर्फीले पिंड निर्माणाधीन ग्रहों तक पानी पहुंचा सकते हैं? और यदि ऐसा है, तो क्या ये ग्रह रहने योग्य परिस्थितियां भी विकसित कर सकते है ? वेब के उपयोग से इन सवालों का जवाब मिल सकता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

पूर्व जीप अध्यक्ष ने पथ निर्माण मंत्री के फ्लाई ओवर की घोषणा का ध्यान आकृष्ट कराया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला परिषद औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह ने बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री माननीय नितिन नवीन जी से औरंगाबाद नगर परिषद क्षेत्र के निमार्णाधीन कलेक्ट्रेट से लेकर रमेश चौक तक फ्लाई ओवर की मांग के संबंध में एक बार फिर उन्हें याद दिलाते हुए पत्र प्रेषित किया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय सत्येंद्र नारायण सिंहा जी के प्रतिमा अनावरण के समय पहुंचे माननीय मंत्री को इस संबंध में पत्र प्रेषित किया था माननीय मंत्री द्वारा समारोह के मंच से यह घोषणा की गई थी कि औरंगाबाद में फ्लाईओवर का निर्माण जल्द कराया जाएगा।उनकी घोषणा के बावजूद भी फ्लाईओवर के कार्य में कोई प्रगति नहीं हुई है।औरंगाबाद की जनता वर्षों से प्रतीक्षा में है कि कब उन्हें आए दिन होने वाले जाम से निजात मिल सके औरंगाबाद नगर परिषद क्षेत्र में घंटो जाम की स्थिति बनी रहती है।खासकर लग्न त्यौहार के मौसम में विशेष कर जामा मस्जिद के पास तो प्रतिदिन जाम से जरूर मुलाकात हो जाती है। औरंगाबाद के जनता की ओर से मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं जितना जल्द हो सके कि फ्लाई ओवर बनवाने की दिशा में अग्रतर कार्रवाई करवाना चाहेंगे जिससे लोगों को प्रदूषण से मुक्ति भी मिले और जाम से निजात भी मिल सके।

सेवाकालीन बकाया वेतन के लिए दर-दर भटक रहे हैं अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ रामाधार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय औरंगाबाद की उच्च शिक्षा की महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान सच्चिदानंद सिंहा महाविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ रामाधार सिंह ने सेवानिवृत्ति के पश्चात सेवा काल में वेतन संबंधी संघर्षपूर्ण परेशानियों को प्रेस ब्यान जारी कर कहा कि 5 जनवरी 1977 को मगध विश्वविद्यालय बोधगया के अंतर्गत दाउदनगर कॉलेज दाउदनगर में मुझे भूगोल विभाग के व्याख्याता के पद पर माननीय कुलाधिपति के परिनियम के आलोक नियुक्ति हुई ।मगध विश्वविद्यालय के पत्रांक 1205/जी/ 17-03-1983 के आलोक में मेरी सेवा को नियुक्ति के समय से ही स्थाईकरण किया गया। मगध विश्वविद्यालय के ज्ञापांक जी1/94/99/10-06-99 के आधार पर मेरी सेवा संपुष्टि दिनांक 5-1-77 ही है। 10 वर्षीय काल वृद्धि प्रोन्नति के अनुसार मेरी प्रोन्नति उपाचार्य के पद पर हो गया है। सरकार द्वारा मेरा वेतन निर्धारित हो गया है।सिंहा कालेज औरंगाबाद में भूगोल विभाग के सफल संचालन एवं अध्यापन के लिए सरकार द्वारा स्थाई शिक्षक के रूप में दाउदनगर महाविद्यालय से सिंहा कॉलेज औरंगाबाद में मगध विश्वविद्यालय के पत्रांक 1806/जी/28-10-91 द्वारा स्थानांतरण भी किया गया दिनांक 06/11/91 से सिंहा कॉलेज औरंगाबाद में योगदान करके सफलता पूर्वक भूगोल विभाग का संचालन करता रहा और मैं 2014 में सेवानिवृत हो गया हूं मेरे पढ़ने एवं लेखन शैली कार्यक्षमता,सादगी व्यवहार कर्तव्य निष्ठा एवं उद्बोधन क्षमता के संबंध में पूर्व प्राचार्य,जिला के विभिन्न संगठन,राज्य एवं भारतीय भूगोल कांग्रेस परिषद द्वारा अनेक बार मुझे सम्मानित भी किया गया है। पूर्व प्राचार्य के द्वारा 2002 से लेकर 2009 तक मुझे 80% वेतन प्राप्त होता रहा है। पूर्व प्राचार्य एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के लापरवाही के कारण मुझे सेवाकाल में पूर्ण वेतन कभी भी प्राप्त नहीं हुआ जबकि मेरा पूर्ण वेतन हमेशा विश्वविद्यालय के द्वारा कॉलेज को भेजा जाता था जिसका प्रमाण पूर्व प्राचार्य के पत्र से स्पष्ट होता है पूर्ण वेतन भुगतान के संबंध में हमेशा पूर्व प्राचार्य , विश्वविद्यालय प्रशासन को सूचित करता रहा हूं।पूर्ण वेतन भुगतान नहीं होने में लाचार होकर मुझे माननीय उच्च न्यायालय पटना जाना पड़ा।वेतन भुगतान के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय का भी आदेश दिनांक 25 जून 2019 को कॉलेज को प्राप्त हो गया है। जिसकी सूचना मैं वर्तमान प्राचार्य डॉ सुधीर कुमार मिश्रा जी को दे चुका हूं वेतन भुगतान के संबंध में मैं वर्तमान प्राचार्य एवं लेखापाल मनोज कुमार सिंह को बार बार ध्यान भी आकृष्ट कराया लेकिन अभी तक मेरा पूर्ण वेतन भुगतान 9% सूद के साथ नहीं हुआ है मेरा वर्तमान उम्र 76 वर्ष हो गया है मैं एवं मेरी पत्नी हमेशा अस्वस्थ रहने के कारण मुझे चिकित्सा की आवश्यकता है। आर्थिक तंगी से मैं गुजर रहा हूं। प्रेस के माध्यम से मुझे न्याय दिलाया जाए।

ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल के टक्कर में दो युवक घायल

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

बुधवार की संध्या लगभग 5:30 बजे संग्रामपुर गंगटा मुख्य मार्ग के छाता लश्करा गांव के समीप ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल के आमने सामने के टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गया परिजनों एवं स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर लाया गया जहां चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर कर दिया गया दुर्घटना में घायल युवक का पहचान टेटिया बम्बर थाना क्षेत्र के भलगुड़ी गाँव निवासी रौशन कुमार पिता योगेन्द्र यादव और छाता गाँव निवासी सूरज कुमार पिता रंजय कुमार सामिल हैं। परिजनों ने बताया कि घर से संग्रामपुर बाजार आ रहा था तभी छाता मोड़ के समीप विपरीत दिशा से ट्रैक्टर ने सामने से टक्कर मार दी जिसमें दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के जमालपुर आगमन को लेकर मंत्रालय ने जारी किया शेड्यूल

दिव्य दिनकर (पवन कुमार चौधरी)

जमालपुर। विगत करीब एक महीने से केंद्रीय रेलमंत्री के जमालपुर आगमन को लेकर मची उहापोह की स्थिति अब समाप्त होने वाली है। रेलमंत्री के बिहार दौरे को लेकर मंत्रालय की ओर से शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसको लेकर करीब एक महीने में दो बार शेड्यूल को रद्द किया जा चुका है। ऐतिहासिक रेल इंजन कारखाना जमालपुर में रेलमंत्री के आगमन से पहले आधिकारिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के जमालपुर आगमन की आधिकारिक सूचना जारी होते ही जमालपुर रेलवे स्टेशन से लेकर रेलवे ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र में कारखाना मार्ग एवं आसपास के इलाकों में साफ सफाई तथा मेंटेनेंस का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। रेलवे द्वारा जारी शेड्यूल के मुताबिक रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव गुरुवार 22 मई को नई दिल्ली से स्पाइस जेट से रात्रि 9:00 बजे पटना के लिए उड़ान भरेंगे और रात्रि 11:00 बजे पटना पहुंचकर विश्राम करेंगे। शुक्रवार 23 मई को सुबह करीब 8:30 बजे पटना से विशेष ट्रेन से जमालपुर के लिए रवाना होंगे। रेलमंत्री पटना-किऊल-जमालपुर रेलखंड पर विंडो निरीक्षण करते हुए दिन में करीब 11:00 बजे जमालपुर पहुंचेंगे।

रेल इंजन कारखाना में नई योजनाओं को रेलमंत्री दे सकते हैं मंजूरी

शुक्रवार को रेल नगरी जमालपुर में विशेष दौरे पर पहुंच रहे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एशिया प्रसिद्ध रेल इंजन कारखाना को नई योजनाओं का सौगात दे सकते हैं। रेल इंजन कारखाना जमालपुर को निर्माण कारखाना का दर्जा दिए जाने को लेकर विगत करीब दो दशक से सामाजिक तथा राजनीतिक संगठनों के द्वारा मांग उठाई जाती रही है। स्थानीय मांगो पर विचार करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जमालपुर रेल कारखाना को निर्माण कारखाना का दर्जा देने के साथ-साथ जमालपुर में मेट्रो ट्रेन के निर्माण को लेकर भी घोषणा कर सकते हैं।

विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के द्वारा रेल मंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

रेल इंजन कारखाना जमालपुर के विकास को लेकर वर्षों से मांग उठा रहे विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों की ओर से रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के समक्ष अपनी मांगों को रखने के लिए तैयारी की जा चुकी है। बिहार की विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के मुंगेर जिला अध्यक्ष राजेश रमण उर्फ राजू यादव की अगवाई में राजद नेताओं का प्रतिनिधि मंडल रेल मंत्री से मुलाकात कर अपनी मांगों को रखेंगे। वहीं, रेल निर्माण कारखाना संघर्ष मोर्चा की ओर से सपा जिलाध्यक्ष पप्पू यादव की अगवाई में मोर्चा के पदाधिकारी अपनी ओर से रेलमंत्री को मांग पत्र सौंपेंगे। इसके अलावा ऑल इंडिया रेलवे पैसेंजर्स एसोशिएशन की ओर से तथा ऑल इंडिया रेलवे एक्ट अप्रेंटिस एसोशिएशन की ओर से अलग-अलग प्रतिनिधि मंडल रेल मंत्री से मुलाकात कर रेलवे से जुड़े मुद्दों पर एक मांग पत्र रेल मंत्री को सौंपेगा।

तारापुर विधायक राजीव कुमार सिंह साक्ष्य के अभाव में रिहा

विशेष न्यायाधीश एमपी व एमएलए कोर्ट ने दिया निर्णय

ओमप्रकाश पोद्दार

मुंगेर कोर्ट : विशेष न्यायाधीश एमपी व एमएलए कुमार पंकज ने तारापुर थाना कांड संख्या 47/2014 के अभियुक्त एवं वर्तमान में तारापुर के विधायक राजीव कुमार सिंह को साक्ष्य के अभाव में रिहा किया। विधायक के विरुद्ध 3/4 लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के अन्तर्गत विचारण किया गया था । इस मामले में 8 साश्रियों का साक्ष्य कराया गया एवं 3 अगस्त 2024 को अभियोग सुनाया गया था। इस मामले में चौकीदार जयरामपासवान के बयान पर 3/4 विस्फोट पदार्थ अधिनियम के तहत अज्ञात के विरुद्ध में 21 अप्रैल 2014 को तारापुर थाना में प्राथमिकी दर्ज हुआ था लेकिन,

अनुसंधानकर्ता ने रजीव कुमार सिंह के विरुद्ध मे धारा 3/4 लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के तहत आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया था। बताते चलें कि 24 अप्रैल 2014 को राजीव कुमार सिंह के मकान के सामने सड़क उत्तर भाग में इन्डोफटीर्नाइजर कॉरपोरेशन के खाली पड़ी गोदाम में जबरदस्त बम विस्फोट हुआ था ।इस विस्फोटक में गोदाम के दरवाजे कई फीट दुर जा कर गिरा वह दीवार टुट गई। गोदाम में ताला राजीव कुमार सिंह का लगा था। पुलिस ने घटनास्थल से जला हुआ सुतरी का टुकड़ा, लोहा का टुकड़ा बरामद किया था तथा घटनास्थल पर बारुद का गंध था। इस मामले मे राजीव कुमार सिंह को 26 जून 2015 को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिला था। बुधवार को एमपी व एमएलए के विशेष न्यायाधीश कुमार पंकज के न्यायालय से तारापुर विधायक राजीव कुमार सिंह को साक्ष्य के अभाव में रिहा किया। इसके पूर्व 3 मई 2025 को पूर्व विधायक अनंत कुमार सिंह को साक्ष्य के अभाव मे रिहा किया गया था।

नक्सलवाद को करारा झटका दिया पुलिस ने आतंकवाद विरोधी दिवस के दिन कुख्यात नक्सली शिवकुमार गिरफ्तार

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (STF) की संयुक्त कार्रवाई ने नक्सल मोर्चे पर एक बड़ी सफलता हासिल की है। वर्षों से फरार चल रहा कुख्यात नक्सली शिवकुमार सिंह, जो कई नक्सली घटनाओं का वांछित आरोपी था, आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। 20 मई 2025 को गुप्त सूचना के आधार पर मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम निमीडीह में घेराबंदी कर पुलिस व STF की संयुक्त टीम ने जबरदस्त छापेमारी कर शिवकुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार होने के बाद नक्सली ने अपने जुर्म कबूल कर लिए हैं। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। विस्फोट, आगजनी और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाला अपराधी गिरफ्तार नक्सली शिवकुमार सिंह ने साल 2014 में मदनपुर ब्लॉक परिसर और अंचल पुलिस निरीक्षक कार्यालय पर हमला कर वहां तोड़फोड़, विस्फोट और आगजनी की थी। इसके खिलाफ कई संगीन धाराओं में केस दर्ज थे। अपराधिक का इतिहास कांड संख्या 133/14 धारा 147, 148, 149, 341, 323, 337, 504, 353 IPC व 17 CLA एक्ट कांड संख्या 134/14 वही धाराएं, अगला ही दिन साफ दशार्ता है कि शिवकुमार

इलाके में लगातार दहशत फैलाता रहा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चला अभियानः इस सफलता से स्पष्ट है कि औरंगाबाद पुलिस नक्सली गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम कसने को तैयार है। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में STF और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से नक्सलियों का मनोबल लगातार टूटता जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि आगे भी ऐसे फरार नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। औरंगाबाद एक बार फिर शांति और विकास की राह पर लौटता दिख रहा है।

रोहतास, कैमूर, भोजपुर, वैशाली एवं नालान्दा के तर्ज पर औरंगाबाद जिले का नाम देव किया जाये

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जनेश्वर विकास केंद्र के द्वारा अधिवक्ता संघ भवन में प्रेस वार्ता आयोजित हुई। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि यह प्रेस वार्ता औरंगाबाद जिला का नाम देव धाम नाम करवाने की मांग को लेकर रखा गया है। आगे उन्होंने बताया कि जिस तरह कुछ दिन पहले गया का नाम अब गयाजी के नाम से कर दिया गया पूरे मगध के लिए हर्ष का बात है, वहां के जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद देता हूं। और माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को आभार व्यक्त करता हूं बिहार के लगभग सभी जिले वहां के इतिहासों के नाम से ही जुड़ा हुआ है, यदि रोहतास जिले की बात हो तो यह भी रोहतास किले की इतिहास से जुड़ा हुआ नाम है जबकि रोहतास का हेड क्वार्टर सासाराम है, पर्वत श्रृंखला के नाम जिले का नाम कैमूर रखा गया है जबकि जिला मुख्यालय भभुआ है, राजा भोज के नाम पर जिले का नाम भोजपुर जिला है जो इतिहास से जुड़ा हुआ है जबकि हेड क्वार्टर आरा है, इसी तरह वैशाली और नालंदाका नाम भी ऐतिहासिक जगह के नाम पर रखा गया है जबकि इसका मुख्यालय क्रमशः हाजीपुर और विहार शरीफ हैं। इसका जीता जागता उदाहरण इसी जिला में विद्यमान है जहां ऐतिहासिक गढ़ होने के कारण प्रखंड का नाम कुटचम्बा है जबकि मुख्यालय अंबा में है । इसी तरह औरंगाबाद के ऐतिहासिक प्राचीन मंदिर देव सूर्य मंदिर के इतिहासों से औरंगाबाद का नाम जोड़ा जाए और औरंगाबाद का भी नाम देव धाम किया जाए। इसके लिए हम लोग बिहार सरकार कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग करते हैं। समाजसेवी आदित्य श्रीवास्तव ने गया को गयाजी नाम से जुड़े जाने पर पूरे मगध वासियों बधाई एवं शुभकामनाएं दी है उन्होंने यह बताया कि यह पूरे मगध की लिए गौरव का पल है यहां प्रभु श्री राम ने अपने पिता का पिंडदान दिया अब गया अपने पुराना नाम से नहीं गयाजी के नाम से जाना जाएगा, इस तरह हम सभी मांग करते हैं औरंगाबाद शहर को भी इतिहासों के तथ्य पर नाम जोड़ा जाए जो कि देव सूर्य मंदिर की इतिहासों के साथ शहर का नाम जोड़कर देवधाम या देव रखा जाए ताकि प्राचीन सूर्य मंदिर की इतिहास का प्रचार प्रसार का बढ़ावा मिल सके देव सूर्य मंदिर पूरी एशिया का सबसे प्राचीन मंदिर है सभी जिले अपने इतिहासों के साथ जुड़े हुए नाम से ही हैं। औरंगाबाद जिले के साथी मतभेद क्यों औरंगजेब के नाम पर यह जिले का नाम सही नहीं है औरंगजेब के इतिहासों से औरंगाबाद का इतिहास नहीं है इसका इतिहास प्राचीन सूर्य मंदिर से जुड़ा हुआ है इसलिए देव नाम से औरंगाबाद को जोड़ा जाए यह मांग हम लोग माननीय मुख्यमंत्री से करते हैं और जनप्रतिनिधियों से भी इसकी और ध्यान सरकार को आकर्षित करने का काम करें।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में दो रजत पदक जीतने वाले प्रिंस कुमार को समाजसेवी डॉ0 प्रकाश चंद्रा ने दी बधाई

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद - खेलो इंडिया यूथ गेम्स में दो रजत पदक जीतने वाले औरंगाबाद के लाल प्रिंस कुमार जी को डॉ॰ प्रकाश चंद्रा ने दी बधाई। साथ हीं हर संभव सहयोग दिया वचन! बिहार में चल रहे सातवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में औरंगाबाद के लाल प्रिंस कुमार ने एथलेटिक्स (दौड़) प्रतियोगिता में दो रजत पदक हासिल किया है। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, दाउदनगर के सचिव, राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष, 'हैंड्स ऑफ प्रकाश चन्द्रा' के संरक्षक एवं लोजपा (रामविलास) के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ प्रकाश चन्द्रा और प्रिंस कुमार की औरंगाबाद समाहरणालय में मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान प्रकाश चंद्रा ने युवा एथलीट प्रिंस कुमार जो उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि, हमारे भाई प्रिंस कुमार ने रजत पदक जीत कर संपूर्ण जिले और राज्य का नाम रौशन किया है। हमें हमारे युवा साथी पर गर्व है। एथेलेटिक्स के क्षेत्र में प्रिंस जी नित्य नई बुलंदियों को छुएं यही ईश्वर से प्रार्थना है। हम लोग सदैव उनके सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे।

सेवानिवृत सैन्य अधिकारी कर्नल रोहित चौधरी की अगुवाई में 24 से 31 मई तक जय हिंद सभा का होगा आयोजन

दिव्य दिनकर (पवन कुमार चौधरी)

मुंगेर। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चला कर एक बार फिर दुनिया के सामने भारत की मजबूत सैन्य व्यवस्था और भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का परिचय दिया है। भारतीय सेना ने वीरता के साथ लड़ाई लड़कर जो भारत के आम नागरिकों की सुरक्षा की है, उस वीरता के लिए कांग्रेस पार्टी भारतीय सेना को देश की जनता की तरफ से सलाम करती है। लेकिन, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पूरी घटना पर से पर्दा नहीं हटाया गया है। भारत की आम जनता जानना चाहती है कि आखिरकार जम्मू कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाके में खासकर पर्यटक क्षेत्र में जहां चारों तरफ केंद्रीय पुलिस बल की तैनाती हुआ करती है। पहलगाम अटैक के दिन आखिरकार उक्त क्षेत्र से केंद्रीय सुरक्षा बल क्यों हटा लिए गए। आखिरकार केंद्र सरकार पहलगाम अटैक मामले की पूरी घटना पर पर्दा क्यों डालना चाह रही है? इन सवालों को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर सेवानिवृत सैन्य आधिकारिक कर्नल रोहित चौधरी के नेतृत्व में देश के कई क्षेत्रों में ₹जय हिंद सभा₹ का आयोजन कर जनता के बीच पहुंचेगी और जनता के साथ मिलकर इन सवालों पर केंद्र सरकार से जवाब मांगेगी। उक्त जानकारी देते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने कहा कि आगामी 24 मई से 31 मई के बीच कांग्रेस पार्टी

कर्नल रोहित चौधरी की अगुवाई में प्रथम चरण में देश के 16 शहरों में ₹जय हिंद सभा₹ करेगी। इन सभाओं में हमारे सैनिकों की वीरता को नमन किया जाएगा। सभा के माध्यम से आम जनता के सहयोग से केंद्र की मोदी सरकार से अनुरोध किया जाएगा कि वह लोगों को बताए कि पहलगाम हमला कैसे हुआ और हमने कैसे 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया? आम जनता के साथ मिलकर इस सवाल का भी जवाब केंद्र सरकार से मांगा जाएगा कि आखिरकार चारों तरफ से सुरक्षा व्यवस्था से लैस पहलगाम जैसे पर्यटक क्षेत्र में सुरक्षा घेर को भेदते हुए आतंकवादी कैसे प्रवेश करते हैं ? सरकार से यह भी पूछा जाएगा कि जिस वक्त पहलगाम में आतंकवादी पर्यटकों को चुन-चुन कर मार रहे थे, उक्त समय में कोई भी सुरक्षा बल पर्यटकों की जान बचाने के लिए आखिरकार क्यों नहीं पहुंच पाया? सरकार से पूछे जाने वाले सवालों में तीसरे महत्वपूर्ण सवाल के रूप में रखा जाएगा कि डिजिटल इंडिया की इस दौड़ में भी उन आतंकवादियों की एक भी तस्वीर क्यों नहीं उपलब्ध हो पाई है? सवालों की इस कड़ी में सबसे आखरी और महत्वपूर्ण सवाल सरकार से यह भी पूछा जाएगा कि पहलगाम में आतंकी घटना को अंजाम देने के उपरांत ये आतंकवादी आखिरकार किस सुरक्षित रास्ते का प्रयोग कर वहां से निकल गए? कांग्रेस सोशल मीडिया प्रकोष्ठ के नेता सुरेश यादव ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा पहले चरण के तहत 16 शहरों में चलाई जाने वाले जय हिंद सभा के माध्यम से केंद्र सरकार से पूछे गए सवालों का जवाब नहीं मिलने पर पार्टी अगले चरण में देश के अन्य हिस्सों में भी ₹जय हिंद सभा₹ का आयोजन करेगी। या सिलसिला तब तक जारी रहेगा जब तक की सरकार ओम जनता के इन सवालों का जवाब नहीं दे देती है।

संक्षिप्त समाचार

मान कुमारी बद्रीनारायण सरस्वती शिशु मंदिर के दसवीं के सीबीएसई में सभी विद्यार्थी सफल

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के मान कुमारी बद्रीनारायण सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 10वीं के परीक्षा का परिणाम घोषित होने पर विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत सफल रहा। सभी विद्यार्थियों ने परीक्षा में उत्तीर्णता हासिल की। विद्यालय के प्रधानाचार्य परशुराम ओझा एवं विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह उर्फ बब्लू बाबू ने बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों से लगातार इस विद्यालय द्वारा दसवीं की परीक्षा में सभी विद्यार्थी बेहतरीन परिणाम लाकर विद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं साथ ही साथ ग्राम जम्होर के लोग भी गौरवान्वित हैं कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय द्वारा जिस तरह की शिक्षा दी जा रही है वह आने वाले भविष्य में एक मील का पत्थर साबित होगा।

अरुणा देवी हत्याकांड का पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

प्रेम प्रसंग बना मौत की वजह

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

टेटियाबंबर थाना क्षेत्र की टेटिया कुशवाहा टोला निवासी अरुणा देवी की गुमशुदगी और निर्मम हत्या के रहस्य से पुलिस ने पर्दा उठा दिया है। 4 मई से लापता अरुणा देवी का शव 9 मई को हरपुर थाना क्षेत्र के अफजल नगर पंचायत स्थित कल्याणपुर गांव स्थित पुरानी सकरी नदी से सड़ी-गली हालत में बरामद किया गया था। अब पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी अनिल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। छह महीने का अवैध संबंध बना हत्या की वजह प्रेस वार्ता में एसडीपीओ सिंधु शेखर सिंह ने बताया कि मृतका के पति पंकज कुमार के जेल जाने के बाद अरुणा देवी का गांव के ही अनिल सिंह के साथ प्रेम संबंध हो गया था। बीते छह महीनों से दोनों के बीच लगातार बातचीत और मुलाकातें हो रही थीं। लेकिन जब अरुणा ने अनिल पर शादी का दबाव बनाना शुरू किया, तो वह बौखला उठा। समाज में बदनामी के डर से उसने प्रेमिका को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। खेत में बुलाकर की गला घोंटकर एवं चाकू से गला काट कर की हत्या घटना वाले दिन आरोपी ने अरुणा को गांव से दूर कल्याणपुर बहियार के एक खेत में बुलाया। पहले कुछ देर बातचीत की, फिर मौका पाकर दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। पहचान मिटाने के लिए उसके कपड़े उतार दिए और चाकू से गला रेत दिया। हत्या के बाद कपड़े बसबिट्टी में फेंक दिए और चाकू को खेत में गड्ढा खोदकर छिपा दिया।

वैज्ञानिक अनुसंधान से खुली गुत्थी

पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान के तहत घटनास्थल के पास से हत्या में प्रयुक्त चाकू और मृतका के मोबाइल का सिम कार्ड खुदिया नहर मोड़ के पास से बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना अध्यक्ष और पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका इस पूरे मामले की जांच और खुलासे में थाना अध्यक्ष सोनू कुमार, एएसआई धर्मेंद्र पासवान, संजीव सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका अहम रही। वहीं आरोपी ने अपने बयान में बताया कि मृतक महिला अरुणा देवी से फोन पर बातचीत होती थी और एक दूसरे से मिलना जुलना भी होता था। इसी बीच महिला का पति आर्म एक्ट में जेल चला गया और वो हम से शादी कर साथ रहने का दबाव बनाने लगी। समाज के बदनामी के डर के कारण उसे चुपके से बुला की उसकी हत्या कर दिया ।

दो नए खेल मैदानों का ऑनलाइन डीएम ने किया उद्घाटन

ग्रामीण युवाओं को मिलेगा खेल का नया मंच

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

जिलाधिकारी अवनीश कुमार ने तारापुर प्रखंड के अफजलनगर और धोबई पंचायत में बने दो खेल मैदानों का ऑनलाइन उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर डीआरडीए निदेशक अंजनी कुमार,अमरेश कुमार को पंचायत की मुखिया प्रियंका कुमारी ने बुके देकर उनका स्वागत किया। डीएम ने अफजलनगर पंचायत के +2 उत्क्रमित उच्च विद्यालय खुदिया और धोबई पंचायत के आरएनएन उच्च विद्यालय रणगांव में बने खेल मैदान का उद्घाटन मुख्यालय से किया।मौके पर डीआरडीए निदेशक अंजनी कुमार,अमरेश कुमार ने शिलापट्ट का पर्दा हटाकर व नारियल फोड़कर खेल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में डीपीओ साहब यादव, पीओ अब्दुल गफूर, बीइओ कुमारी कंचन लता, कनीय अभियंता महेश कुमार, पंचायत रोजगार सेवक रंजीत कुमार झ, मुखिया कन्हैया लाल तांती सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। विद्यालय के बच्चों में खेल मैदान के उद्घाटन को लेकर खासा उत्साह दिखा। बच्चों ने बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल जैसे खेलों में भाग लिया। जिलाधिकारी ने पंचायतवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल मैदानों का निर्माण युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देगा। सरकार गांवों को स्पोर्ट्स विलेज के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। मनरेगा योजना के तहत हर पंचायत में करीब 10 लाख रुपये की लागत से एक-एक खेल मैदान बनाया जा रहा है। इनमें से अधिकतर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उद्घाटन कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि अजित कुमार, अकाउंटेंट आदित्य झा, बिक्रम कुमार, चेतन सिंह, विकास यादव, सुनील यादव, बमबम यादव, स्वच्छता पर्यवेक्षक बिरेन्द्र कुमार मंडल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और ग्रामीण मौजूद थे। अफजलनगर में खेल मैदान का उद्घाटन

कांग्रेस विधानसभा प्रभारी प्रज्ञा सिंह की मौजूदगी में मनाया गया पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का बलिदान दिवस

कांग्रेस विधानसभा प्रभारी प्रज्ञा सिंह की मौजूदगी में मनाया गया पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का बलिदान दिवस

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

मुंगेर। जिला कांग्रेस मुख्यालय तिलक मैदान मुंगेर में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बलिदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो शकील अहमद की अध्यक्षता में तथा संचालन भारतीय कांग्रेस सेवा दल के उत्तर प्रदेश इकाई के प्रभारी प्रो डॉ देवराज सुमन ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में कांग्रेस नेताओं ने भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रो डॉ देवराज सुमन ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी के शासन काल में ही दूर संचार क्रांति का आगाज हुआ। इस क्रांति का ही परिणाम है कि हम भारतवासी अपनी रोज मर्रा की जिंदगी में इस क्रांति का भरपूर लाभ पा रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मो शकील अहमद ने कहा कि राजीव गांधी के शासन काल में देश की राजनीति में जोड़ने के लिए युवा वर्ग को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की आयु में मतदान करने का अधिकार दिया। इस दौरान जिला कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह के द्वारा तीन स्वयं सेवकों को सेवादल की विधिवत सदस्यता ग्रहण करवाई गई और दो जोनल पदाधिकारी को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। मौके पर मौजूद कार्यालय सचिव रमाशंकर सिंह, अजीत मालाकार, ओम प्रकाश शाह, ब्रह्मदेव चौरसिया, राजकुमार मंडल ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदानों पर चर्चा किया। वहीं, जमालपुर नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान

में मारवाड़ी धर्मशाला परिसर में कांग्रेस कार्यकताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से नियुक्त जमालपुर विधानसभा प्रभारी प्रज्ञा फिलिप्स ने भारत रत्न राजीव गांधी के योगदानों को याद करते हुए कहा कि राजीव गांधी द्वारा ग्राम पंचायतों को दिए गए अधिकार और विकास योजनाएं आज भी सफल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कमलेश्वरी मंडल ने कहा कि आज जनता से जुड़ी योजनाओं का लाभ शत प्रतिशत जनता तक पहुंचाने की दिशा में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने जो व्यवस्था बनाई उसी के आधार पर आज योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है। उधर, धरहरा प्रखंड में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित स्वर्गीय राजीव गांधी जी का पुण्यतिथि कार्यक्रम मोहनपुर में आयोजित किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के पुण्यतिथि पर जमालपुर विधानसभा प्रभारी प्रज्ञा ने धरहरा प्रखंड के विभिन्न गांव का दौरा कर कांग्रेस पार्टी की बैठक का जन संवाद कार्यक्रम चलाया। इस दौरान प्रभारी प्रज्ञा ने कांग्रेस संगठन को हर पंचायत में मजबूत करने की बात कही। उन्होंने माताडीह, सारोबाग, ईटवा, अमारी, औड़ाबगीचा तथा धरहरा दक्षिण पंचायत में जाकर कांग्रेस कार्यकर्ता सहित आमजनों से मिलकर जमालपुर विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान कांग्रेस के विधायक डॉ अजय कुमार सिंह के चार वर्षों के कार्यकाल की जानकारी ली। उन्होंने आमजनों से मिलकर वर्तमान विधायक के द्वारा किए गए कार्यों की भी जानकारी ली। साथ ही, जनता के बीच कांग्रेस के वर्तमान विधायक की क्षवि कैसी है, इससे भी अवगत हुई। इस दौरान ईटवा में युवा जिलाध्यक्ष अनुप राज उर्फ बिस्टू सिंह के आवास पर बैठक की गई। तथा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई। वहीं ईटवा में संजय मिश्रा ने जमालपुर विधानसभा प्रभारी प्रज्ञा सिंह को अंगवस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया। मौके पर अशोक कुमार चौधरी, नंद कुमार साव, छोटू मिश्रा, अमर मिश्रा सहित दर्जनों कांग्रेसी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

डीएम साहब : सहायक शिक्षिका गीतांजलि को आखिर कब मिलेगा नियुक्ति पत्र

शिक्षक नियोजन वित्तीय वर्ष 2008 - 09 के काउंसिलिंग में शिक्षा माफिया का कारनामा

न्याय के लिए सात वर्ष से चक्कर काट रही वास्तविक गीतांजलि

वर्ष 2017 में निगरानी विभाग के जांच के बाद मामला का उद्भेदन

फर्जी बहाल शिक्षिका गीतांजलि का वास्तविक नाम शोभा कुमारी, कई माह जेल में रही, हाईकोर्ट से मिली जमानत

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर कोर्ट : शिक्षा नियोजन वर्ष 2008 के काउंसिलिंग वर्ष 2009 में सहायक शिक्षक के पद पर जमालपुर निवासी गीतांजलि देवी पति संजय मंडल के नाम से नियुक्त पत्र निर्गत हुई । इसी दौरान शिक्षा माफिया के जाल एवं षड्यंत्र के कारण वे नौकरी से वंचित हूई और उसके बदले असरगंज के माछीडिह गांव के शोभा कुमारी पति स्व.अजीत कुमार सिंह कथित रूप से गीतांजलि देवी के नाम से मध्य विद्यालय चाखंड असरगंज में सहायक शिक्षिका के पद पर नियुक्ति हो गई। वर्ष 2017 में निगरानी के जांच के बाद मामला का पदार्फाश हुआ और वास्तविक गीतांजलि देवी(जमालपुर)सात वर्षों से नियुक्त पत्र पाने हेतु चक्कर काट रही है। उन्होंने जिला पदाधिकारी, प्रमंडलीय आयुक्त, जिला कार्यक्रम समन्वयक, बिहार शिक्षा परियोजना मुंगेर, शिक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री बिहार सरकार, अध्यक्ष, विधानसभा के आलावा अन्य से भी गुहार लगा चुकी है लेकिन, अब तक उन्होंने नियुक्ति पत्र नहीं मिला। वहीं, जमालपुर के गीतांजलि के नाम एवं शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक तथा अनुभव प्रमाण पत्र पर गलत ढंग से मध्य विद्यालय चाखंड , असरगंज में नियोजित कथित शिक्षिका गीतांजलि देवी वास्तविक नाम शोभा कुमारी असरगंज निवासी को पुलिस ने 2 अगस्त 2024 को हिरासत में लिया।

कई माह जेल में बिताने के बाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद कथित गीतांजलि देवी जेल से मुक्त हुई।

नालसी वाद ,पांच वर्ष के बाद एफआईआर में बदला

पीड़िता गीतांजलि देवी ने वर्ष 2018 में नालसी वाद संख्या 111/2018 दायर की। पांच वर्ष तक कानूनी लड़ाई के बाद कथित गीतांजलि देवी के विरुद्ध मे असरगंज थाना में प्राथमिकी कांड संख्या 172/2022 दर्ज हुई लेकिन ,बीते दो वर्ष से भ्रष्ट लोक सेवकों एवं शिक्षा माफिया के विरुद्ध अब तक अनुसंधान पुरा नहीं हुआ है।

निगरानी जांच के बाद मामला का पदार्फाश

शिक्षक नियोजन वर्ष 2008 में गलत ढंग से नियुक्त नियोजित शिक्षक एवं शिक्षिका के विरुद्ध मे वर्ष 2017 में पुलिस अवर निरीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के जांच प्रभारी (जिला -मुंगेर) रहमत अली ने जिले के सभी नियोजित शिक्षकों का शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण पत्र की जांच किया। इसी दौरान निगरानी विभाग ने प्राथमिक विद्यालय, सीताराम कन्या पाठशाला, जमालपुर में पहुंच कर ट्रेनिंग प्राप्त असरगंज में पदस्थापित शिक्षिका गीतांजलि देवी का प्रमाणपत्र एवं संचिका का जांच किया तो जमालपुर निवासी गीतांजलि देवी को पता चला कि उसके नाम एवं कागजात पर असरगंज निवासी कथित महिला गीतांजलि देवी वास्तविक नाम शोभा कुमारी मध्य विद्यालय, चाखंड ,असरगंज में नौकरी कर रही है। तब से वे नियुक्ति पत्र पाने के लिए चक्कर लगा रही है। अब वे आरटीआई एक्टिविस्ट व अधिवक्ता ओम प्रकाश पोद्दार से न्याय दिलाने के लिए गुहार लगाई है। पोद्दार ने बताया कि इस मामले में संबंधित पदाधिकारी से आरटीआई से जानकारी मांगी जाएगी, ताकि गीतांजलि देवी को न्याय मिल सकें।

सात सूत्री मांगों के समर्थन में पांच दिवसीय सामूहिक हड़ताल आशा कार्यकर्ता

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

तारापुर बिहार राज्य आशा संघ गोप गुट के आह्वान पर प्रखंड की आशा कार्यकर्ता मानदेय भुगतान सहित सात सूत्री मांगों के समर्थन में पांच दिवसीय सामूहिक हड़ताल पर चली गई है।बुधवार को अपने लंबित मांगों के समर्थन में आशा कार्यकताओं ने अनुमंडल अस्पताल तारापुर प्रांगण में प्रदर्शन करते हुए इमरजेंसी छोड़कर ओपीडी को पूर्णतः बंद करा दिया तो सरकार विरोधी नारेबाजी की। जिसमें हमारी मांगे जायज है, हम अपनी मांगे कैसे लेंगे, लड़कर लेंगे लड़कर लेंगे ,प्रोत्शाहन राशि नहीं मानदेय देना होगा जैसे नारे लगा रही थी।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही संघ की अध्यक्षा प्रेमलता कुमारी ने बताया कि वर्ष 2023 में आशा कार्यकर्ता संघ ने एक माह की हड़ताल की थी। सरकार ने हमारी मांगों में आशा कार्यकताओं फैसिलिटरों को 1,000 मासिक मानदेय भुगतान की बात कही थी। मासिक मानदेय भुगतान राशि 1000 से बढ़ाकर ढ़ाई हजार कर दिया गया, लेकिन 2 साल बीत जाने के बावजूद अब तक उसका भुगतान नहीं हो पाया है।जिसे लेकर संघ के आह्वान पर पांच दिवसीय सामूहिक हड़ताल किया जा रहा है। बताया कि आशा कार्यकताओं को 10,000 की अतिरिक्त राशि मुहैया कराने की मांग भी कयी है। साथ ही आशा कार्यकर्ता एवं फैसिलिटेटर को 65 वर्ष में सेवानिवृत्ति दी जाए तथा सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपए का भुगतान का प्रावधान किया जाए।आशा व फैसिलिटेटर को देय राशि का भुगतान पोर्टल के माध्यम से किया जाए।उधर आशा कार्यकताओं की सामूहिक हड़ताल से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण और बंध्याकरण सहित कई अन्य कार्य ठप हो गए हैं। मौके पर विनीता कुमारी,प्रतिभा देवी,संगीता कुमारी,पूनम कुमारी,अफसरी खातून,वीणा कुमारी,रंजू कुमारी,मंजू देवी,रूबी कुमारी सहित दर्जनों आशा कार्यकर्ता मौजूद थी।

मुंगेर में काली मंदिर के रास्ता निर्माण को लेकर दबंगों ने जेसीबी से तोड़ा शिक्षा का 'मंदिर' , आक्रोश

समाचार संकलन करने गए मीडिया कर्मियों का दबंगों ने मोबाइल छीनने का किया प्रयास

स्थानीय लोगों में आक्रोश,

दबंगों के भय से कोई मुंह खोलने को तैयार नही

मध्य विद्यालय फुलकिया बरियारपुर की घटना

रंजीत कुमार विद्यार्थी

बरियारपुर(मुंगेर) : मुंगेर जिला अंतर्गत बरियारपुर प्रखंड के फुलकिया गांव में कुछ सामंती सोच के दबंगों द्वारा मध्य विद्यालय फुलकिया बरियारपुर का रसोई भवन और चार दिवारी को रात्रि में जेसीबी मशीन से तोड़कर कर काली मंदिर जाने का रास्ता बनाने का सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। विद्या के मंदिर को तोड़ने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है लेकिन कुछ सामंती सोच के दंबगई के कारण लोग कुछ बोलने को तैयार नहीं है। लेकिन यह घटना बरियारपुर में हवा की तरफ फैल गया हैं। इस सम्बन्ध में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आरती विश्वकर्मा और सचिव अंबिका देवी के लिखित शिकायत पर बरियारपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अज्ञात लोगों को के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया गया हैं। इसकी जानकारी बरियारपुर थानाध्यक्ष वीरभद्र सिंह ने दी । पुलिस घटना की जांच में जुट गई हैं ।

क्या है घटना

बरियारपुर प्रखंड के मध्य विद्यालय फुलकिया की प्रधानाध्यापिका आरती विश्वकर्मा जब सुबह में विद्यालय पहुंची तो विद्यालय के पूर्वी भाग का दीवार टूटा हुआ था। पूर्वी भाग में दो कमरे का भवन भी पूरी तरह जमींन दोज था। एनएच 80 के तरफ का दीवार भी करीब 30 फीट से अधिक तोड़ दिया गया था। प्रधानाध्यापिका आरती विश्वकर्मा ने इसकी जानकारी डीपीओ को दिया तथा इसकी लिखित शिकायत विधालय के सचिव अंबिका देवी के संयुक्त हस्ताक्षर से बरियारपुर थाना में किया । दर्ज प्राथमिकी में आरोप। लगाया गया की जब वे सोमवार को सुबह में विद्यालय पहुंची तो विद्यालय का कीचन रूम का दो कमरा और चार दिवारी जेसीबी मशीन से रविवार की रात में ही ध्वस्त कर दिया गया था। यह कार्य किसी अज्ञात लोगों ने किया हैं। विद्यालय का भवन तथा चार दिवारी तोड़ने का मुख्य कारण यह है कि विद्यालय के पीछे वाले भाग में श्री मंगला काली मां का मंदिर बनाया जा रहा है। मंदिर जाने का रास्ता पूर्व में विद्यालय के पश्चिमी भाग की तरफ से जाता था। लेकिन मंदिर को सीधा एनएच - 80 से जोड़ने के लिए विद्यालय के भवन तथा चार दिवारी तो तोड़ दिया गया। बिना

किसी के अनुमति से विद्यालय के भवन को तोड़ने का कोई नियम नहीं हैं। मंदिर जाने के लिए विद्यालय की भवन को दंबगई से तोड़ा गया हैं।

भवन टूटने से मध्याह्न भोजन बंद

विद्यालय परिसर स्थित जिस दो कमरे के भवन को तोड़ा गया हैं उस भवन में बच्चों का मध्याह्न भोजन बनता था। लेकिन सोमवार से भोजन बंद हैं। भवन तथा दीवार तोड़ने से मध्याह्न भोजन का बनाने का बहुत समान भी नष्ट हो गया हैं। विद्यालय के शिक्षक भी असुरक्षित महसूस कर रहा है। कुछ दबंगों द्वारा विद्यालय के अन्य शिक्षिका को भी कही शिकायत नहीं करने की धमकी दिया हैं।

क्या है नियम

विद्यालय के भवन तथा चार दिवारी को बिना शिक्षा विभाग के अनुमति का तोड़ने का कोई नियम नहीं हैं । यह विद्यालय कई दशकों से कार्यरत हैं। विद्यालय के जमीन पर निर्माणधीन मंगल काली मंदिर जाने के लिए रास्ता बनाने का कोई सरकारी नियम नहीं है। सिर्फ कुछ सामंती सोच के दबंगों द्वारा धर्म के नाम पर विद्यालय के मन्दिर को तोड़ने का काम किया गया है। वर्तमान में यह विद्यालय में बच्चों का पढ़ाई का कार्य पश्चिमी भाग के भवन में होता है। लेकिन खाना बनाने का कार्य पूर्वी भाग में बना दो कमरे के भवन में होता था। -----------

मंगलवार को निर्माण कार्य था जारी

विद्यालय के भवन और चार दिवारी को तोड़ने के बाद भी सामंती सोच के दबंगों का दबंगई कम नहीं हुआ था। थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी विधालय के बगल से मंदिर के चार दिवारी का काम युद्ध स्तर पर चल रहा था। जबकि स्थानीय पुलिस प्रशासन किसी भी प्रकार का विद्यालय के जमीन पर निर्माण कार्य करने पर रोक लगा रखा था। लेकिन जब मंगलवार को दिन मे बरियारपुर के पत्रकारों ने घटना की फोटो सहित अन्य जानकारी लेने पहुंचे, तो तीन चार की संख्या में दबंगों ने पहले तो फोटो खींचने से मना किया। जब पत्रकार फोटो खींचने लगे, तो कोई मोबाइल छीनने का प्रयास किया । लेकिन जब पत्रकार उन लोगों से सवाल करने लगा तथा अड़ गए तब सामंती सोच के दबंगों का होश ठिकाने लग गया।

स्थानीय लोग मुंह खोलने से भयभीत

मध्य विद्यालय फुलकिया बरियारपुर में सबसे अधिक अनुसूचित जाति और ओबीसी वर्ग के बच्चे पढ़ते है। धर्म के ठेकेदारों और सामंती सोच के दबंगों का अधिकांश बच्चा निजी विद्यालय में पढ़ता था। विद्यालय के भवन और चार दिवारी तोड़ने को घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लेकिन इन दबंगों के समाने कोई मुंह खोलने को तैयार नहीं है। कुछ लोगों द्वारा विद्यालय का भवन और दीवार तोड़ने की घटना का फोटो और वीडियो जरूर वायरल किया हैं। गौरतलब है कि इस विद्यालय में करीब 200 से अधिक बच्चा पढ़ता है।

क्या बोले डीपीओ

बरियारपुर के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह डीपीओ आनंद वर्मा ने कहा कि मध्य विद्यालय फुलकिया बरियारपुर का कीचन भवन तथा चार दिवारी तोड़ने की जानकारी मिला है। यह गलत ढंग से तोड़ा गया है। इस सम्बन्ध में प्रधानाध्यापिक को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है।

बोले थानाध्यक्ष

बरियारपुर थानाध्यक्ष वीरभद्र सिंह ने कहा कि विद्यालय के प्रधानाध्यापिका के लिखित शिकायत पर अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया है। विद्यालय के जमीन पर किसी भी प्रकार का कार्य करने पर रोक लगाया है। इस घटना में शामिल असमाजिक तत्वों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने विनियमन एवं स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन का किया आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना चाहिए। सीतारमण ने नियामक से बाजार में होने वाले बदलावों का अनुमान लगाने और प्रासंगिक बने रहने का आग्रह किया। सीतारमण ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 16वें वार्षिक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नियामक ढांचे को ऐसे विलयों के लिए त्वरित अनुमोदन की सुविधा प्रदान करनी चाहिए जो प्रतिस्पर्धी प्रथाओं को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने बाजार में होने वाले बदलावों का पूर्वानुमान लगाने और निष्पक्ष व्यवहार को बढ़ावा देने में सीसीआई की भूमिका पर भी जोर दिया।कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री के रूप में सीतारमण ने बाजार में बदलावों के अनुकूल ढलने में सीसीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा कि विनियमनों को तेजी से मंजूरी सुनिश्चित करनी चाहिए, जहां प्रतिस्पर्धा को खतरा न हो। इस कार्यक्रम में खरीद अधिकारियों के लिए टूलकिट भी जारी की गई। इस अवसर पर सीसीआई की अध्यक्ष रवनीत कौर भी मौजूद थीं। सीसीआई के 16वें वार्षिक दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना चाहिए।

आईएएस विनय चौबे ने पद का दुरुपयोग कर 38 करोड़ का पहुंचाया नुकसान-एसीबी

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शराब घोटाले के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी (9/25) में अधिकारियों पर पद का दुरुपयोग कर सरकार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में एसीबी ने तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे और संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि इन अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्लेसमेंट एजेंसियों के चयन में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। आपराधिक साजिश रच कर, जालसाजी कर प्लेसमेंट एजेंसी को अनैतिक लाभ पहुंचाया, जिससे सरकार को लगभग 38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एसीबी के मुताबिक जांच के दौरान मिले साक्ष्य के आधार पर मंत्रीमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग से अनुमति मिलने के बाद इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें अभियुक्तों को आइपीसी की धारा 120बी, 420, 467, 468, 471, 409, 407, 109, (बीएनएस की धारा 61(2), 318, 336, 340, 316, 45) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(सी)/12, 13 (2) सह पठित धारा 13(1)(ए) के तहत आरोपित किया गया है।

देश में खाद्यान्न की महंगाई से रहेगी राहत, आगामी महीनों में भी नहीं सताएंगे बढ़े दाम; गेहूं की बंपर फसल

नई दिल्ली। देश के लोगों को खाद्यान्न की महंगाई नहीं सताएगी। बंपर पैदावार और मुद्रास्फीति का ऐतिहासिक रूप से 42 माह में सबसे निचले स्तर पर होना बताता है। देश खाद्यान्न के मामले में सक्षम है और भंडार भरे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन इस बार भी बंपर है। इसलिए निकट भविष्य में भी स्थितियां सामान्य रहने वाली है। देश में अप्रैल में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स सबसे कम 1.78 फीसदी था। इससे पहले यह अक्तूबर 2021 में 0.85 फीसदी सबसे कम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में खाद्यान्न की कीमतों में निकट भविष्य में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी नहीं होगी। इसके अलावा देश में चालू रबी मार्केटिंग सीजन में अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद तय लक्ष्य से कम रहने वाली है। किंतु यह चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह तय लक्ष्य से थोड़ी ही कम है। किसानों को उनकी फसल का भरपूर दाम मिला है। निजी कंपनियों ने किसानों से खूब खरीदी की है। देश के सरकारी गोदामों में 382.22 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। अक्टूबर नवंबर से नई फसल आ जाएगी, जिसके पूर्वानुमान भी काफी अच्छे होने की उम्मीद है।

टोरेंट फार्मा की चौथी तिमाही में राजस्व और मुनाफे में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। औषधि निर्माता कंपनी टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही और पूरे वर्ष के लिए अपने वित्तीय नतीजे जारी किए हैं, जिसमें कंपनी ने स्थिर प्रदर्शन के साथ जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में कंपनी का कुल राजस्व 2959 करोड़ रुपये रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इस दौरान कर के बाद शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 498 करोड़ रुपये हो गया जबकि परिचालन ईबीआईटीडीए नौ प्रतिशत की बढ़त के साथ 964 करोड़ रुपये रहा। असाधारण मदों और इन्वेंट्री पुनर्मूल्यांकन को समायोजित करने के बाद ईबीआईटीडीए 981 करोड़ रुपये रहा, जो 11 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने 11 हजार 516 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 1911 करोड़ रुपये पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में एक्रेशन फार्मा की कमजोर एंट्री से निराशा, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट के बावजूद घाटे में निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। हेल्थकेयर प्रोडक्ट और दवाइयां बनाने वाली कंपनी एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। हालांकि कमजोर लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर अपर सर्किट तक पहुंच गए। इसके बावजूद निवेशकों के नुकसान की भरपाई नहीं हो सकी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 101 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 21.78 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 79 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 82.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इसके बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 17.87 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा है। एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स का 29.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 मई

के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.67 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 12.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 10.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 29.46 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स खरीदने, मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 8 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10 लाख रुपये हो गया। हालांकि इसके बाद कंपनी के कारोबार में जोरदार तेजी आई, जिसके कारण 2023-24 में इसका शुद्ध लाभ 3.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल में 8 माह के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में उत्पादन की वृद्धि दर अप्रैल में सुस्त रहने से आठ महीने के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर आ गई है। पिछले साल इसी अवधि में इन उद्योगों में 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। मार्च में इन बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 4.6 फीसदी बढ़ा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार जारी आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में कच्चे तेल, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई है। इससे पहले प्रमुख उद्योगों की कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई थी। उस समय इन बुनियादी क्षेत्रों के उत्पादन में 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी।

देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों यानी कोर सेक्टर 40 फीसदी भार होता है। इन आठ प्रमुख उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र शामिल है।

प्रहलाद जोशी ने डिपो दर्पण, अन्न मित्र और अन्न सहायता ऐप किया लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में डिपो दर्पण, अन्न मित्र और अन्न सहायता ऐप लॉन्च किए। ये ऐप डिजिटल नवाचार के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने के सरकार के उद्देश्य से जुड़े हैं। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने ऐप के लॉन्चिंग के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा की गई पहलों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिपो दर्पण, अन्न मित्र और अन्न सहायता से डिजिटल पहल के रूप में पीएमजीकेएवाई लाभार्थियों को सशक्त बनाएंगे, अंतिम मील वितरण को मजबूत करेंगे और सार्वजनिक वितरण और खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को सुव्यवस्थित

करेंगे। जोशी ने कहा कि हमारा उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिपो दर्पण में प्रक्रिया दक्षता, आय वृद्धि और अनुकूलित स्थान उपयोग के जरिए भारतीय खाद्य निगम और केंद्रीय भंडारण निगम में करोड़ों की बचत की संभावना है। केंद्रीय मंत्री ने भारत के व्यापक पीडीएस बुनियादी ढांचे को भी रेखांकित किया, जिसमें बताया गया कि 5.38 लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के साथ, देश का वितरण नेटवर्क कुछ देशों की आबादी से भी बड़ा है।

केंद्र ने बिजली उपकरणों पर गुणवत्ता आदेश लागू करने की समय-सीमा मार्च तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हितधारकों के परामर्श के बाद कुछ बिजली उपकरणों पर अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को लागू करने की समय-सीमा को एक साल बढ़ाकर मार्च कर दी है। क्यूसीओ घरेलू तथा वाणिज्यिक सहित ज्यादातर बिजली उपकरणों पर लागू होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने घरेलू, वाणिज्यिक एवं समान विद्युत उपकरणों की सुरक्षा (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2025 के कार्यान्वयन की समय-सीमा बढ़ा दी है। मंत्रालय ने कहा कि कारोबारी सुगमता के लिए उक्त क्यूसीओ अब 19 मार्च, 2026 से लागू होगा। डीपीआईआईटी ने कहा कि यह निर्णय 15 मई, 2025 को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। बैठक में घरेलू और वाणिज्यिक बिजली उपकरणों की सुरक्षा को लागू करने की समय-सीमा बढ़ाने के अनुरोध पर विचार करने के लिए सहमति जताई थी। डीपीआईआईटी ने कहा कि ये आदेश उन बिजली उपकरणों पर लागू नहीं होगा, जो

लेकर 15 मई को हितधारक परामर्श बैठक में चर्चा की गई थी। इस बैठक में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग की चिंताओं को स्वीकार किया और क्यूसीओ को किसी अन्य क्यूसीओ के दायरे में आते हैं। इसके अलावा क्यूसीओ को लागू करने के लिए छोटे उद्यमों को तीन महीने और सूक्ष्म उद्यमों को छह महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है।

श्री लोटस डेवलपर्स, जारो इंस्टीट्यूट सहित 6 कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई स्थित जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड, श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी, कैलिबर माइनिंग, जेम एरोमैटिक्स, जेनसन इंडस्ट्रीज और यूरो प्रतीक सहित छह कंपनियों को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है।पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। इन सभी कंपनियों ने कुल मिलाकर कम से कम 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य बनाया है। सेबी को अक्टूबर, 2024 और जनवरी, 2025 के बीच इन कंपनियों से आईपीओ के दस्तावेज मिले थे।मुंबई स्थित जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड कंपनी की योजना

आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 570 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड के आईपीओ में 170 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और प्रमोटर संजय नामदेव सालुंखे द्वारा 400 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। बॉलीवुड स्टार्स और आशीष कचोलिया समर्थित श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड एक रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी है जो अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 792 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने 24 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का एक रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 792 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री-प्रस्ताव घटक नहीं है। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ओवरबर्डन रिमूवल, कोल एक्सट्रैक्शन और कोल लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन करने वाले शीर्ष 10 खनन ऑपरेटरों में से एक है जो अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से 600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है।

भारत-अमेरिका ने व्यापार समझौते के पहले चरण को शीघ्र पूरा करने पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बातचीत का दौर जारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वॉशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत में तेजी लाने के लिए चर्चा की। पीयूष गोयल व्यापार समझौते की वार्ता की प्रगति की समीक्षा के लिए मंत्री स्तरीय बैठक के लिए इस समय वॉशिंगटन में हैं। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण में तेजी लाने की दिशा में वाणिज्य सचिव (अमेरिकी वाणिज्य मंत्री) हावर्ड लुटनिक के साथ सार्थक चर्चा हुई। मंत्री स्तरीय बैठक के बाद दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच 22 मई तक विचार-विमर्श होगा। भारत और अमेरिका के बीच प्रस?तावित ट्रेड डील के मुद्दे पर यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश इस वर्ष शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक व्यापार

समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की संभावना तलाश रहे हैं। दोनों देशों के बीच वार्ता में जिन मुख्य मुद्दों पर चर्चा होगी, उनमें बाजार पहुंच, उत्पत्ति के नियम और गैर-शुल्क बाधाएं भी शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता पर चर्चा के लिए मार्च में भी वॉशिंगटन गए थे।

उत्पादन लागत मानदंड अधिक सटीक आकलन में मदद करेंगे : रवनीत कौर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा कि उत्पादन लागत के नए मानदंडों से अधिक सटीक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इसे लागू करने के परिणामों को तय करना बहुत आसान होगा। रवनीत कौर ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित सीसीआई के 16वें वार्षिक दिवस के अवसर पर अपने स्वागत भाषण में यह बात कही। सीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल बाजार में तेजी से बदलाव आ रहा है। पहले कदम उठाने का लाभ बहुत जल्दी ही ठोस रूप ले लेता है। इस तरह के आचरण को देखने में संतुलन रखने की आवश्यकता है, जहां दृष्टिकोण साक्ष्य-आधारित, आनुपातिक और कठोर आर्थिक विश्लेषण पर

आधारित हो।सीसीआई प्रमुख ने अपने संबोधन में सीसीआई की 16 वर्षों की यात्रा पर विचार व्यक्त किया और भारत में प्रतिस्पर्धा प्रवर्तन व्यवस्था में हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराया। रवनीत कौर ने कहा, हमारे पास एल्गोरिदमिक निर्णय लेने और पहले कदम उठाने वाले लोगों द्वारा स्वयं को प्राथमिकता देने की संभावना है। कौर ने कहा कि लागत निर्धारित करने के लिए एक सुसंगत दृष्टिकोण रखना बहुत जरूरी है, खासकर जब बात डिजिटल बाजारों और प्लेटफॉर्म पर शिकारी मूल्य निर्धारण और भारी छूट की हो। इससे पहले केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के 16वें वार्षिक दिवस समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उल?लेखनीय है कि सीसीआई एक वैधानिक निकाय है, जो भारत में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए जिम्मेदार है। यह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत कार्य करता है।

भारत ने ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में समावेशी ऊर्जा प्रशासन का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने एक स्थायी और समावेशी ऊर्जा भविष्य के निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की और अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना विषय के तहत ब्राजील के नेतृत्व की सराहना भी की।

केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने 19 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस बैठक में उन्होंने वैश्विक विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच और सामर्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। मनोहर लाल ने ब्रिक्स देशों को भारत में 2026 में आयोजित होने वाले अगले ब्रिक्स ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और वैश्विक दक्षिण के लिए ऊर्जा एजेंडे का नेतृत्व करने के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा को वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया तथा आर्थिक स्थिरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संसाधनों तक समान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। मनोहर लाल ने जैव ईंधन क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने में वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की भूमिका पर भी जोर दिया और ऊर्जा संरक्षण सतत भवन संहिता, छत सौर पहल और कुशल उपकरण मानकों जैसे अभिनव कार्यक्रमों के जरिए ऊर्जा दक्षता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने 2030 तक ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य की पुष्टि की और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने पर जोर दिया। ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 7 (एसडीजी-7) को आगे बढ़ाने में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसमें सबके लिए बिजली की उपलब्धता, स्वच्छ खाना पकाने और ऊर्जा संकट से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के जवाब में न्यायसंगत, समावेशी और संतुलित ऊर्जा संक्रमण की जरूरत पर जोर दिया।

सुजुकी मोटरसाइकिल ने खरखौदा में रखी दूसरे विनिर्माण संयंत्र की नीव, 2027 से होगा उत्पादन शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। दुपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने हरियाणा के आईएमटी खरखौदा में अपने दूसरे विनिर्माण संयंत्र की नींव रखी है। कंपनी ने यहां बयान जारी कर बताया कि यह संयंत्र 100 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा, जिसमें से 25 एकड़ में उत्पादन कार्य और लगभग इतनी ही जमीन हरित क्षेत्र के रूप में विकसित की जाएगी। पहले चरण में 1200 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह संयंत्र वर्ष 2027 से परिचालन शुरू करेगा। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 7.5 लाख दुपहिया वाहन होगी। संयंत्र के शुरू होने पर लगभग 2,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर एसएमआईपीएल के प्रबंध निदेशक केनिची उमेदा, सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन जापान के वरिष्ठ अधिकारी ताकाशी इसे और सुयोशी तनाका, जापानी दूतावास की मंत्री क्योको होकुगो और स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कंपनी का कहना है कि यह निवेश न केवल भारत में बढ़ती मांग को पूरा करने की रणनीति का हिस्सा है बल्कि स्थानीय विकास, रोजगार निर्माण और सरकार के औद्योगिक प्रगति के विजन में सहयोग देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। संयंत्र में आधुनिक ऑटोमेशन और ऊर्जा-कुशल तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

लगातार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में 5.35 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती मिनट में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की चाल में कुछ तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स आज ऊपरी स्तर से करीब 1,100 अंक और निफ्टी ऊपरी स्तर से 340 अंक तक लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.06 प्रतिशत और निफ्टी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह और आईटी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फार्मास्यूटिकल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.96 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 438.32 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.35 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,104 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,448 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,522 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 134 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,603 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 710 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,893 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 43 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 56.75 अंक की मामूली तेजी के साथ 82,116.17 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 191 अंक की बढ़त के साथ 82,250.42 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके कुछ ही देर बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिससे ये सूचकांक अपनी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से लगभग 1,100 अंक टूट कर 905.72 अंक की गिरावट के साथ 81,153.70 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 872.98 अंक की कमजोरी के साथ 81,186.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 50.75 अंक की मजबूती के साथ 24,996.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 64.90 अंक की मजबूती के साथ 25,010.35 अंक के स्तर तक पहुंचा।

संक्षिप्त समाचार

पत्थर लदा ट्रैक्टर सहित दो युवक को हिरासत में लिया

दिव्य दिनकर संवाददाता धरहरा

मुंगेर। एसटीएफ कमांडेंट सुनील कुमार ने मंगलवार की देर रात लड़ैयांटांड़ थाना क्षेत्र से अवैध पत्थर लदा ट्रैक्टर सहित दो युवकों को पकड़ा। एसटीएफ की टीम ने जब्त ट्रैक्टर एवं गिरफ्तार दोनों युवकों को लड़ैयाटांड़ थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। वहीं लड़ैयांटांड़ थाना पुलिस ने जब्त पत्थर लदा ट्रैक्टर एवं गिरफ्तार दोनों युवकों को बुधवार को वन विभाग धरहरा को सुपुर्द कर दिया। बताया जाता है कि देर रात एसटीएफ कमांडेंट सुनील कुमार के साथ एसटीएफ की टीम नक्सल प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर रही थी इसी दौरान एसटीएफ की टीम को पहाड़ का अवैध तरीके से उत्खनन कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पत्थर के साथ जप्त किया गया साथ ही पत्थर का अवैध कारोबार करने वाले दो युवकों को भी एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार युवकों की पहचान लड़ाइयां टांड़ थाना क्षेत्र के लड़ाइयां टांड़ निवासी ओपी यादव का पुत्र प्रदीप यादव एवं परमेश्वर यादव का पुत्र रूपेश कुमार के रूप में किया गया।

बिहार में पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं की समीक्षा: प्रधान सचिव ने जिलों को दिए सख्त निर्देश

पटनाः बुधवार को अधिवेशन भवन, बिहार, पटना में पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण राज्यस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विभाग के प्रधान सचिव एच आर श्रीनिवास द्वारा की गई। बैठक की शुरूआत अपर सचिव द्वारा प्रधान सचिव को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने से हुई, जिसके बाद उप सचिव ने अपर सचिव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने प्रारंभिक संबोधन में प्रधान सचिव ने इस विभाग में कार्य करने की व्यापक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विभाग ने युवा अधिकारियों को नियुक्त किया है और उन्हें उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी और कड़ी मेहनत करनी चाहिए। प्रधान सचिव ने कर्नाटक का उदाहरण दिया, जहाँ सरकार द्वारा 2500 से अधिक छात्रावास चलाए जा रहे हैं, और जोर दिया कि बिहार में भी छात्रावास की संख्या बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कल्याणकारी कार्यों के लिए बॉटम-अप दृष्टिकोण (bottom-up approach) पर बल दिया। समीक्षा बैठक में प्रधान सचिव द्वारा निम्नलिखित प्रमुख मुद्दों पर गहन समीक्षा की गईः अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 उच्च विद्यालयः प्रधान सचिव ने सभी अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से टोला, मोहल्लों और गाँवों का दौरा करने का कड़ा निर्देश दिया ताकि छात्रों को प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके और स्कूलों में कोई भी सीट खाली न रहे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी कीमत पर स्कूलों को क्षमता से कम नहीं चलना चाहिए। प्रधान सचिव ने जिलावार समीक्षा की और भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्कूल भवनों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

जननायक कपूर्री ठाकुर छात्रावास/अन्य पिछड़ा वर्ग छात्रावासः

प्रधान सचिव ने प्रवेश की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मधुबनी, बांका, किशनगंज आदि जिलों में इन छात्रावासों के भवन रखरखाव की स्थिति की भी समीक्षा की। प्रधान सचिव ने सभी जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी को भवन निर्माण विभाग द्वारा बनाए जा रहे भवनों की गुणवत्ता से समझौता न करने का निर्देश दिया, इससे पहले कि उन्हें हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भवनों में उपयोग की जाने वाली मशीनों के गारंटी कागजात भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रधान सचिव ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति में लंबित मामलों की समीक्षा की। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की समीक्षा में पाया गया कि कटिहार में 1672 और मधेपुरा में 1513 छात्रों का भुगतान लंबित है। जिन जिलों में भुगतान लंबित है, वहाँ जल्द से जल्द इसका निवारण करने का निर्देश प्रधान सचिव द्वारा दिया गया। बैठक में उपयोगिता प्रमाण पत्र की भी समीक्षा की गई। सीतामढ़ी में पाया गया कि 4898 लाख का प्रमाण पत्र लंबित था। प्रधान सचिव ने सख्त निर्देश दिया कि जहाँ भी उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित है, उसे जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाए। छात्रावासों में खाद्यान्न आपूर्ति, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग छात्रावास अनुदान योजना, ए०सी०/डी०सी० (AC/DC) के लंबित मामले, कैडर मैपिंग/ई० सर्विस बुक, प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र/मुख्यमंत्री व्यावसायिक पाठ्यक्रम मार्गदर्शन एवं उत्प्रेरण, कौशल विकास योजना आदि की भी गहन समीक्षा की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र से आए सभी प्रमंडलीय उप निदेशक (पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण), सभी जिला पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी एवं सभी अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहे। विभाग की ओर से अपर सचिव, उप सचिव, विशेष कार्य पदाधिकारी, अन्य पदाधिकारीगण सहित विभागीय कर्मी भी मौजूद रहे। समीक्षा बैठक के अंत में प्रधान सचिव ने कहा कि अगली बार पूरे दिन की बैठक रखी जाएगी और हर योजना पर गहन चर्चा एवं अद्यतन स्थिति का जायजा लिया जाएगा।

महाप्रबंधक ने की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा

हाजीपुर-पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने आज 21.05.2025 को हाजीपुर मुख्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल की निर्माण परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की । इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण (उत्तर) श्री राम जन्म, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण (दक्षिण) श्री रामाश्रय पाण्डेय एवं अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे । बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने पिछले वर्षों में निर्माण संगठन द्वारा पूरी की गयी परियोजनाओं की समीक्षा की तथा भविष्य में पूरी की जाने वाली निर्माण परियोजनाओं के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया । समीक्षा बैठक में पीपीटी के माध्यम से निर्माण विभाग की उपलब्धियों एवं भविष्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया गया। महाप्रबंधक द्वारा मुजफ्फरपुर-सगौली, सगौली-बाल्मिकीनगर, समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण परियोजना, हाजीपुर-सगौली, अररिया-सुपौल, अस्थावां-बरबीघा, कोडरमा-तिलैया नई लाईन परियोजना, टोरी-शिवपुर तीसरी लाईन, गोमो फ्लाई ओवर, सिन्द्री यार्ड रिमॉडलिंग सहित अन्य निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें । उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निमार्णाधीन रेल परियोजनाओं को निर्धारित लक्ष्य पर पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया ताकि इसे समय पर पूरा किया जा सके । उन्होंने आरओबी/आरयूबी/बाईपास के निर्माण पर जोर दिया ताकि बिना अवरोध के रेल एवं सड़क यातायात जारी रह सके । पूर्व मध्य रेल द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान 44 किमी नई लाइन तथा 73 किमी दोहरीकरण परियोजना से जुड़े कुल 117 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा किया गया । संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 2024-25 में 07 आरओबी एवं 19 आरयूबी का निर्माण कार्य पूरा किया गया । इसके साथ ही 30 नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, 122 रूट किमी पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग तथा 149 रूट किमी रेलखंड पर ह्यकवचह्य की कमीशनिंग की गई । इसी क्रम में वर्ष 2025-26 के दौरान नई लाइन (90 किमी) तथा दोहरीकरण (184 किमी) परियोजना से जुड़े लगभग 274 किलोमीटर का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है ।

भागवत कथा में रुक्मिणी-कृष्ण विवाह प्रसंग ने बांधा समा, श्रद्धालु भावविभोर

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

संग्रामपुर प्रखंड के रतनपुरा गांव में आयोजित नौ दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ के मौके पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालु दिव्य आध्यात्मिक अनुभव से सराबोर हो उठे। कथा स्थल पर अयोध्या से पधारीं प्रसिद्ध कथा वाचिका वंदना किशोरी जी ने रुक्मिणी-कृष्ण विवाह प्रसंग का रसपान कराते हुए श्रोताओं को भक्ति के सागर में डुबो दिया। कथा वाचिका ने बताया कि श्रीमद् भागवत न केवल एक धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह सांसारिक और दैविक रहस्यों को उजागर करता है। उन्होंने कहा, ₹जो व्यक्ति भागवत कथा के गूढ़ रहस्यों को समझ लेता है, उसे न केवल मन की शांति मिलती है, बल्कि मोक्ष भी प्राप्त होता है।₹ उन्होंने वर्तमान समय की चिंता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज लोग भौतिक सुखों की दौड़ में लगे हुए हैं, लेकिन वास्तविक शांति संतोष में ही निहित है, जो करोड़ों खर्च कर भी नहीं खरीदी जा सकती। रुक्मिणी-कृष्ण विवाह की कथा सुनाते हुए उन्होंने बताया कि विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण को अपने पति रूप में स्वीकार कर चुकी थीं। परंतु उनका भाई रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से कराना चाहता था। रुक्मिणी ने एक ब्राह्मण सुदेव के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण को पत्र भेजा, जिसमें उन्होंने अपने अपहरण का उपाय भी बताया। जब रुक्मिणी पार्वती पूजा के लिए मंदिर गईं, उसी समय भगवान श्रीकृष्ण वहां पहुंचे और उनका अपहरण कर लिया। तत्पश्चात रुक्मिणी के पिता ने विधिवत रीति-रिवाज से दोनों का विवाह संपन्न कराया। कथा के दौरान जैसे ही ₹ऐसा लगता है पूरे ब्रह्मांड की शादी है, आज मेरे श्याम की शादी है₹ भजन गूंजा, पूरा पंडाल भक्ति भाव से सराबोर हो गया। श्रद्धालु झूमने लगे और माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मुख्य यजमान शिव मूर्ति सिंह, बलबीर सिंह, रोहित कुमार, संतोष कुमार समेत रतनपुरा गांव के समस्त ग्रामीणों का भरपूर सहयोग रहा। ग्रामीणों ने न केवल व्यवस्था को सुसंगठित किया, बल्कि श्रद्धालुओं की सेवा में भी तत्परता दिखाई।

बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति और ट्रांसफर को लेकर शिक्षा विभाग का बड़ा ऐलान, 10 अगस्त तक पूरा होगा काम

पटनाः विधानसभा चुनावों से पहले बिहार सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य के शिक्षा विभाग ने घोषणा की है कि आगामी 10 अगस्त 2025 तक सभी शिक्षकों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके साथ ही, अनुकंपा के आधार पर 6,421 पदों पर नई बहाली की जाएगी।

मृत शिक्षकों के परिजनों को मिलेगा नौकरी का मौका

शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने बताया कि जिन शिक्षकों की सेवा के दौरान मृत्यु हुई है, उनके परिजनों को योग्यता के अनुसार शिक्षक पद पर नियुक्त किया जाएगा। इस संबंध में नियमावली को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा सके।

शिक्षकों की नियुक्ति की चौथी चरण की प्रक्रिया होगी पूरी

बैठक में यह भी तय किया गया कि चौथे चरण के तहत शिक्षकों की बहाली को तय समय पर पूरा किया जाए। वहीं सक्षमता परीक्षा (Competency Test) भी बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यम से जल्द कराई जाएगी।

विशेष शिक्षकों की भी होगी बहाली

दिव्यांग छात्रों के लिए 7,279 विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की तैयारी भी अंतिम चरण में है। इन पदों के लिए इढरउ को अधियाचना भेज दी गई है और जरूरत के अनुसार स्कूलों का चयन भी कर लिया गया है।

महिला शिक्षकों के मातृत्व अवकाश में बदलाव

राज्य के स्कूलों और कॉलेजों में कार्यरत महिला शिक्षकों को मातृत्व अवकाश में आ रही तकनीकी दिक्कतों को भी दूर किया जाएगा, जिससे उन्हें सुविधा मिल सके।

स्कूल-कॉलेज की जमीन का होगा सर्वे

राज्य के सभी स्कूलों और कॉलेजों की जमीन की स्थिति जानने के लिए भूमि सुधार विभाग के रिटायर्ड अधिकारियों की टीम बनाकर सर्वे कराया जाएगा। इसके जरिए संस्थानों की जमीन के दस्तावेज तैयार किए जाएंगे।

छात्रावास और इंफ्रास्ट्रक्चर को मिलेगा बल

राज्य के सभी छात्रावासों में चारदीवारी का निर्माण अनिवार्य रूप से किया जाएगा और उनकी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षकों की ट्रेनिंग पर भी फोकस

बिहार में करीब 6.5 लाख शिक्षक कार्यरत हैं। हर शिक्षक को वर्ष में दो बार आवासीय ट्रेनिंग दी जाएगी, जो कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (DIET) में आयोजित की जाएगी।

रात के अंधेरे में देवर-भाभी का बंद कमरे में रोमांस! और अचानक ग्रामीणों ने खोल दिया दरवाजा

आराः बिहार के भोजपुर जिले में प्रेम प्रसंग का एक अनोखा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव में एक युवक को अपनी शादीशुदा भाभी से चोरी-छिपे मिलना भारी पड़ गया। ग्रामीणों ने युवक को रंगे हाथ पकड़कर जबरन उसकी शादी उसी महिला से करवा दी। जानकारी के मुताबिक, देव चंदा गांव निवासी 24 वर्षीय दिलीप कुमार का प्रेम संबंध अपने ही मौसेरे भाई सोनू चौधरी की पत्नी रानी से था। रानी की शादी 27 फरवरी 2022 को हुई थी और वह ससुराल डीलिया लख गांव में रह रही थी, जहां दिलीप पहले से अपने ननिहाल में रह रहा था। शादी के बाद परवान चढ़ा प्यार शादी के शुरूआती कुछ महीने सामान्य रहे, लेकिन धीरे-धीरे रानी और दिलीप के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। जब भी रानी का पति बाहर होता, वह दिलीप को चोरी-छिपे बुला लिया करती थी। दो महीनों तक यह सिलसिला चलता रहा और दोनों के बीच गहरा रिश्ता बन गया। पति ने पकड़ा, फिर भी नहीं टूटा रिश्ता करीब छह महीने पहले रानी के पति सोनू ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया, जिससे परिवार में काफी तनाव पैदा हुआ। लेकिन दिलीप ने रानी से वादा किया कि वह उसे वैसा ही जीवन देगा जैसा एक पति देता है। इसके बाद रानी अपने मायके लौट गई और दिलीप उससे मिलने वहां भी जाने लगा। ग्रामीणों ने पकड़ा, पंचायत ने सुनाया फैसला मंगलवार रात दिलीप फिर से रानी से मिलने पहुंचा, लेकिन इस बार ग्रामीणों ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। पंचायत बुलाई गई और घंटों चली चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया कि दोनों की शादी करवा दी जाए। हालांकि दिलीप शुरूआत में शादी के लिए तैयार नहीं था क्योंकि रानी को कानूनी रूप से तलाक नहीं मिला था। लेकिन रानी के पति सोनू ने साफ कर दिया कि वह अब उसे अपनाने को तैयार नहीं है और उसकी खुशी में ही अपनी खुशी समझता है। शिव मंदिर में करवाई गई शादी, पंचायत की मौजूदगी में विदाई गांव के शिव मंदिर में हिंदू रीति-रिवाजों के तहत दोनों की शादी करवाई गई। पंचायत ने रजामंदी पत्र तैयार कर सभी पक्षों को सौंपा और विवाह के बाद रानी को ससुराल विदा कर दिया गया।

वज्रपात की चपेट में आने से 14 वर्षीय किशोर की मौत, गांव में पसरा मातम

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

संग्रामपुर थाना क्षेत्र के दुगार्पुर गांव में बुधवार की शाम कुदरत का कहर टूट पड़ा। तेज आंधी और बारिश के साथ हुई वज्रपात की चपेट में आकर 14 वर्षीय गोखुल कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है, जबकि मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब 5:00 बजे अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। कुछ देर बाद मौसम शांत होने पर गोखुल कुमार अपने दोस्तों के साथ गांव के पास स्थित बगीचे की ओर गया। इसी दौरान अचानक हुई वज्रपात की चपेट में वह आ गया और मौके पर ही गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद गांव के समाजसेवी मृत्युंजय कुमार व परिजन आनन-फानन में गोखुल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की असमय मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं ग्रामीण भी इस दुखद हादसे से स्तब्ध हैं। मृतक गोखुल कुमार, शंभू यादव का बड़ा पुत्र था। इस संबंध में अंचल अधिकारी ने बताया कि, मामले की जांच की जा रही है। नियमानुसार जो भी मुआवजा निर्धारित है, वह पीड़ित परिजनों को अविलंब प्रदान किया जाएगा।

भगवान शिव की पूजा सर्वश्रेष्ठ पूजा है- विष्णु दत्त महाराज

दिव्य दिनकर संवाददाता बरियारपुर

मुंगेर। बरियारपुर प्रखंड के खारिया पंचायत में चल रहे श्री श्री 1008 श्री रूद्र महायज्ञ रुद्र कथा सुनाने हेतु श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं, शिव महापुराण के पंचम दिवस की कथा में श्रद्धेय श्री विष्णु दत्त जी महाराज चित्रकूट धाम कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जो प्राणी भगवान शिव की कथा सुनते हैं, उनके जीवन के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। भगवान शिव की पूजा सर्वश्रेष्ठ पूजा है। अगर प्राणी एक लोटा जल भी भगवान शिव को चढ़ता है, तो भगवान शिव अपनी कृपा करुणा उसपर अवश्य करते हैं। मानव जीवन को चार काम संध्या के समय नहीं करने चाहिए। भोजन, संभोग स्वाध्याय और निद्रा यह चार काम करने पर प्राणी की आयु क्षीण हो जाती है। और उसकी बुद्धि विनाश की ओर चली जाती है। इसलिए संध्या काल के समय भगवान की शिव चर्चा, अर्चना, वंदना करना चाहिए। मानव जीवन का मुख्य लक्ष्य यही है। जो शिव किया आराधना नहीं करता भगवान उसको अपनी शरणागति नहीं देते हैं। वह जीव बहुत ही दुख पता है। जन्म-जन्मांतर के दुखों से घिर जाता है। इसलिए हर जीव भगवान शिव की आराधना करें और अपने जीवन को कृतार्थ करें। वहीं श्रद्धालुओं के सेवा में मुखिया सह मुखिया संघ प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की ओर से पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। तथा उन्होंने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म होता है। इसलिए हम क्षेत्र वासियों से यह अनुरोध करते हैं कि यज्ञ में आए और कथा सुनकर अपने जीवन को सफल बनाएं।

महादलित टोले में विशेष शिविर का जायजा लेने पहुंचे पटना की टीम

जांच टीम के अधिकारी ने शिविर में उपस्थित अधिकारी को कई अति आवश्यक निर्देश दिए

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर। बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर मुंगेर आरके राघव के अगुवाई में सदर प्रखंड के नौवागढ़ी दक्षिण, मय, महुली, कुतलूपुर पंचायत में डॉ भीमराव अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोले में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ आगामी 19 अप्रैल से शिविर के माध्यम से शुरूआत की गई। शिविर में बिहार सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजना में 22 महत्वपूर्ण योजना का लाभ महादलित परिवार को पहुंचाने हेतु शुरूआत की गई। महादलित परिवार के बीच राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जन्म प्रमाण पत्रों वितरण प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा विभिन्न पंचायत में किया गया। वहीं शिविर में प्रभारी के रूप में उपस्थित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी एकता कुमारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी श्रावणी गुप्ता, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियदर्शनी ,प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, सहकारिता पदाधिकारी सह शिक्षा पदाधिकारी विद्यासागर, प्रभारी सुशील कुमार झा सहित प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी एवं पंचायत के मुखिया उपस्थित रहे। शिविर में लाभुक को जन्म प्रमाण पत्र वितरण करते बीपीआरओ एवं अन्य अधिकारी

मलेशिया मास्टर्स 2025 के मुख्य ड्रॉ में पहुंचे किदाम्बी श्रीकांत

एजेंसी

नई दिल्ली। किदाम्बी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में स्थान सुनिश्चित कर लिया है, लेकिन बाकी भारतीय शटलर एकल क्वालीफायर से आगे नहीं बढ़ सके और सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वापसी की राह पर चल रहे श्रीकांत ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए अपने दूसरे क्वालीफाइंग पुरुष एकल मैच में चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को 9-21, 21-12, 21-6 से हराया। 32 वर्षीय श्रीकांत 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं। उन्होंने पहले दौर में एक अन्य ताइपे खिलाड़ी कुओ कुआन लिन को 21-8, 21-13 से हराया था। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी का मुख्य ड्रॉ में छठी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी लू गुआंग ज़ू के रूप में चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी से सामना होगा। अन्य मैचों में थारुन मन्नेपल्ली को थाईलैंड के पैनिचाफोन तीरात्सकुल से 13-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन को चीन के झू झुआन चेन से 20-22, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा, दोनों ने ही क्वालीफिकेशन चरण में अपने अभियान समाप्त कर दिए। महिला एकल में अनमोल खरब को ताइपे की हंग यी-टिंग ने 14-21, 18-21 से हराया। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की मिश्रित युगल जोड़ी भी मलेशियाई जोड़ी मिंग याप टू और ली यू शान से 15-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बुधवार को 475,000 डॉलर इनामी इस प्रतियोगिता में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

बीच कबड्डी को इंडोर कबड्डी से ज्यादा कठिन बनाती हैं खेल की परिस्थितियां और फार्मेट

दीव। बीच कबड्डी ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में एक स्थायी छाप छोड़ने की ओर अहम कदम बढ़ाया है। भारत में मैट पर खेले जाने वाले कबड्डी के लोकप्रिय रूप को दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिलता है और सालों पहले शुरू हुई एक प्रमुख प्रोफेशनल लीग भी इसकी लोकप्रियता को बढ़ा रही है। मैट कबड्डी के अलावा समुद्र तटों पर भी एक कबड्डी खेली जाती है, जिसे बीच कबड्डी कहा जाता है। पिछले साल जब दीव में बीच गेम्स का आयोजन हुआ था, तब भी बीच कबड्डी को इवेंट में शामिल किया गया था। घोघला बीच पर सभी आठ खेलों (जिसमें दो डेमो गेम भी शामिल हैं) के आयोजन की प्रभारी और वरिष्ठ कोच सिमरत गायकवाड़ का मानना है कि बीच कबड्डी के लिए यह बहुत रोमांचक समय है। उन्होंने कहा, यह एक नया प्रारूप है। खेलो इंडिया बीच गेम्स इस खेल को लोकप्रिय बनाने का बेहतरीन मंच है। दिल्ली की लड़कियों की कबड्डी टीम की कोच सुनीता को भी इस नए संस्करण से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, यह एक पूरी तरह से अलग माहौल है। सुंदर समुद्र के किनारे खेलना एक अनोखा अनुभव है। कबड्डी तो वैसे ही भारत में काफी लोकप्रिय है। उम्मीद है कि खेलो इंडिया बीच गेम्स के माध्यम से बीच कबड्डी भी अपनी पहचान बनाएगी।

आईपीएल 2025:मुंबई इंडियंस ने विल जैक्स की जगह जॉनी बेयरस्टो को चुना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियंस ने मौजूदा सत्र के शेष मैचों के लिए ऑलराउंडर विल जैक्स की जगह इंग्लिश विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को चुना है। जॉनी बेयरस्टो 5.25 करोड़ रुपये की कीमत पर टीम में शामिल होंगे। बेयरस्टो के अलावा, चारिथ असलांका और रिचर्ड ग्लीसन, कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन की जगह लेंगे, जो राष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए रवाना होंगे। ग्लीसन को 1 करोड़ रुपये, जबकि असालांका को 75 लाख रुपये की कीमत पर शामिल किया जाएगा। इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बेयरस्टो 2019 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली राष्ट्रीय टीम का एक अभिन्न हिस्सा थे। बेयरस्टो के पास इंग्लैंड के लिए कुल 287 कैप हैं। असालांका वर्तमान में एकदिवसीय और टी20आई प्रारूपों में श्रीलंका के कप्तान हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 134 बार देश का प्रतिनिधित्व किया है। इस बीच ग्लीसन ने इंग्लैंड के लिए छह टी20आई में भाग लिया है और डेथ ओवरों में अपने कौशल के लिए जाने जाते हैं।

अभिषेक शर्मा के साथ तीखी बहस के बाद दिग्वेश राठी एक मैच के लिए निलंबित

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने की वजह से अब उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। इससे दिग्वेश 22 मई को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगा है। आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

पीकेएल 2025: गुजरात जाइंट्स के जयवीर शर्मा बने नए हेड कोच

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 की प्लेयर ऑक्शन 31 मई से एक जून तक होने वाली है। इसके पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जाइंट्स ने नए सत्र के लिए रणनीतिक बदलाव करते हुए अपनी कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। जयवीर शर्मा को गुजरात जाइंट्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है, जबकि वरिंदर सिंह संधू असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे। तीन दशकों से अधिक अनुभव वाले जयवीर भारतीय कबड्डी के सबसे सम्मानित कोचों में से एक हैं। वह चैंपियनशिप जीतने वाले कोच हैं और उनके पास शानदार रिकॉर्ड के साथ गहन तकनीकी समझ भी है। 1992 से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के साथ काम कर रहे जयवीर ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के करियर

को आकार दिया है। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों, कबड्डी वर्ल्ड कप और कई बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीते हैं। जयवीर शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, गुजरात जाइंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मैं टीम में एक निडर और विनम्र सोच विकसित करना चाहता हूं, ताकि हम पीकेएल में सबसे मजबूत दावेदार बन सकें। अदानी स्पोर्ट्सलाइन का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और यह अवसर दिया। मैं ऑक्शन और टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।

2017 से पीकेएल में खेल रही गुजरात जाइंट्स ने कई सितारों जैसे रोहित गुलिया, सचिन तंवर, सुनील कुमार, पर्वेश भैंसवाल और पवन सहरावत को निखारा है, जो लीग के अहम खिलाड़ी बन गए हैं। गुजरात जाइंट्स को युवा कोचिंग टैलेंट को मौका देने का भी गर्व है। इसका उदाहरण है मनप्रीत सिंह, जो अब तक पीकेएल के सबसे सफल कोचों में से एक हैं। इस परंपरा को जारी रखते हुए वरिंदर संधू को टीम में शामिल किया गया है। वरिंदर के पास 17 साल भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा का अनुभव है। वे नेतृत्व, अनुशासन और आधुनिक तकनीकी कौशल लेकर आए हैं। वरिंदर जयवीर के मार्गदर्शन में पीकेएलकी दुनिया में कदम रखेंगे।वरिंदर भारतीय महिला कबड्डी टीम के हेड कोच रह चुके हैं और 19वें एशियाई खेल 2023 (हांग्जो, चीन) और 6वें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप 2025 (ईरान) में कई ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीताए हैं। उन्होंने पंजाब राज्य टीम और भारतीय वायु सेना को भी नेशनल गेम्स 2023 और 2025 में कोचिंग दी है वरिंदर ने कहा, गुजरात जाइंट्स परिवार का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।

मलेशिया मास्टर्स 2025: प्रणय और करुणाकरण दूसरे दौर में, सिंधु बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारत के एच.एस. प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु का सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। प्रणय ने दिन की शुरुआत करते हुए जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। यह मैच एक घंटे 22 मिनट तक चला। इसके बाद सतीश करुणाकरण ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए ताइवान के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुष खिलाड़ियों के लिए यह दिन शानदार रहा, क्योंकि भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने भी ब्रायन यांग (कनाडा) को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, महिला एकल में पी.वी. सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। वह सुपर 500 श्रेणी के इस टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

केविन डी ब्रुएने को मैनचेस्टर सिटी का खास सम्मान, अकादमी में बना मोज़ेक और सड़क का नाम किया समर्पित

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अपने दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुएने को एक यादगार सम्मान देते हुए सिटी फुटबॉल अकादमी में उनका एक भव्य मोज़ेक स्थापित किया है और अकादमी से फर्स्ट टीम सेंटर को जोड़ने वाली सड़क का नाम 'केविन डी ब्रुएने क्रेसेंट' रखा है। डी ब्रुएने को यह सम्मान क्लब के चेयरमैन खलदून अल मुबारक ने व्यक्तिगत रूप से सौंपा। ट्रेनिंग पिच के पास लगाए गए इस मोज़ेक में डी ब्रुएने का एक जश्न मनाने वाला पोज दर्शाया गया है। इसे मैनचेस्टर के स्थानीय कलाकार और क्लब समर्थक मार्क कैनेडी ने तैयार किया है। यह स्मृति-चिन्ह क्लब के महान खिलाड़ियों–याया टूर, जो हार्ट, डेविड सिल्वा, विंसेंट कंपनी, सर्जियो एगुएरो, फर्नांडिन्हो और इल्काय गुंडोगन–को पहले दिए गए सम्मानों की श्रृंखला में नया नाम है।

क्लब छोड़ने से पहले अंतिम घरेलू मुकाबला

केविन डी ब्रुएने ने बोरनमाउथ के खिलाफ एतिहाद स्टेडियम में अपना अंतिम घरेलू मुकाबला खेला। जून में अनुबंध समाप्त होने के बाद वह क्लब को अलविदा कहेंगे।

गौरवशाली रहा 10 साल का सफर

2015 में जर्मन क्लब

वोल्फ्सबर्ग से सिटी से जुड़ने के बाद डी ब्रुएने ने क्लब के लिए 420 मैचों में 108 गोल किए। 33 वर्षीय इस बेल्जियम मिडफील्डर ने अपने दशक लंबे कार्यकाल में सिटी के सबसे सफल खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। उन्होंने क्लब को छह प्रीमियर लीग खिताब, दो एफए कप, पांच लीग कप, एक चैंपियंस लीग, एक सुपर कप और एक क्लब वर्ल्ड कप दिलाया। डी ब्रुएने को मिला यह विशेष सम्मान उनके योगदान को सदा के लिए क्लब इतिहास में दर्ज कर गया है।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उतरेंगी भारतीय महिला बॉक्सर

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार भारतीय महिला मुक्केबाज़ अंतरराष्ट्रीय रिंग में उतरने के लिए तैयार हैं। भारतीय बॉक्सर दो बड़े टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगी। थाईलैंड ओपन 24 मई से बैंकॉक में खेला जाएगा, जबकि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का आयोजन 30 जून से अस्ताना, कज़ाखस्तान में किया जाएगा।

थाईलैंड ओपन में उतरेंगी रजत पदक विजेता, वर्ल्ड कप में दिखेंगी राष्ट्रीय चैंपियन

भारतीय बॉक्सिंग फेडरेशन (बीएफआई) की नई चयन नीति के अनुसार, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में राष्ट्रीय चैंपियन उतरेंगी, जबकि थाईलैंड ओपन में रजत पदक विजेताओं को मौका मिलेगा। यह चयन प्रक्रिया पुरुष और महिला दोनों वर्गों पर समान रूप से लागू की गई है।

पिछले एक साल में चूके कई अहम टूर्नामेंट

ओलंपिक साइकिल के दौरान बीएफआई के राष्ट्रीय कैंप्स में देरी और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप को कई बार स्थगित किए जाने के चलते भारतीय मुक्केबाज़ों को एशियन चैंपियनशिप और स्ट्रैंडजा मेमोरियल

जैसे अहम टूर्नामेंटों से बाहर रहना पड़ा। पुरुष बॉक्सर्स ने अप्रैल में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के ज़रिए वापसी कर ली थी, लेकिन महिलाओं के राष्ट्रीय मुकाबले मार्च के अंत में आयोजित होने के कारण उन्हें देर से मौका मिला।

फिलहाल वर्ल्ड बॉक्सिंग की अंतरिम समिति के अधीन है भारतीय बॉक्सिंग

बीएफआई के चुनाव फिलहाल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हैं। ऐसे में विश्व बॉक्सिंग संस्था द्वारा गठित अंतरिम समिति भारतीय मुक्केबाज़ी से जुड़ी सभी गतिविधियों का संचालन कर रही है। भारतीय महिला बॉक्सर्स की यह वापसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके लिए एक अहम अवसर होगी, जहां वे अपने कौशल और आत्मविश्वास का प्रदर्शन कर सकेंगी।

आयरलैंड को झटका, वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से बाहर हुए क्रेग यंग और कर्टिस कैंफर

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ 21 मई से डबलिन में शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले आयरलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज क्रेग यंग और ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों की जगह युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। यंग की जगह जॉर्डन नील और कैंफर की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज स्टीफन डोहेनी को टीम में शामिल किया गया है। क्रेग यंग को यह चोट इंटर-प्रोविंशियल कप के एक मुकाबले में लगी थी जब वे नॉर्थ वेस्ट वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए अपना नौंवा

ओवर पूरा नहीं कर सके। उन्होंने 8.5 ओवर में 49 रन देकर 1 विकेट लिया और आखिरी गेंद पर बैरी मैकार्थी को आउट किया। वहीं, कर्टिस कैंफर की चोट हाल ही में नेट अभ्यास के दौरान लगी। बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया, जिससे वे सीरीज से बाहर हो गए। आयरलैंड के मुख्य चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, हमारे पास अब एक लंबी चोटिल खिलाड़ियों की सूची है, जिसमें मार्क अडायर, ग्राहम ह्यूम, क्रेग यंग, फियॉन हैंड और कर्टिस कैंफर शामिल हैं। यह सीरीज हमारे खिलाड़ियों की गहराई की परीक्षा होगी, लेकिन यह युवाओं के लिए मौका भी है कि वे विश्वस्तरीय टीम के खिलाफ खुद को साबित करें।

स्टर्लिंग ने कहा—यह युवा खिलाड़ियों के लिए मौका

कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने भी इसे सकारात्मक रूप से देखा। उन्होंने कहा, खेल में चोटें लगती हैं, लेकिन इससे नए खिलाड़ियों को थोड़ा पहले ही मौका मिल जाएगा। ज्यादा खिलाड़ियों को अनुभव मिलना भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगा। स्टीफन डोहेनी ने हाल ही में मुनस्टर रेड्स की ओर से नॉर्दर्न नाइट्स के खिलाफ घरेलू वनडे टूर्नामेंट में शतक जड़ा था। उनके पास 11 वनडे और 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है। वहीं, 19 वर्षीय जॉर्डन नील इस सीरीज के लिए शामिल किए गए चौथे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए हैं।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में अफ्रीकन लायंस की कमान संभालेंगे हर्शल गिब्स

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बार फिर से रोमांचक क्षण दस्तक देने जा रहे हैं। 27 मई से लेकर 05 जून तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने जा रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) में दिग्गज क्रिकेट सितारे एक बार फिर मैदान में उतरेंगे। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तूफानी सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स अफ्रीकी टीम 'अफ्रीकन लायंस' की अगुवाई करेंगे। अफ्रीकन लायंस फ्रेंचाइजी का स्वामित्व एलीट स्ट्राइक स्पोर्ट्स एलएलपी के पास है, जो जमीनी स्तर पर खेलों को प्रोत्साहन देने और वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए पहचानी जाती है। टीम मालिक कृष्णा शेट्टी ने गिब्स के चयन पर कहा, हमें हर्शल गिब्स का स्वागत करते हुए गर्व है। उनका अनुभव और आक्रामक सोच न केवल टीम को मजबूती देगी बल्कि अफ्रीकी युवाओं के लिए भी प्रेरणा बनेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप की स्थापना क्रिकेट के दिग्गजों को एक मंच पर लाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का रंग भरने के उद्देश्य से की गई है। टूर्नामेंट के संस्थापक और निदेशक गौरव कमल ने कहा, अफ्रीकन लायंस की भागीदारी से प्रतियोगिता में नई ऊर्जा का संचार होगा। यह चैंपियनशिप केवल खेल नहीं, बल्कि संस्कृतियों और महाद्वीपों को जोड़ने वाला पुल साबित होगी। टूर्नामेंट में छह महाद्वीपों की टीमें प्रतिभाग करेंगी और इनके बीच 18 मुकाबले खेले जाएंगे।

केकेआर ने आईपीएल के अतिरिक्त समय नियम पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष लीग मुकाबलों के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय देने के फैसले को अस्थायी और असंगत बताते हुए डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कहा है कि अगर यह प्रावधान टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होते ही लागू कर दिया जाता, तो शायद वे अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बने रहते। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने यह फैसला किया कि अब शेष बचे नौ लीग मुकाबलों में बारिश के कारण बाधित मैचों को पूरा करने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। पहले केवल एक घंटे का अतिरिक्त समय ही उपलब्ध था, जबकि प्लेऑफ के मुकाबलों में पहले से ही दो घंटे का रिजर्व समय रखा गया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार,आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन ने सभी 10

फ्रेंचाइज़ियों को भेजे गए ईमेल में बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि मानसून के जल्दी आने से कई मैच बारिश की चपेट में आने की संभावना है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस ईमेल के जवाब में नियम में बदलाव के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नियम आईपीएल के फिर से शुरू होने के साथ ही लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने लिखा, हालांकि इन परिस्थितियों में बीच सीज़न में नियम बदलना ज़रूरी हो सकता है, लेकिन इन बदलावों में निरंतरता की उम्मीद की जाती है। 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुआ मुकाबला आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद पहला मैच था। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था, लेकिन लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। मैच की कट-ऑफ टाइमिंग 10:56 PM थी, लेकिन बारिश नहीं रुकने के कारण मुकाबला 10:26 PM पर ही रद्द घोषित कर दिया गया। इस मैच के रद्द होने से केकेआर की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, वेंकी मैसूर ने लिखा, अगर उस वक्त यह अतिरिक्त 120 मिनट का नियम लागू होता, तो शायद कम से कम 5 ओवर प्रति टीम का मुकाबला खेला जा सकता था।

इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने गाजीपुर मंडल को हराया

प्रयागराज। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने गाजीपुर मंडल को की टीम को तीसरी गौर हरी सिंघानिया राज्य महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच में 133 रन से हरा दिया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर के कमला क्लब मैदान पर खेले गए मैच में एसीए ने 35 ओवर में 8 विकेट पर 195 रन (खुशी 38 नाबाद, प्रीति यादव 36, शालिनी सिंह 35, भार्गवी पांडेय 21 नाबाद, गरिमा 2-23, अनामिका यादव, अनीता यादव, श्वेता यादव, रिदिमा यादव एक-एक विकेट) बनाये। जवाब में गाजीपुर मंडल की टीम 25.3 ओवर में 162 रन (प्रीता यादव 32, भार्गवी पांडेय 3-15, कात्यायनी पाठक 2-04, शालिनी सिंह व राधा पांडेय एक-एक विकेट) बना लिये।

जीत के साथ राजस्थान ने खत्म किया अपना आईपीएल 2025 का सफर, चेन्नई को 6 विकेट से दी मात

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने अंतिम लीग मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 6 विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही राजस्थान ने टूर्नामेंट से विजयी विदाई ली। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। चेन्नई की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 42, आयुष म्हात्रे ने 43 और शिवम दुबे ने 39 रन की उल्लेखनीय पारियां खेलीं। अनुभवी कप्तान एमएस धोनी ने 17 गेंदों में 16 रन बनाए और टी-20 क्रिकेट में अपने 350 छक्के पूरे किए।

राजस्थान की गेंदबाजी में युद्धवीर सिंह और आकाश मधवाल ने घातक प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए। जबकि तुषार देशपांडे और वनिंदु हसरंगा को एक-एक विकेट मिला। राजस्थान की पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल ने तेज गति से की और 19 गेंदों में 36 रन बनाकर वो आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी (57 रन) और कप्तान संजू सैमसन (41 रन) के बीच 98 रन की अहम साझेदारी हुई। इन दोनों का विकेट रविचंद्रन अश्विन को मिला। आखिर में ध्रुव जुरेल 31 और शिमरॉन हेटमेयर 12 रन बनाकर नाबाद रहे। आखिरी ओवर में मथीशा पथिराना की गेंद पर छक्का

लगाकर जुरेल ने टीम को जीत दिलाई। चेन्नई की ओर से आर. अश्विन ने दो विकेट चटकाए, जबकि अंशुल कम्बोज और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन और हॉकी इंडिया के बीच ऐतिहासिक समझौता, अब खेल के साथ उच्च शिक्षा भी कर सकेंगे खिलाड़ी

एजेंसी

नोएडा। हॉकी इंडिया के 100वें स्थापना दिवस के अवसर पर, जिसे पूरे देश में हॉकी डे के रूप में मनाया गया, एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन (एयूओ) और हॉकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस करार का उद्देश्य देशभर के अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के हॉकी खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे खेल और शिक्षा दोनों में संतुलन स्थापित कर सकें।

इस साझेदारी के तहत एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन खिलाड़ियों को विशेष शैक्षणिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 100 फीसदी तक की छात्रवृत्ति प्रदान करेगी, जिसे चैम्प्स (सेलीब्रेटिंग हीरोज विद एमिटी मेरिट प्रोग्राम स्कॉलरशिप) नाम दिया गया है। इसके अलावा, सभी खिलाड़ियों को तीन महीने का मुफ्त स्पोर्ट्स साइकोलॉजी सर्टिफिकेट कोर्स भी मिलेगा, जिससे वे मानसिक रूप से और अधिक सशक्त बन सकें। इस अवसर पर, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे और डिफेंडर ज्योति को एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन में क्रमशः बी.ए. (समाजशास्त्र) और एमबीए (मार्केटिंग) कार्यक्रमों में नामांकित किया गया। ये दोनों खिलाड़ी इस पहल की पहली लाभार्थी बनीं।सलीमा टेटे ने भावुक होकर कहा, हॉकी के चलते मुझे पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी थी, लेकिन

अब यह अवसर मुझे बिना खेल छोड़े शिक्षा पूरी करने का मार्ग प्रदान करता है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है और अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगा। ज्योति ने कहा, ऑनलाइन फॉर्मेट हमें प्रशिक्षण के बीच पढ़ाई करने का लचीलापन देता है। मैं अपने खेल और शिक्षा दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ने को लेकर उत्साहित हूं। एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजीत चौहान ने कहा, हम मानते हैं कि शिक्षा परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। यह पहल केवल शिक्षा की नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को मैदान के बाहर भी सशक्त बनाने की है। खासकर ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक नया जीवन प्रारंभ करने जैसा अवसर है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारे कई खिलाड़ी, विशेष रूप से महिलाएं, 12वीं के बाद शिक्षा रोक देती हैं। अब वे खेल के साथ-साथ अपनी पढ़ाई भी पूरी कर पाएंगी। महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इसे जीवन बदलने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम खिलाड़ियों के जीवन में खेल और शिक्षा दोनों को एक साथ आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हॉकी इंडिया के सभी खिलाड़ियों के लिए खुला है। इसमें बीकॉम, बीएससी, एमबीए और कई अन्य स्नातक व परास्नातक कार्यक्रम शामिल हैं।

विकसित भारत के अमृत स्टेशन

देश भर में

पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन

जिसमें शामिल हैं

बिहार के 2 अमृत स्टेशन

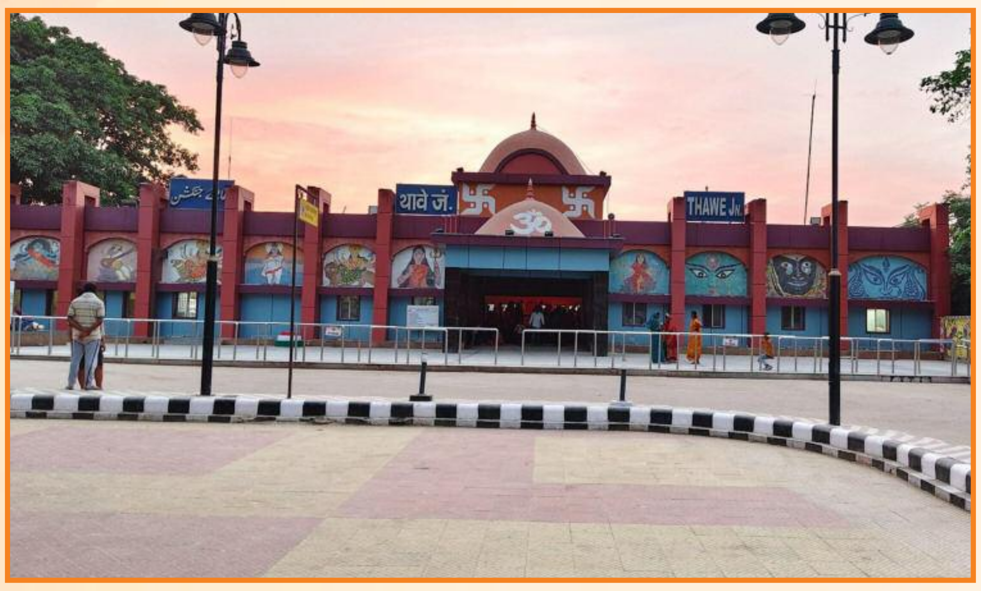

थावे जं.

पीरपैंती

लाभ

- सिटी सेंटर के रूप में विकास - विश्राम कक्ष, विशाल परिसंचारी क्षेत्र आदि जैसी सुविधाएं
- विरासत भी विकास भी -स्थानीय वास्तुकला से प्रेरित स्टेशन भवन
- अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर पार्किंग, लाउंज, प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के एकीकरण से ये स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र
- स्टेशनों के डिज़ाइन में ऊर्जा दक्षता और हरित उपायों को प्राथमिकता, जिससे न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव

प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

22 मई, 2025 | प्रातः 10:30 बजे

गरिमामयी उपस्थिति

आरिफ मोहम्मद खां
राज्यपाल, बिहार

नीतीश कुमार
मुख्यमंत्री, बिहार

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

अर्जुन राम मेघवाल
केंद्रीय विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री

नित्यानन्द राय
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

सतीश चंद्र दुबे
केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री

भारतीय रेल

डीडी न्यूज पर कार्यक्रम को लाइव देखें | www.indianrailways.gov.in | हमें फॉलो करें /RailMinIndia